



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 22, 1979 (पौष 1, 1901)

No 51 NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 22, 1979 (PAUSA 1, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1979

सं. ए०-12026/1/79-प्रगा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० म० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बाई० आर० गांधी की 11-10-79 से 31-12-1979 तक अथवा नियमित नियुक्त होने तक अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री गांधी की नियुक्ति स्थानान्तरण के आधार पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समग्र पर मंशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० ए० 10(24)-सं० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एम० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

सं. ए० 12025/11/78-प्रगा० III—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/28/79-सी० ए० I दिनांक 18-9-1979 के अनुसरण में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के खाद विभाग के स्थायी सहायक श्री ए० सी० जैन को राष्ट्रपति द्वारा, 28 दिसम्बर, 1979 के पूर्वान्तर से, आगामी आदेशों तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

एम० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं. ए० 9 आर० सी० टी० 21—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एनद्वारा श्री के० ए० अहंजा, स्थायी सहायक को स्थानापन्न रूप से 30 नवम्बर, 1979 (प्रपराह) से 90 दिन के लिए 28

मि 1980 (अपराह्न) तक या अगले आदेश तक जो भी 'हो, अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ०९ आर० सी० टी०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रतद-  
व्वारा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मनोहर लाल को  
३० नवम्बर, १९७९ से २८ फरवरी, १९८० तक या अगले आदेश  
तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त  
करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,  
प्रब्रह्म सचिव  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० ए०-१९०२१/६/७५-प्रशा० ५—श्री य० एन० बिस्वास,  
भारतीय पुलिस सेवा (१९६८ पश्चिम बंगाल), पुलिस अधीक्षक,  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना ने दिनांक २७-८-७९  
के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं  
पश्चिम बंगाल राज्य सरकार को वापस सौप दी गई।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० जी०-१०/६५-प्रशासन-५—निवर्तन की आयु प्राप्त  
कर लेने पर, श्री जी० पी० मोटवानी ने दिनांक ३१-१०-१९७९  
के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अधियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो,  
अहमदाबाद के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० के ९२/६८-प्रशासन-५—निवर्तन की आयु प्राप्त कर  
लेने पर, श्री के० राधवन, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण  
व्यूरो, दिनांक ३१ अगस्त, १९७९ के अपराह्न में सरकारी भेवा  
से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-३५०१३/१/७९-प्रशासन-५—राष्ट्रपति अपने  
प्रसाद से श्री बी० एल० जोशी, भारतीय पुलिस सेवा (१९७१-  
राजस्थान) को दिनांक १७ नवम्बर, १९७९ के पूर्वाह्न से अगले  
आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना  
में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रांवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

सहानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० एफ०-२/३८/७८-स्थापना—इस महानिदेशालय की  
सम संख्यक अधिसूचना दिनांक १२/१३-७-७९ के क्रम में।

राष्ट्रपति, डा० निरंजन बहादुर को जनरल ड्यूटी अफिसर  
ग्रेड II के पद पर दिनांक २२-६-१९७९ से स्थायी रूप में नियुक्त  
करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० पी० ए८०-२/७९-स्थापना—श्री मोहन मिहू, कार्यालय  
अधिक्षक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थे  
रूप में दिनांक ३-११-७९ (पूर्वाह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर  
पदोन्नत किया जाता है।

ए० के० बन्दोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-११००१९, दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० ई०-३२०१५( ३)/४/७७-कार्मिक—के० औ० सु०  
ब० में पुनर्नियुक्त से रिलीव होने पर श्री ए० के० नायर ने ३१  
अक्टूबर, १९७९ के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट श्राई०  
एस० आर० औ० थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार  
छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३( ३)/१८/७९-कार्मिक—सलेम को  
स्थानांतरित होने पर श्री पी० डेविड ने ३१ अक्टूबर, १९७९ के  
अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० पी० टी० विशाखापटनम  
के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३( ३)/१८/७९-कार्मिक—बोकारो को,  
स्थानांतरित होने पर श्री ए० पी० मूलचंदानी ने ३० अक्टूबर  
१९७९ के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० श्राई० एस०  
भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-३८०१३( ३)/१८/७९-कार्मिक—बोकारो से  
स्थानांतरित होने पर श्री औ० पी० जैटली, सहायक कमांडेंट ने  
२८ सितम्बर, १९७९ के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी०  
श्राई० एस० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल  
लिया।

सं० ई०-३८०१३( ३)/१९/७९-कार्मिक—दुर्गापुर से स्था-  
नांतरित होने पर श्री ए० ए० सैनी ने १५ अक्टूबर, १९७९ के  
पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक (द० क्षेत्र) के अधीन प्रशिक्षण रिजर्व  
बल के सहायक कमांडेंट पद का, जिसका मुख्यालय थुम्बा में होगा,  
कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-३८०१३( ३)/१९/७९-कार्मिक—श्री ए० ए०  
सैनी ने प्रशिक्षण रिजर्व बल (द० क्षेत्र) के सहायक कमांडेंट के  
पद का, जिसका मुख्यालय थुम्बा में था, कार्यभार ३१ अक्टूबर,  
१९७९ के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट श्राई० एस० आर० औ०  
थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ई०-28099/1/79-कार्मिक—निर्वतन की आयु होने पर श्री जे० बी० भट्टाचार्जी ने 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गपुर के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-38013(2)/1/79-कार्मिक—देवास (म० प्र०) को स्थानांतरित होने पर श्री बी० के० भल्ला ने 24 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट, एच० ई० सी० रांची के कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० ई०-38013(2)/1/79-कार्मिक—विशाखापटनम को स्थानांतरित होने पर श्री ए० के० सिह ने 20 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 5 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट बी० पी० टी० विशाखापटनम के कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/15/79-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एस० शंकर नारायणन को तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं और श्री नारायणन ने 3 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल० हैदराबाद के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

म० ई०-38013(3)/18/79-कार्मिक—भिलाई में स्थानांतरित होने पर श्री एस० पी० मूलचंदानी ने 8 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

(ह०) अपठनीय

महानिरीक्षक/क० औ० सु० ब०

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1979

म० बी० (13)/प्रशा०-II—मुद्रण निदेशक ने श्री रामचन्द्रन वेंकटचन्द्रन, तकनीकी अधिकारी (फोटोलियो) की 15 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार रिप्रो-ग्राफिक यूनिट, रक्षा सेवाएं स्टाफ कालिज, वैलिंगटन (नीलिंगरी) में उप प्रबन्धक (फोटोलियो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है ।

पी० बी० कुलकर्णी  
मंयुक्त निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

सं० के० 30 प्रशा०-II मुद्रण निदेशालय श्री एम परीतू कूजू, सहायक अधिकारीपाल (भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार) को 15-10-79 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक रु० 650-30 740-35-810-द रो-35-880-40-1000 द रो -40-1200

के बेतनमान में भारत सरकार मुद्रणालय मिन्टो रोड नई दिल्ली में महायक प्रबन्धक प्रणाली के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अपराह्न से के० औ० सु० २० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गपुर के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया गया है।

मदन मोहन जोशी  
उप निदेशक, प्रशासन

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/५/७९—इस कार्यालय की समस्याक अधिसूचना दिनांक 30-5-79 के क्रम में निम्नलिखित तदर्थं नियुक्तियों की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 1-9-79 से आगे उनके नाम के सम्बुद्ध दर्शाई गई दिनांक तक बढ़ाई जाती है :-

क्र सं	नाम	पद जिस पर तदर्थं आधार पर नियुक्त (वास्तविक)	दिनांक जब तक तदर्थं (द्वाई गई नियुक्ति बढ़ाई गई)
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	ए० एस० व्हट्टकर	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)	7-10-79
2.	ए० पॉम्पुथुराई	—यथा—	31-12-79
3.	डी० आर० कोडावर	—यथा—	"
4.	ब्हाय० जनार्दनराव	—यथा—	"
5.	रामपाल सिह	—यथा—	"
6.	एन० आर० जयरामन	—यथा—	"
7.	समरेन्द्र दास	—यथा—	"
8.	ए० दत्ता	तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)	"
9.	श्रुण कुमार इंगले	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना, अनु० एवं प्रयोग)	(स्थाही कारखाना, अनु० एवं प्रयोग)
10.	जे० एन० गुप्ता	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना उत्पादन)	(स्थाही कारखाना उत्पादन)
पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक			

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 79

सं० प्रशा०-I/का० आ० 450/5-8/77-80/1677—निदेशक लेखापरीक्षा ने मूल नियम 30(1) के 2 परन्तुके अन्तर्गत इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की लेखा अधिकारियों के पदक्रम में रु० 840-1200 के समय

वेतनमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सहित 30 जुलाई 1979 (पूर्वाह्न) से प्रोफार्मा पदोन्नति का आदेश दिया है:—

1. श्री डी० डी० भारद्वाज
2. श्री बलराम शर्मा

सं० प्रश्ना०-१/का० आ० स० 457/पी० एफ० /एम० सी० भट्टनागर/79-80/1704—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77-इस्टे (ए) दिनांक 26-8-77 के अनुसार 20 वर्ष में अधिक की अर्हक सेवा पूरी करने के बाद 22 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) में इस कार्यालय के एक स्थानापन्न सेखापरीक्षा अधिकारी श्री एम० सी० भट्टनागर, भारत सरकार की सेवा में स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हो गए हैं।

2. श्री भट्टनागर मरकारी सेवा में 4-6-47 को प्रविष्ट हुए और उनकी जन्म तिथि 30-9-30 है।

प्रश्ना०-१/का० आ० स० 458/5-6/79-80/1711—  
निवेशक सेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व आगे आदेश होने तक इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० एन० अग्रेग की 3-11-79 पूर्वाह्न में स्थानापन्न रूप में लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने हैं। यह इस कार्यालय की अधिगूचना संदर्भ प्रश्ना०-१/का० आ० 361/5-6/पदोन्नति/79-80/1387 दिनांक 28-9-79 के आंशिक मुद्रार में जारी की जाती है।

सं० प्रश्ना०-१/का० आ० स० 459/5-6/79-80/1713—  
वाधेक्य निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री कृपाल सिंह, भारत सरकार की सेवा में दिनांक 30 मिन्हर, 1979 के ग्राहात रो सेवा निवृत्त हो गए हैं।

को० चित्राया,  
संयुक्त निवेशक सेखापरीक्षा  
(प्रश्ना०-१)

—

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिक्कनन्तपुरम, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० ए० 7/9-86/खण्ड 2/173—इस कार्यालय के नीचे बताये स्थानापन्न लेखा अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी तारीख से रु० 840-40 1000-द० रो०-40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक भास्ता में नियुक्त करने के लिए महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं।

1. श्री के० राधाकृष्णन भनोन—1-6-1979
2. श्री एम० के० शंकर नारायण—1-10-1979
3. श्री बी० श्रीनिवासन पोट्टी—1-10-1979

डी० एम० अध्यर, वरिष्ठ उप-  
महालेखाकार (प्रश्ना०-१)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली—२२ दिनांक 28 नवम्बर 79

सं० प्रश्ना०-१/का० आ० स० 45016 (i)/73/प्रश्ना०-१ राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारियों को (उनके नाम के समझ उल्लिखित प्रतिनियुक्तियों पर) उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (ठाये 2000-125/2-2250) में आगामी अदेश पर्यन्त, तारीख 19 नवम्बर 1979 पूर्वाह्न से अनुक्रम नियम के अन्तर्गत स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर महंग नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	सम्प्रति दत्त कार्य
१	श्री बी० एम० जाफा	संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, बृद्ध विभाग मिशिल, नई दिल्ली ।
२	श्री आर० कन्द्राणगुन्दरम	मुख्य वित्तीय नियंत्रक, हिन्दुस्नात एंडरोना/टक्स लिमिटेड, बंगलौर

आर० ए.ल० बरुशी

रक्षा लेखा अधर महानियन्त्रक (प्रश्ना०-१)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1979

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/587/59-प्रश्ना०-१ (राज०)/8356—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री पी० के० सेन ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से गांधीधाम में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/395/56-प्रश्ना०-१ (राज०)/8363—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री सी० एल० आटपाडे ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 6/1325/79-प्रश्ना०-१ (राज०)/8369—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय आगुलिपि सेवा के स्थायी वर्ष “ग” के अधिकारी श्री एम० एम० लाल को 15-11-1979 (दोपहर पूर्व) से 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक इस पद को नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, उस तक के लिए विकृत अस्थायी आधार पर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, नई दिल्ली में उसी सेवा के वर्ग “ख” में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० 6/1281/79-प्रशासन (गज०) / 8382—मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्यात, श्री अनिल कुमार ननेजा, अन्वेषक ग्रेड-I, धर्म मंत्रालय, नई दिल्ली को 30 अक्टूबर, 1979 के दोपहर पूर्व में आगवा आदेश होने तक नियुक्त मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्यात, वम्बई के कार्यालय में नियंत्रण, आयात-निर्यात (श्रेणी “ख”) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री तनेजा, नियंत्रण के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के बेनतमान में बनन प्राप्त होंगे।

सी० एस० आर्य  
उप-मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्यात

## उद्योग मंत्रालय

## श्रीद्योगिनि विद्यास विभाग

विभास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए-19018(417)/79-प्रशा० (गज०)—राष्ट्रपति, श्री एन० के० मिह को लघु उद्योग शाखा संस्थान, राउरकेला में दिनांक 19 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) में प्रगले आदेशों तह के लिए सहायता निदेश, ग्रेड-I (धातु कर्म) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशा०)

## बम्ब आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/77—सूति बम्ब (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 3.1 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय मराठा की पूर्वस्थिति से मैं एतद्वारा बम्ब आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/-जी०/77 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना भ संलग्न मार्गण में क्र० सं० 12(6) के भासने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रवित्रि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

“महाप्रबंध हणग, जिला उद्योग केन्द्र/वर्गिठ जिला उद्योग अधिकारीगण/जिला उद्योग अधिकारीगण/ जिलों के कार्यभारी योजना अधिकारीगण (उद्योग)”

सं० 18(1)/77/सी० एल० बी० 11—बम्ब (शक्तिचालित नायकों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा बम्ब आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी०

11/वीं दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अधिवित संशोधन करता है, अर्थात्—

उक्त प्रवित्रि से मंलग्न मार्गण में त्र८ संख्या 12(5) के भासने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रवित्रि के स्थान पर निम्नलिखित प्रवित्रि प्रतिस्थापित की जाएगी—

“महा-प्रबंधक-गण, जिला उद्योग केन्द्र/वर्गिठ जिला उद्योग अधिकारी-गण/जिला उद्योग अधिकारी-गण/जिलों के कार्यभारी योजना अधिकारी-गण (उद्योग)”

सं० वा० चेवरकर  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

## पूर्ति विभाग

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-शाखा-)

नई दिल्ली-1 दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० प्र०-1/1(1146)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० चोपड़ा को दिनांक 13-11-79 (पूर्वाह्न) में इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (विश्री कर) (ग्रेड-I) के पद पर तदर्थ प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## (प्रशासन अनुभाग-8)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० ए०-17011/158-78 प्र०-6—राष्ट्रपति, श्री ए० के० महरोन्ना को दिनांक 24-10-79 के पूर्वाह्न से श्री आगामी आदेशों तथा निरीक्षण (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण निवा, युप ए इंजीनियरी शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री महरोन्ना ने दिनांक 24-10-79 के पूर्वाह्न भै निरीक्षण निदेशालय, उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के अधीन उप निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० प्र०-6/247(578)/67—इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री मदनलाल ने दिनांक 22 अक्टूबर 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

पी० डी० सेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० प्र-6/247 (388)---राष्ट्रपति ने निर्णय किया है कि श्री एस० सी० आनन्द, जिनकी पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी I) ग्रुप ए के ग्रेड II में पदोन्नति दिनांक 16-9-74 को हुई थी अब उस पदोन्नति की वास्तविक तारीख 16-9-1971 (पूर्वाह्न) होगी।

पी० डी० मेठ  
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० स्था-I 5576/88-I-अधिकारी---डाक्टर अनिल कुमार रमेश, एस० बी० बी० एस०, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, श्रीमद्भास्कर देहरादून में, डाक्टर ए० एन० चटर्जी जो दिनांक 30-6-1979 (प्राप्ताह्न) से नेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर दिनांक 22-10-1979 ने 19-1-1980 (प्रपराह्न) तक केवल 90 दिन तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थाई आधार पर, कुल मिलाकर 1155/- रु० प्रतिमाह पर, चिकित्सा अधिकारी मास० मि० सेवा ग्रुप 'बी' में प्रथमतः नियुक्त किए जाते हैं।

प्राधिकार---स्वास्थ्य एवं पर्यावार कल्याण मंत्रालय का पत्र सं० ए०-12034/20/79-के० स्वास्थ्य सेवाएं—दिनांक 8-8-1979।

के० एल० खोसला  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० ए०-24013/11/79-सिवन्दी-I---फिल्म प्रभाग के मुख्य निमित्ता ने, फिल्म प्रभाग नागपुर के स्थानापन्न विक्रेता कु० एस० सेन को दिनांक 24-9-79 के पूर्वाह्न से, श्री आर० पी० शर्मा छुट्टी पर जाने के बजह समान कार्यालय में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य नियर्ता

विज्ञापन और दृश्य प्रवार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012/4/71-प्र० (रा०)---विज्ञापन और दृश्य प्रवार निदेशक श्री अमल मुखर्जी को जो इस निदेशालय में स्थायी प्रदर्शनी सहायक हैं कलकत्ता स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय

(परिवार कल्याण) में 9-10-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थं आधार पर श्री डी० सी० राय श्रेत्रीय प्रवर्शनी अधिकारी (प० क०) (छुट्टी पर है) के स्थान पर स्थानापन्न रूप से क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० ए० 19020/22/77-प्रशासन-2—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० नरेन्द्र कुमार वर्मा ने 30 जून, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन इन चिकित्सक के पद का कार्यभार तदर्थं आधार पर संभाल लिया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन इन चिकित्सक के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने पर डा० नरेन्द्र कुमार वर्मा ने 30 जून, 1979 के अपराह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में इन चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/22/79-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-I---राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में अंग्रेजी की लेक्चरर कुमारी ए० पी० मारदा को कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधारविभाग के 26 अगस्त, 1977 के कार्यालय आदेश संख्या 25013/7/77-स्थापना (ए) में उल्लिखित व्यवस्था के अन्तर्गत 3 प्रकृत्वात्, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक आधार पर रिटायर होने की आज्ञा दे दी है।

दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० ए० 12025/5/79 (ए० आई० आई० एच० पी० एच०) प्रशासन-I---राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सकाई इंजीनियरिंग (डिजाइन) के सहायक प्रोफेसर श्री कुमार ज्योति नाथ को 30 अक्टूबर 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक उसी संस्थान में पर्यावरण स्वच्छता के प्रोफेसर के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 12026/26/78 (जे० आई० पी०) प्रशासन-I---स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी की सहायक नर्सिंग अधीक्षक, श्रीमती ए० चैटर्जी को 29 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक उसी संस्थान में उप नर्सिंग अधीक्षक के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/28/78-(एस०डी०) प्रशासन-I---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने, भारत के सीरम विज्ञानी और

रासायनिक परीक्षक, कलकत्ता के वरिष्ठ तकनीकी सहायक डा० ए० स० दाम गुप्ता को 2 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में हम्मनो-कैमिस्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/14/78-(एच० क्य०) प्रशासन-।—अपनी पुर्तनियुक्ति की अवधि पूरी हो जाने पर एयर कमांडर पी० धर्मराजु ने 14 अक्टूबर, 1979 अपराह्न में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सिविल डिफेंस के निदेशक (चिकित्सा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/18/77(मी० आर० आई०) प्रशासन-।—राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में पशु चिकित्सक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एन० टंडन ने 28 सितम्बर, 1979 अपराह्न को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली से पशु (बेटेरीनरी) सहायक सर्जन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० ए० 31014/3/79-(एच० क्य०) प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती इंदिरा सक्सेना को 29 जून, 1976 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (शिक्षक प्रशिक्षण) के स्थाई पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 11013/2/78-(एच० क्य०) प्रशासन-।—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में सहायक सम्पादक (अंग्रेजी एवं हिन्दी) श्री एन० जी० श्रीवास्तव को 25 अक्टूबर, 1979 अपराह्न में आगामी आदेशों तक उसी व्यूरो में संपादक (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12026/34/77-(मुख्या०) प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय मेडिकल लाइब्रेरी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली की लाइब्रेरीयन ग्रेड I, श्रीमती कृष्णा बसरा को 7 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी लाइब्रेरी में लाइब्रेरियन ग्रेड-I के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 12026/22/78-भण्डार-।—राष्ट्रपति, श्री सी० विट्टोबा को सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डीपो मद्रास में 27 अक्टूबर 1979 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उप

सहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री भण्डार) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

शिवशयाल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19019/6/79-के० म० स्वा० यो-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जे० मुजाथा को 12 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० धोष  
ग्रवर सचिव

भारतीय डाक तार विभाग

डाक तार महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

मं० 25-1/79-एल० आई०—निम्नांकित डाक जीवन बीमा पालिसियां विभाग के संरक्षण में गुम हो गई हैं। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों का भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमेदारों के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियों के संबंध में वे कोई लेन देन न करें:—

क्रमांक	पालिसी नं०	बीमेशार का नाम	राशि
1. एल-99207	दिनांक 15-2-78	क्रिनांक 2754960 एल० के० माहती जादव	रु० 5,000/-
2. एल-43369	दिनांक 1-12-75	सपर० 1565867 गुरुदेव सिंह	रु० 5,000/-
3. एल-80288	दिनांक 11-7-77	गनर० 1276473 हरिबंस मिश्रा	रु० 5,000/-
4. एल-54663	“ 28-2-76	मपर० 1454098 केवार सिंह	रु० 5,000/-
5. एल-37416	“ 31-1-76	हव० 6291416 बी० विश्वनाथन	रु० 5,000/-
6. एल-96277	“ 1-6-77	मि प०/एन० १० रामनाथ प्रसाद	रु० 5,000/-
7. एल-22099	“ 30-11-75	एन० के० राम ब्यास पाण्डे	रु० 5,000/-

सु० च० जैत  
निदेशक (डाक जीवन बीमा)

ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्कारण  
विषयन पंक्ति निरीक्षण निदेशालय  
फरीदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19025/14/79-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० डॉ गायकवाड, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में नागपुर में तारीख 26-9-79 (प्रपराह) में अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/15/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भोजराज देवराव शेरकार को इस निदेशालय में नागपुर में तारीख 16-10-79 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/16/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री तपन कुमार घोष को इस निदेशालय में कलकत्ता में तारीख 31-10-79 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विषयन (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/18/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ब्रह्म देव एर्मा को इस निदेशालय में बम्बई में तारीख 24-11-79 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/20/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कृष्ण वीर मिह पुन्डीर को इस निदेशालय में नई दिल्ली में तारीख 12-10-1979 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/21/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री अर्जुन कुमार मिह को तारीख 18-10-1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय में नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/22/79-प्र० III—श्री धर्म राज किशोर सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन पंक्ति निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 16-11-1979 (पूर्वाह्न) से 31-12-1979 तक या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, ही, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/23/79-प्र० III—श्री अभिमन्यु विश्वकर्मा, वरिष्ठ निरीक्षक को विषयन पंक्ति निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 16-11-1979 (पूर्वाह्न)

से 31-12-1979 तक या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए० 39013/1/79-प्र० III—इस निदेशालय में श्री अमल कुमार दास, सहायक विषयन अधिकारी द्वारा दिए गए त्याग पत्र की स्वीकृति के बाद तारीख 29-10-1979 (प्रपराह्न) से उन्हें उनके कार्यभार से मद्रास में मुक्त किया गया है।

बी० ए० न० मनिहार  
निदेशक प्रशासन,  
कू० कृष्ण विषयन सताहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरोरा, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(163)/79-एस०/13145—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता विद्युत परियोजना अभियन्त्रण प्रभाग के स्थायी सहायक फोरमैन, श्री पी० पी० सोनी, जो वर्तमान में नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न फोरमैन के पद पर कार्यरत है, को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० के पद पर दिनांक 1-8-1979 के पूर्वाह्न से अप्रिम प्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० न० प० वि० प० /प्रशा०/1(165)/79-एस०/13161—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, विद्युत परियोजना अभियन्त्रण प्रभाग के, केन्द्रीय समूह के स्थायी ड्राफ्ट्समैन 'बी०' श्री ए० बी० के० करबल, जो वर्तमान में नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न ड्राफ्ट्समैन 'सी०' के पद पर कार्यरत हैं, को नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड ए० स० बी० के पद पर दिनांक 1-8-1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अप्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० स० कृष्ण  
प्रशासन अधिकारी  
कू० मुख्य परियोजना अभियन्ता

परमाणु ऊर्जा विभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/8/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु ऊर्जा विभाग के निदेशक, डा० बी० के० वालाजी वैज्ञानिक सहायक 'ए०' को परमाणु ऊर्जा विभाग में 1 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक

अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता प्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं नेतृत्व अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 28 नवम्बर 1979

मं० 05052/79/6569—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री प्रभाना कुमार पण्डा, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी वैज्ञानिक महायक 'सी' को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वांक, 1979 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (प्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/79/6570—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री सतीश रमिकलाल देसाई, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी फारमैन को उसी परियोजना में एक अगस्त, 1979 (पूर्वांक) में आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (प्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

म० 05052/79/6571—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री गुन्डेमुंडीगोपाल कृष्णमूर्ति, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी पर्यवेक्षक (वस्तु) को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वांक, 1979 में आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (प्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

एम० सी० कॉटियनकर,  
प्रशासन अधिकारी,

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1979

म० ए० 32013/7/78-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 24-11-1978 को अधिसूचना संख्या ए० 32013/7/78-ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति जी ने श्री एम० सी० मंजुमदार, उपनिदेशक को दिनांक 30-8-1979 के बाद 31-12-1979 तक या पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर निदेशक, नियमित प्रशासन एकक के रूप में नियुक्त किया है।

सी० क० व० वत्स्य,  
सहायक निदेशक प्रशासन

समाहृतालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर-440001, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 5/79—इस समाहृता क्षेत्र के अमरावती प्रभाग में तैनात सहायक समाहृता श्री एन० एम० मेहता, सेवानिवृत्ति 2-37631/79

की यात्रा प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-79 को अपराह्न से सेवामृत हो गये हैं।

ए० शक्तररामा,  
समाहृता।

नियमित महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक नियमित विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

मं० 33/10/78-ई० सी०-९—गण्डपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री डी० डी० बाकडे को वास्तु-विद् के नामे अस्थायी पद पर रुपये 1100/- प्रतिमाह बेतन पर रुपये 1100-50-1600 के बेतनमान में सामान्य नियमों एवं शर्तों के अन्तर्गत दिनांक 16-10-1979 से महर्यं नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाकडे को उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर वास्तुविद् के नामे रखा गया है।

मं० 33/12/77-ई० सी०-९—नियमित महानिदेशक, क० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री हरगण चन्द्र को महायक वास्तुविद् के नामे अस्थायी पद पर रुपये 650/- प्रतिमाह बेतन पर रुपये 650-30-740-35 810-३० रो०-35-880-40-1000-३० रो०-40-1200 के बेतनमान में सामान्य नियमों एवं शर्तों के अन्तर्गत दिनांक 7-11-1979 से महर्यं नियुक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त अनुमार उनको महर्यं वास्तुविद् के नामे उनका नियुक्ति के दिन से 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रशासनिक पर रखा गया है।

3. उनका नैतात वरिष्ठ वास्तुविद् (न० दि० प्र० ३)-४ प्र०, क० लो० नि० वि०, नई शिल्प में की जाता है।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

मं० 27/10/70-ई० सी०-९—इस विभाग के स्थानापन्न श्री चांद नारायण एम० शमर्ता, वास्तुविद् की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में दिनांक 30 नवम्बर 1979 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त हो गयी।

हर्ष देव मिन्हा,  
प्रशासन उप-निदेशक

मध्य रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई बी० ई०, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० एच० प०० ब००/२२०/ज००/११/एन०—निम्ननिवित महायक मिमल एवं दूर संचार इंजनियरों (श्रेणी II) को

उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो वां सेवा में स्थायीकरण का तारीख
(1) श्री ए० के० सेन गुप्ता	5-5-1976
(2) श्री ए० कार्डेसो	26-10-1976
(3) श्री टी० ए० राव	17-11-1976

कृष्ण चन्द्र,  
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे  
प्रधान कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

मं० 17—श्रो के० चित्र तथा श्री आर० खोपला,  
दृष्टिगत रेलवे सर्विस मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के  
अधिकारियों ने रेल सेवा में दिनांक 31-5-1979 अपग्राह्य  
में दिया गया त्याग पत्र रेल मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है।

आर० के० नटेमन,  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
कम्पनी विधि बोर्ड  
कम्पनी लॉ बोर्ड  
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनों अधिनियम, 1956 और फिल्टरोडम प्राईवेट  
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

मं० 1941/560/79—कम्पनों अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा  
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तान मास के  
अवसान पर फिल्टरोडम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके  
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट  
दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कार्डोड मिल्वर  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

मं० 1940/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तान मास के  
अवसान पर कार्डोड मिल्वर प्राईवेट लिमिटेड का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से  
काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
कर्नाटक

मैसर्स अकान कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में,  
कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत  
नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

सं० 3128-13365—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली  
के दिनांक 28-5-1976 के आदेश में मैसर्स अकान कार-  
पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का परिषमापित होना, आदेशित  
हुआ है।

मं० आर० मेहता,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
दिल्ली पूर्व हरियाणा

कम्पनों अधिनियम 1956 एवं मैसर्स ओरीएन्ट हनस्युले-  
सन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

वार्षिक, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 12196/560(3)—कम्पनों अधिनियम 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तान मास के  
अवसान पर मैसर्स ओरीएन्ट हनस्युलेशन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से  
काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

बी० ए० री० मीना,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय  
(आय-कर)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० 36/40/76-प्रशा०/डॉ० श्री० ए० ए०/पा० ई०-  
1000—संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आय-कर),  
नई दिल्ली के स्थाई अधोक्षक श्री पी० ए० जैन ने, तदर्थ  
पदोन्नति पर दिनांक 17 नवम्बर, 1979 पुर्वाह्न से संगठन  
और प्रबन्ध सेवा निदेशालय आय-कर, नई दिल्ली में अपर-  
महायक निदेशक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ए० सं० जैन,  
निदेशक

## आय-कर अपोल अधिकरण

बम्बई-4 0020, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० एफ० 48-ए० डॉ०(ए० ट००) 79—1. श्री वाई० बाल मुकुमनियम, अधीक्षक, आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई, जिन्हें आय-कर अपोल अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर अस्थाय क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न स्वयं से तान महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की गयी थी; देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 की प्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डॉ०(ए० ट००)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, अमृतसर में और तोन महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा० शैक्षण्य द्वारा, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री वाई० बाल मुकुमनियम को उसी क्षेत्री में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा; और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय में उस क्षेत्री में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर क्षेत्री में प्रोक्षित किये जाने की पावता ही प्रदान करेगा।

2. श्री एम० वा० नारायणन, वरिष्ठ आणुलिपिक आय-कर अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तान महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक स्थानापन्न स्वयं से कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की गयी थी; देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 की प्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डॉ०(ए० ट००)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा० शैक्षण्य हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० वा० नारायणन को उसी क्षेत्री में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा, और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय में उस क्षेत्री में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर क्षेत्री में प्रोक्षित किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

3. श्री निरंजन दाम, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपोल अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली, जिन्हें तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तीन महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक

स्थानापन्न स्वयं से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी। देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 की प्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डॉ०(ए० ट००)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में और तोन महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा० शैक्षण्य द्वारा, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दाम को उसी क्षेत्री में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय में उस क्षेत्री में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर क्षेत्री में प्रोक्षित किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

4. श्री एम० वा० दलवां, जो आय-कर अपोल अधिकरण के उत्तरी क्षेत्र नई शिल्पों के उपायक्षमा के वैयक्तिक सहायक है और जिन्हें तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तान महने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक स्थानापन्न स्वयं से कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की गयी थी। देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 की प्रधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डॉ०(ए० ट००)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपोल अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-9-1979 से 18-10-1979 (अपराह्न) तक कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० वा० दलवां को उसी क्षेत्री में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय में उस क्षेत्री में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर क्षेत्री में प्रोक्षित किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० एफ० 48-ए० डॉ० (ए० ट००)/79—श्री ए० रामचंद्रन, सहायक अधीक्षक, आय-कर अपोल अधिकरण, मद्रास न्यायपीठ, मद्रास की नियमित आधार पर (प्रोविति यथांग में) उसी न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 17-11-1979 (अपराह्न) से अगले अदिश तक स्थानापन्न स्वयं में नियुक्त किया जाता है।

श्री ए० रामचंद्रन दिनांक 17-11-1979 (अपराह्न) से दो वर्षी के लिए परिवेशाधीन रहेंगे।

डा० रंगस्वामी,  
अध्यक्ष

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) द्वारा दूषित मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

गोहतरा, दिनांक 5 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० बी० जी० आर०/टी० एन० प्राई०/37/78-79—अतः मुझे, जी० एस० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयकर, अर्जन रेज, रोहतक।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० सम्पत्ति जो कि "होली डे इन" के नाम से कहलाती है तथा महायक कुटीर जो कि ब्लाक 'ए' सैक्टर 11, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और प्रतिफल का प्रतिफल के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखन में वास्तविक रूप से कठिन नहीं फिरा गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी प्राव या किसी बन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या दून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपरांत (1) के अधीन, निर्मलाखेत अधिकारी, अर्थात्—

1. मैमर्स डी० एन० प्र० युनाईटेड लिमिटेड, 21-22 नंदेश्वरा लेन, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. दि आरिस्टिटल फायर एण्ड जनरल इन्सोरेन्स कम्पनी लिमिटेड, ए-25/27, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरां अवित्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निमो अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही प्रत्येक होगा जो उन प्रधारण में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि "होली डे इन" तथा महायक कुटीर जो कि ब्लाक 1 ए, सैक्टर 11, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 146 दिनांक 28-3-1979 में उल्लेख किया गया है।

जी० एस० गोपाल  
संधार अधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 5-12-1979

मोहर:

प्रकप आई. टी. पन. पम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गदायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश मं० बी-42/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर परिषिक्षण, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समानि निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ३० मे अधिक है

और जिसकी स० सकान मय जमीन तथा जो चौक नजीबाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-79

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अधिकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया पन्थह प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और प्रभारिती (प्रभारितीयों) के बीच ऐसे प्रभारक्रम के लिए तथ्य पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण, निखिल मे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(६) प्रभारण से दूरी जिसी आर की धारा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभारक के दायित्व मे कमी करने था उससे बचने मे सुविधा के लिए; प्रोग्राम।

(७) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य अधिकारों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया आना चाहिए था, उसमें मे सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के पनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री जितेन्द्र कुमार (अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी (अन्तरिती)

3. (1) किरायेदारान व विक्रेता 1. अनिल कुमार वर्मा, 2. महेन्द्र कुमार वर्मा, 3. रफीक अहमद, 4. मनेजर गांधी अधिक, 5. मो० इस्माइल, 6. गेन्दाराम। (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबंद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम संपत्ति के प्रत्रेन ३ मिना नायनाद्वया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध मे कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबलि या तत्संबंधी अधिकारों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबलि, जो भी प्रबलि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अधिकारों मे से किसी अधिकत द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबंद किसी भन्य अधिकत द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए था यहाँ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाया 20-क मे वरिभावित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाया मे दिया गया है।

अनुमूल्य

एक किता मकान मय इमारत दूकाने व भूमि स्थित बाजार चौक नजीबाबाद व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 1037/79 मे वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार नजीबाबाद के कार्यालय मे दिनांक 27-6-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीखः 16-11-1979

मोहरः

प्रधा. पाइ. टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 नं 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन नियम।

भारत सरकार

हाईकोर्ट, नदरात्र प्रायकर ग्राम्पुरा (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर, 1979

निर्देश स० 62/23341/79-80/एक्वी० B—यतः मुझे,  
पि० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें  
इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम', कहा जाया है), को धारा  
269-प के प्रधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- है से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० 151, 4th काम, केम्ब्रिज ले आउट तथा  
जो, केम्ब्रिज लेन उत्तर, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर हमें उपाबद्ध  
अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०  
5-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है  
ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और अन्तरिती  
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया गया प्रतिकल  
मिहनतिक्षित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित नियम वास्तविक रूप  
से कहित नहीं किया गया है --

(क) प्रत्यक्षित सम्पत्ति के उचित अधिकारी के लिए  
प्रत्यक्षित कर देने के प्रत्यक्षित का वायिक्ष में  
कभी करने पाया उससे बदले में सुविधा के लिए;  
भारत

(ल) एक जिसी प्राय या जिसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनने के  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय  
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपायादा (1) के  
प्रधीन, विश्वासित अधिकारी, बत्तीदः—

1. (1) श्रीमती पापामल पत्नी श्री एस० शाम,  
(2) श्री एस० लोगनाथन, (3) श्री एस० चंद्रा  
गेवर, (4) श्री एस० नटराजन, सभी पुत्र (स्वर्गीय)  
श्री एस० शाम नं० 151, 44 क्राम, केम्ब्रिज लेन,  
सोमेश्वरपुरा, अलमूर, बंगलूर-8। (अन्तरक)

2. (1) श्री जयम गोविंदराय (2) श्री जै० रामा-  
चंद्रा, पुत्र (स्वर्गीय) श्री पेमनन्दन्या, निवासी नं०  
20, नन्दनवनेम जी, स्ट्रीट आस, अलमूर-बंगलूर-8।  
(अन्तरिती)

3. (1) वरधीम

(2) रमेश

(3) वामुदेव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. (1) श्री करुनाकरन

(2) एन० वी० रंगनाथन (वह व्यक्ति, जिसके  
वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।  
को यह सूचना आरो फरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उच्चन के सम्बन्ध में यही जी बाबेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो जी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्यक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रवधत शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम  
के प्रधायाय 20-८ में परिभासित है, वही प्रधं  
होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 3356 /78-79 ता० 5-3-79)

No. 151, 4th Cross, Cambridge Layout, now called as Somes-  
warapura, Ulsoor, Bangalore-8.

चक्रवर्ती :

पू० : रोड़

प० : खाली जगह का नं० 142

उ० : खाली जगह का नं० 150 ग्रीर

द० : खाली जगह का नं० 152।

पि० रंगनाथन,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 15-9-79

मोहर :

प्रहृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

बंगलूर, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 62/23319/79-80—/एक्वी० B—

यतः मुझे, पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन संबंधमें प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रविष्ट है और जिसकी सं० 1029/26, है, तथा जो 1st मेन IV, ब्लाक राजाजी नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोत्तर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ब) ऐसे किसी आय या किसी अन्य अधिनियम को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाय (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति:—

1. श्री सी० ममाना, नं० 9, "वेद" टेप्पल स्ट्रीट, जगनक्षमीपुरम, मैसूर-13 (अन्तरक)

2. श्री टी० वी० चलमैय्या,

2 श्रीमती शरादमा पत्नी श्री चलमैय्या नं० 1029/26, एम० एन० 1st मेन, IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010। (अन्तरिती)

ता यह सूचना जारी करने पूर्वी वर्तानि के प्रर्जन के लिए कार्रवाहीया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य अधिकारी द्वारा अध्योद्धृताकारी के पास लिखित में किए गए सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज 5359/78-79 ता० 26-3-79)

नं० 1029/26, 1st मेन, IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010।

चक्रवर्ती :

उ० : प्राप्टी नं० 1028

द० : प्राप्टी नं० 1030

पू० : 80 रोड और,

प० : कंजरवेनसी

पी० रंगनाथन्  
मथम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टो० एन० एस०--

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निर्देश मं० 62/23438/79-80/एसिक्यू ब--  
यतः मुझे, पि० रंगनाथन्

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन यशस्व प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि इसके अनुचार समाप्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसका सं० खाली जर्मीन का न० 48, है, तथा जो ईस्ट लेजानेया टेपल स्टूट, बामाबाना गड्डि, बंगलूरु में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूच, में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बामबाना गड्डी, बंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 23-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निमानिवित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रमत्तरण से ही किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या मर्यादास्तियों को, जिस्वे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधारी अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवात:—

1. श्रो० (1) आर० एम० जयशंकर
- (2) आर० जे० श्रांगामचंद्र
- (3) आर० जे० सुचिद्रा
- (4) आर० जे० दत्त।

थी Minors, Repld. by father आर० एम० जयशंकर, मम्भा निवास: न० 16(21), अपाजाया अग्रहारा, हमराज पेट, बंगलूरु-560018  
(अन्तरक)

(2) श्री डि० के० विठ्ठल न० 34, II मेन रोड, गोविपुरम एक्सटेंशन, बंगलूरु-560019।

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के प्रवत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ जिसी प्रवधि व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क, में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुष्य

(दस्तावेज 4323/78-79 ता० 23-3-1979)  
खाली जगह का न० 48, ईस्ट अंजनेया टेपल स्ट्रीट,  
बंगलूरु-560004।

चक्रवर्ती:

- उ०: श्रान्तिवाम ग्रेंगार की प्राप्ती,
- द०: श्री स्टेलविम की प्राप्ती,
- प०: कंजरवेनसी लेन और
- प०: ईस्ट फंजनेया टेपल स्ट्रीट।

पि० रंगनाथन्,  
सधम प्राधिकारी,  
(निरीक्षण) सहायक प्रायकर प्रायुक्त,  
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख: 4-10-1979

मोहर:

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, गवायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर-560001  
बंगलौर, दिसंबर 4 अक्टूबर 1979निर्देश सं० ०२/२३४३९/७९-८०/एक्विव०/बी०—यतः,  
मुझे, पी० रंगनाथन्,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अंतर्गत प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 14/27, मावाक्षली है, तथा जो टैक बंड  
रोड, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्या-  
नय, बसवनगुड़ि, बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन ता० 22-3-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अवक्तियों, ग्रहीतः—

3-376GI/79

1. डा० बी० दौरायस्वामी नायडू पुत्र श्री राहावलु नायडू  
नं० 34, II क्राम जर्नलिस्ट कालोनी, बंगलौर-2।  
(अन्तरक)
2. श्री पेट्टुपा पुत्र श्री मुनीस्वामी नायडू, नं० 4, मवाल्ली  
टैक बंड रोड, बंगलौर-4  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में  
से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य वर्गिक द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4307/78-79 ता० 22-3-79)  
नं० 14/27, टैक बंड रोड, बंगलौर  
चक्रबंदीउ०: प्राप्टी नं० 7,  
द०: खाली जगह नं० 5,  
प०: डेन और  
प०: टैक बंड रोड।पी० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 4-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी.एस. एवं--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23263/79-80/एक्विं-(यतः  
मुझे, पि० रंगनाथन्आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्वाधर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपय  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 822, है, तथा जो महालक्ष्मी लेआउट  
3 कास वेस्ट आफ चॉर्ड रोड, बैंगलूर में स्थित है (और  
इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बैंगलूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 8-3-1979को पूर्णीकृत ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-  
फल के लिये मन्त्रित की गई है प्लॉट मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्त्रितों  
(मन्त्री राजदानी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा यथा  
प्रतिकल, निम्ननिवित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किया जाता है:-(क) अनुसूची से हुई किया गया हा। बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
मन्त्री राजदानी या उससे वज्रने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी नियम तथा यांकनों वा वर्णनों को  
(अन्तर्नियम आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-67  
परिधि वर्तमान, 1957 (1957 का 27) के व्योग्यता वर्त्ती  
अन्तर्नियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धा (1)  
के अधीन निम्ननिवित अधिकारी, ममति :—1. श्री वीर क्याध्या नं० 852, महालक्ष्मी लेआउट  
बैंगलूर।  
(अन्तरक)2. श्रीमती जि० श्यामला, नं० 5, 9 में 4 ब्लॉक,  
जयनगर, बैंगलूर-11।  
(अन्तरिती)को यह नूचा जारी छह बूर्वास वर्षान के अंतर्न क  
नियत कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बन्ध के अंतर्न के अन्तर्न में कोई योग्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धीय अवधियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी  
प्रविधि बाद में समाप्त होता है, के बोनर पूर्वों।  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर ममति में हितवड़  
किसी प्रम्य अवधि द्वारा, अलाइसाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीरामी का, या उक्त अधि-  
नियम के प्रधारण 20-क में परिभ्रष्ट है;  
उक्त प्रधारण, जो उस अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 5202/78-79 ता० 8-3-1979)  
घर का नं० 822/87, 13 कास, महालक्ष्मी लेआउट  
वेस्ट आफ चॉर्ड रोड, बैंगलूर।पि० रंगनाथन,  
ममति प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर  
तारीख: 11-10-1979  
मोहर:

प्रकृप प्राई. टी. एन. एस. --

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं. सी. आर. 62/23493/79-80/एक्यू/बी०--  
यतः मुझे, पि० रंगनाथन

प्रायकर प्रविधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए पे अधिक है

और जिसकी सं. 105, शेषाद्रिपुरम्, है, तथा जो रोड़, पेलेस गृहालिल, बैंगलूर मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलूर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्कहु प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत मे वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :--

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावे प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मे, आयकर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :--

1. श्री न० एन० वर्द्धमान, अरमिहरे, हासन जिला (अन्तरक)
2. श्री कौ० व्ही० नरंजन, 105, पेलेस गृहालिल, बैंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 4456/79-80 ता० 30-3-79)  
पोर्नन श्राव वाउस प्राप्टी बैरिंग न० 105, शेषाद्रिपुरम् रोड़, पेलेस गृहालिल, बैंगलूर।पि० रंगनाथन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 12-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रज्जन रेज, बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/23904/79-80/एक्विं- (बी)  
—यतः मुझे, पि० रंगनाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० पोर्शन आफ प्रिमेस इ, तथा जो बोरिंग  
नं० 141, डि० एण्ड जि० रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4  
में स्थित है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन-  
गुडि, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन ता० 5-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायत्व म कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
म, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्री एल० विश्वनाथाचार पुत्र श्री बी० के० लिंगयार०  
न० 141, डि० एण्ड जि० रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4।  
(अन्तरक)

2. (1) टि० के० आचार, रेसि० पॉलिस सब इन्सपैक्टर  
(2) टि० रामलिंगाचार  
(3) टि० चन्द्रशेखर, प्रोप्राइटर आफ जी थंडवेश्वरा  
आपटिसिनस् सभी निवासी न० 10, डि० एण्ड जि० रोड  
बसवनगुडि, बैंगलूर-4 या न० 141, डि० एण्ड जि० रोड  
बसवनगुडि, बैंगलूर-4। पुत्र श्री बी० के० थांडवाचर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज न० 4040/78-79, तारीख 5-3-79)

पोर्शन आफ प्रिमेस बेरिंग न० 141, डि० एण्ड  
जि० रोड, बसवनगुडि, बैंगलूर-4।  
चकबंदी:—

पू०: जि० एण्ड जि० रोड और श्रीमती कृष्णाम्याज  
खाली जगह।

प०: कंजरवनसी

उ०: प्रिमेस बेरिंग न० 9, आफ श्रीमती नागप्ता  
और

द०: प्रिमेस बेरिंग न० 11 आफ श्री रंगास्वामी।

पि० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रज्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 16-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सी आर०-62/23552/79-80/एक्सिव०/  
बी०—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38, है, तथा जो स्वर पतरप्पा रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में (वस्तावेज सं० 4089/78-79) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जितः—

1. (1) सारोजा बाय, पुत्री लेट मेलवानामबी  
(2) श्री पी० डी० चेतुपाराज पुत्र श्री सारोजा  
बायी।  
(3) श्रीमती पी० डी० सीतारानी पुत्री सारोजा बायी  
सबका पता: सं० 127/2, सेप्पीनांग गोड, बंगलूर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री कुशलराज पुत्र श्री मानिकलाल  
(2) श्री पि० विनोद कुमार माइनर रेप्रेजन्ट कर  
रहे हैं उसके पिता एम० शावरलाल  
(3) सी० हसमुखलाल रेप्रेजन्ट कर रहे हैं उनके  
पिता चैनराज।  
(4) जे० अमरित कुमार रेप्रेजन्ट कर रहे हैं उनके  
पिता जवाहरलाल। सबका पता है: सं० 38,  
सदरपतरपा रोड, बंगलूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4089/78-79 दिनांक 1-3-1979)  
घर सम्पत्ति सं० 38 नया और पुराना सं० 110  
तथा जो सदरपतरपा रोड, बंगलूर।

पि० रंगानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 16-10-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 23 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सीआर 62/23551/79-80/एक्व०/बी०—

यतः मुझ, पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो केम्पे गोडा रोड, बैंगलूर-  
560009 में स्थित है (और इससे उभाबद्व अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर (दस्तावेज सं० 4075/78-79)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, ता० 2-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
यह कि प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा यथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तकि रूप से कथित गहरी किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) नीलकेप एच० पाटेल
- (2) अजे० एच० पाटेल
- (3) राजेश एच० पाटेल
- (4) सुमीताबेन एच० पाटेल
- (5) ताराबेन एच० पाटेल सं० 105, आनंदा  
राव एक्सटेन्शन, गांधीनगर बंगलूर-560009। (अन्तरक)
2. मेसर त्रिमूर्ति नटरप्रीयसज एम० जी रोड, चिक-  
कामबलूर रेप्रेजन्ट कर रहे हैं उनके पार्टनर श्री एम० एन०  
सरथम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकात की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरत पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रव्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4075/78-79 ता० 2-3-79)  
कामशियल संपत्ति सं० 8 और पुराना सं० 7 तथा  
श्री जो प्रभात टाकीज़ के नाम से कहलाता है जो कैम्पेगोड  
रोड बैंगलूर-9 में है।

चकबंदी:

पू०: एफ० के० सी० मी० आई० की सम्पत्ति

प०: क्रास रोड

उत्तर: कैम्पेगोडा रोड

द०: मेनाका टाकीज़

पि० रंगनाथन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 23-10-1979

मोहर:

प्रालृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1979

निदेश सं० ए भी क्य० 23-I-2305(875)/

10-1/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 4/1/1, प्लाट नं० 3 है तथा जो उद्योगनगर रोड, सुमेर कल्ब रोड के पीछे, जामनगर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रलाल राजपर, मेन भांड, जामनगर।  
(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र अमतलाल शाह, "महेन्द्र निकेतन" वजीर-पारा दिग्विजय प्लाट नं० 45, जामनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सर्वे नं० 4/1/1 प्लाट नं० 3 वाली खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल "5550-03" वर्ग फुट है जो मैन उद्योगनगर रोड, सुमेर कल्ब रोड के पीछे, जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा विश्री दस्तावेज नं० 507/15-3-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है। तथा प्राप्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद-380009

‘अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं ए सी० क्य०-I—2482(877)/1-1/79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा जाया है), की भारा 269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे नं० 48, 77, एफ० पी० नं० 744-745, प्लाट नं० 4-बी, 4-सी, टी० पी० एस०-3 का है तथा जो छद्वाड़, सिटी अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपलापा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बर्थतः:—

1. श्रीमती नम्लता इन्दुलाल पटेल, नेताजी सुभाष रोड, एलीसब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. निमिषा प्राप्टमेंट को०-प्राप्ट० हाउसिंग मोमायरी लिं०, 1130-एल०, लालभाई नी पोल, गिरवरभाई नो खांचो, भांडवी नी पोल, अहमदाबाद-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके तूर्चन प्रमाणित के बाबत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई सो प्राप्ता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तस्मानी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर प्रमाणित में हितबद्ध किसी प्रथम अविक्षित द्वारा, अधिकारी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्त इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदा का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के प्राप्ताय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही पर्याप्त होंगा, जो उप प्रधानाय में विदा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 847 वर्गज है जिसका रेवेन्यू सर्वे नं० 48, 77, फायनल प्लाट नं० 744, 745 प्लाट नं० 4-बी, 4-सी, टी० पी० एस०-3 का है जो छद्वाड़ अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 2328 ता० 15-3-79 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रॅल्प आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अद्यपदाधार

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निवेश सं० एसी० क्य० 23-I-2213 (878)/16-3/79-  
80—अतः मुक्ते, एस० सी० परीक्षआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जिन प्लाट नाम का, नवागढ़ में खुला  
प्लाट है तथा जो नवागढ़, जेतपुर में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5-3-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके  
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-376G/79

1. मैसर्सै सौराष्ट्र आयल मिल्स कं० मैनेजिंग  
पार्टनर श्री बिट्ठलदास नाथुभाई पटेल के मारकत नवागढ़,  
वाया जेतपुर। (अन्तरक)2. बेल प्रिंट प्रोसेसर्स, मैनेजिंग पार्टनर श्री नटवरलाल  
जुठालाल पटेल के मारकत, जिन प्लाट, नवागढ़, जेतपुर।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञत के लिए  
कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिवायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3000 वर्ग  
गज है जो जिन प्लाट नाम से प्रख्यात है तथा नवागढ़ जेतपुर  
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 403 ता० 5-3-79  
से रजिस्टर्ड हुआ बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया  
गया है।एस० सी० परीख,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अंतर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० ए सी क्यू०-२३-१-२१८८(८८१)/  
११-४/७९-८०—आयकर, भूमि, एस० सी० परीक्षा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 400/4 है तथा जो रानावाव,  
पोरबंदर में स्थित है (ओर इसे उभावद्वा आः सूची में और  
पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के वार्यालय,  
पोरबंदर में रजिस्ट्रीरन अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तरीका 27-३-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिय के लिए प्रतिक्रिय को आई है और मुत्ते पहले विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिक्रिय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रत: ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुत्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उद्धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—

1. अमोटी नथा हरभम, रानावाव। (अन्तरक)

2. उमीजा इंजोनरिंग कॉ० छाया, प्लाट पोरबंदर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में होई मो प्राजेतः:—

(क) इस सूचना के रानावाव में ब्रह्मगां को नारोब से  
45 दिन की प्रतिक्रिया तथा अन्यत्री अभिनयों पर  
सूचना की नामोन में 30 दिन की प्रतिक्रिया, जो भी  
अन्य बार में समाप्त होती हो, के मोरार पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के रानावाव में ब्रह्मगां को नारोब से  
45 दिन के मोरार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंतरिती के पास  
लिखित में फिर जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रयोग 206 में परिभ्रान्त हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुमुदी

खुली जरीन का प्लाट जिसका स्क्रिफल 42713  
वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 400/4 है जो रानावाव,  
पोरबंदर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1055 ता०  
27-३-1979 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी, पोरबंदर द्वारा  
रजिस्ट्रीर विशी दस्तावेज में जैत पूर्ण वर्णन दिया गया  
है।

एस० सी० परीख  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तरीका: ५-११-१९७९

मोदूर:

प्रकृष्ट भाई दो एवं एवं

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का आदा

269 वा (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद-380009, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निर्देश सं. ए० सी० अ० 23-3-2302(882)/  
10-3/79-80-अ०: नुस्खे ए० सी० परीक्षणआयकर आयानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-वा के अन्तर्गत सभी आवासों को यह विवास करने  
का कारण है तिक स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- द० से अधिक हैऔर जिनका सर्वे नं. 10, प्लाट नं. 1 से 34 है  
तथा जो धोन, धोल तलु. ता, जिला जामनगर में स्थित  
है (और इसके उपचान्द्र अनुकूली में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), १९०८ ई० अंतर्वर्ती का नार्यली, जोड़ीया में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
28-3-1979को पूर्वोक्त वस्ति के उचित बाजार मूल्य से इन के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और नुस्खे यह विवास करने  
का कारण है तिक यथा पूर्वोक्त वस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्य तिक प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वर्णन प्रतिक्रिया  
से वर्णित है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तर-  
नियम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए।  
भोर/वा(ख) ऐसी किसी आय पा. वा. की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए।अतः प्रति उक्त अधिनियम की बारा 269-वा के अन्तरण में,  
मेरे उक्त अधिनियम की बारा 269-वा की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री पटेल गोरखन बेशराम तथा पटेल अनन्द बसराम,  
खंभानोर, ता० धोन।  
(प्रत्यरुप)2. श्री पटेल भागजी लालाभाई श्री उमीया को० आप०  
द्वा० सोनावटी के प्रेसीडेन्ट, धोल, जिला जामनगर।  
(प्रत्यरुप)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंत्रति के अर्जन के लिए  
कायंवाहियों करता हूँ।

उक्त वंगी के प्रवंत के मंत्रव में कोई सी शाश्वत:—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर मूल्य की  
तापील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
ममाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिकार संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अस्थि व्यक्ति द्वारा अधोहसाक्षरी के भास व्यक्ति  
में किए जा सकें।प्रबोक्तरण:—ऐसमें प्रसूत गदा और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में  
परिभाषित है, की अर्थ होगा भा० उम  
अध्याय में देखा गया है।

अनुकूली

खुली जमीन का प्लाट जिनका थेन्कल 164621  
वर्ग मोटर जिनका सर्वे नं. 10, प्लाट नं. 1 से 34  
है, जो धोन, जिला जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन  
नं. 210 ता० 28-3-1979 के रजिस्टर्ड हुए बिक्री दस्तावेज  
में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-1-1-1979

मोदूर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269 प(1) के पश्चीम सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक भावकर भाष्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद-380009, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-3-2192(884)/  
16-7/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीक्षा

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा  
के अंशेन नम्रम प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण  
है नि स्वाधर मन्त्रिति, जितना उचित बाबार मूल्य 25,000/-  
रुपए में प्रतिकृत है।

और जिसकी सर्वे सं० 316 पैकी प्लाट नं० 4 से 8  
है तथा जो उपलेटा में स्थित है (और इससे उपावड़ इन्न-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी  
के कार्यालय उपलेटा में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979 को  
पूर्णक मन्त्रिति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकृति के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्मति का उचित बाबार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृति का  
प्रदृढ़ प्रतिकृति प्रतिकृति है और अन्तरक (प्रत्यरक्ती)  
और अन्तरितो (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणरक्त के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकृति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निमित्त में वाइटिंग कर से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव भी बाबत, उक्त  
अधिनियम के पश्चीम कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी हिपी भाव या किसी अन्य या अन्य व्यक्तियों  
को, जिसमें भारतीय भावकर अधिनियम, 1923  
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने य  
सुविधा के लिए;

अतः बत, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा के अन्तरक में,  
ने, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा की उपलेटा (1)  
के बादीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

1. नटे न तिगोरकुपार नरोत्तमदात जाताबाड़िया बोलकापा,  
जाताबाड़ियांनी की डहली, उपलेटा। (अन्तरर)
2. श्री नाथालाल नरपीभाई मांकड़ीया, गीतांजलि को०  
प्ल० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नवापुरा, उपलेटा।  
(अन्तरित)

को यह नुस्खा जारी करके पूर्णक मन्त्रिति के पर्वते के  
सिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त मन्त्रिति के पर्वते के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस नुस्खा के राजवाद में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्ती अक्षितवों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक  
अक्षितवों में से किसी अक्षित हारा;
- (क) इस नुस्खा के राजवाद में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वाधर मन्त्रिति में हितवड़  
किसी पात्य अक्षित द्वारा, यद्योद्वालाकारी के पात्य  
मिलित में किए जा सकें।

लक्ष्यकारण :—इसमें भाष्यकर वर्षों और वर्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभ्राषित है, उही  
पर्व होया जो उक्त अवधारण में विद्या गया है।

### अनुबन्ध

बुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2419-6-0  
वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 316 पैकी प्लाट नं० 4 से 8  
है जो उपलेटा में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 392 ता०  
29-3-1979 से रजिस्टर्ड हुए बिक्री वस्तावेज में जैसे पूर्ण  
वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा  
संस्कृत प्राविकारी  
सहायक भावकर भाष्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1979

दोहरा :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 811 एक्य० 23/  
1432/19-1/79-80—प्रतः मुझे, एस० सी० परीब  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभी सम्पत्ति को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जितका सं० नं० 275 है तथा जो बारडोली में  
स्थित है (और इसके उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ती अधिकारी के कार्यालय, बारडोली,  
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 22-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

1. श्री ललूरामाई छोटाभाई पटेल पी० ए० होल्डर  
नगीनाई लंगुमाई शोपर, ता० बतोड़। (अन्तरिती)
2. श्रीमती काशीबेन झवेरभाई पर्देती बेन रन्धोडभाई  
प्रत्याल दशाराम, बारडोली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए  
कार्याद्याद्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि वार में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्धस्तात्तरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जिनी जितना जर्वे नं० 275 है और बारडोली जिला सूरत  
में स्थित है। ये जिनी 1 रजिस्ट्रीर्ती अधिकारी वारडोली द्वारा  
रजिस्टर्ड नं० 819 ता० 22-3-79 को रजिस्टर्ड की  
गई है।

एत० सी० परीब  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रख्य आई० एन० टी० एस०-----

ग्रन्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्तन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 813 ए० कृ०-  
23-1359/19-1/78-79—ग्रन्त: मुझे, एस० सी० परीख  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके  
पश्चात 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर पंजने जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है

और जिसकी सं० रेवन्पू सर्वे नं० 189 ए तथा बी, 217  
ए० तथा गो०, तथा 513 है तथा जो स्टेनो रोड, बारडोली  
में स्थित है (गो० इति राजिंद्र प्रायुक्ती में और पूर्ण  
रूप तर्जी है), राजिंद्रोऽर्था अधिकारी के हार्याति,  
बारडोली में राजिंद्रोऽरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तरीक 7-3-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से के निए ग्रन्तारत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्नरत के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुम्हें किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिरो त्राप या क्रियो बन या प्रग्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. (1) श्रीमती दुर्सीदत्तनु जावसजी, कावृजी दीनशंजी  
दस्तूर को वंशवा,
- (2) 1. दीनगाजी कावृजी दस्तूर  
2. जमशेवजी कावृजी दस्तूर  
श्री अमरशा मणेशा कापडीया, कुलमुख्यार  
भरच।
- (3) शोरी राजनु जाव दस्तूर, पूनः। (अन्तरक)
2. मेसर्स हीराकन्द जबेरवन्द, स्टेशन रोड, बारडोली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रन्त के  
निए कायंवादिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्त के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते :—

- (क) इन सूचना के राजवाल में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की गमीन से 30 दिन से प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद  
में गमान द्वारा द्वारा के भातर दूर्जा व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन युआ के राजवाल में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भोतर उक्त स्वावर नंगाल में दिन-  
बद्र किसी प्रवधि वाद द्वारा प्रवौद्धसाक्षी के  
पात्र निवित में किए जा सकेंगे।

एवंदोहरा :—इन युआ गव्डों घोर रद्दों जा, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अयं हांगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जीरी तथा महान जित्ता रेवेन्पू सर्वे नं० 189 ए०  
तथा बी, 217 ए, बी तथा 513 है जो स्टेशनरोड बार-  
डोली में स्थित है तथा राजिंद्रशन नं० 793 से ता० 7-3-  
1979 को बारडोली में राजस्टड हुआ है।

एस० सी० परीख  
संक्रम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्त रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12-11-1979

मोदर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०-----

शायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पश्चात्यह प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्त रेज, सद्वास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० 92/नार्व/79--पा० मुझे, श्रो० आनन्दाम शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके तात्पुत्र 'उक्त प्रधिनियम' जैसा कहा जाता है), की धारा 269-ब के प्रभाग तथा रायिताने की, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त प्रधिनियम, जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- रुपए में प्रतिष्ठित है

और जिसकी सं० 1090 है जो पूनर्नामी रोड मद्रास-2 में स्थित है (और इसके उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेट मद्रास (डकू० नं० 221/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अंतर्गत, तारीख मार्च 1979

को प्रबोहूत मम्पसि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान प्रतिफल के लिये प्रमत्तरित की गई है और इन्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृष्ट्यानात तिफून से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतिरक (प्रतिरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रमत्तरण निवित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।--

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा लिए।

अतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के प्रन्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्राप्ति :—

1. श्री जगन्नाथ ए० न.युड० (प्रतिरक)

2. श्री ए० आर० विलडरस (प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तन्मन्दनी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 221/79 एम० आर० श्रो० पेरिमेट मद्रास भूमि और जॉपवुंज दीवार—डोर नं० 1090 पुनर्मल्ली है रोड मद्रास-7।

श्रो० आनन्दाम सक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन्त रेज-मद्रास

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्रकल्प प्राइंट दी० एव० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 19/मार्च/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा विविध बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है और जिसकी सं० 14, नेहरूजी नगर है, जो डिङुगल में स्थित है (और इससे उत्तरदूर अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, डिङुगल (आकू नं० 153/79) में भारतीय रिजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि याज्वर्णक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रमाण है अतिक्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यह यह प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियां में वास्तविक रूप से कायदा नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के प्रत्यक्ष के शामिल होने की नहीं करने या उत्तर बताने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी बत या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रथा प्रतिविष्ट जी धारा 269ए के अनुपराज में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अवधारा (1) अन्तर्गत निम्नविवित व्यक्तियों, प्रतिविष्ट:—

1. (1) श्रोतरी टि० लक्ष्मी ग्रन्थान (2) टी० सुवर्मनियम (3) श्रोतरी ए० तितावाति (अन्तरक)

2. श्री के० रामचन्द्रण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संविति के प्रबंधन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस सूचना के राज्यव्याप्ति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यव्याप्ति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षि में हिन्दू फिसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्त्राप्ररोक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होणा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकूट नं० 153/79 एस० आर० श्रो० डिङुगल भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, नेहरूजी नगर, डिङुगल।

श्रो० आनन्द्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 4-10-79

मोहर:

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 55 अप्रैल/79—ओ आनन्द्रम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और जिसकी स०9 से 16रेलवे स्टेशन रोड  
है जो डिङ्डुगल में स्थित है (और इससे उपापद्म अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय  
गलनारकपट्टी (डाकु नं० 598/79) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख एप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वात्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुर्झ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अध्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
5-376 G1/79

1. श्री टी० बालकिशनण (अन्तरक)

2. श्री डि० एस० राजु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 398/79 एस० आर० श्रो० नगलनामकं-  
पट्टी डिङ्डुगल भूमि और निर्माण होर न० 9 16 रेल वे  
स्टेशन रोड डिङ्डुगल

श्रो० आनन्द्रम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 4-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्थक नय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश मं. 25/मार्च/79—यतः, सुन्ने ओ० आनन्द्राम  
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन मध्यम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर मध्यति, त्रिवला उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. 108 ईस्ट पेट्रोल मस्टी स्ट्रीट, मदुरै  
में स्थित है (ओर इसमें उपावढ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय  
जे० एम० आर० III मदुरै (डाकु० नं. 617/79)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन नारीख मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक है और पन्तरक  
(अन्तरको) और पन्तरिसी (पन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या पन्य आस्तियों  
को, जिस्हे भारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

बन: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के  
प्रतुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की  
उपायकर (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री आर० एम० के० शंकर (अन्तरक)

2. ओ० एम० एम० एम० एम० सुन्दर महालिङ्गम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी घाँटप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
त्रिवित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुद्ध गब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं पर्यंत होगा, जो उम प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 617/79 जे० एस० आर० ओ० III  
मदुरै

भूमि और निर्माण डोर नं. 108 ईस्ट पेट्रोल मस्टी  
स्ट्रीट मदुरै।

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्ररूप जाई० टी० एन० एस०—  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 43/मार्च/79—यत्, मुझे, श्रो० आनन्द्राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प्र के प्रधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 31 कामकाड़ गांव है, जो यरकाड तालुक में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे०ए० स० आर०ओ०-1 सेलम (डाकू० नं० 1518/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्याप्त पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (-1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. दि० सेलम ड्योमिस मोमाइटी रिप्रिजेनेटिड बाई चेयरमन डा० माइकल बी० दुराप्रामामी (अन्तरक)  
2. डॉक्टर (श्रीमती) एम० कमतूरी - (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त उपधारा के लिए आवंचाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उपर्युक्त सम्पत्ति के उक्त सूचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(डाकूमेंट नं० 1518/79 जे० एम० आर० ओ०-1 सेलम)  
प्रग्निल्लवरल भूमि—मर्वे नं० 31 और निर्माण कामकाड़ गांव, यरकाज तालुक।

श्रो० आनन्द्राम  
मध्यम प्राधिकारी  
भवायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास-600006

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

## प्रस्तुत धाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 16/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है और

जिसकी सं० 77ए, और 78 सीताराम अर्थर स्ट्रीट  
है, जो आरकार में स्थित है (ओर इससे उपावन्द अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आरकाट (डाकु० सं० 558/79) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की वई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके वृद्धमान अन्तरिक्ष से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिष्ठान से अधिक है और प्रत्यरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिकी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यरक के सिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई ऐसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वयन अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया था या या किया जाना चाहिए था, किसी भी सुविधा के लिए;

यतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के उन्नरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, धर्माद्यः—

1. (1) ए० एम० सुबरमनिम सुदुलियार  
(2) एस० साता औ  
(3) डि० कस्तूरी वै (अन्तरक)
2. श्रीमति एम० सज्जन वै (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी प्राप्तेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी अविक्षियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध अविक्षिय द्वारा, अस्तोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डाकुमेट नं० 559/79 एस० आर० ओ० आरकाट  
भग्नी और निर्माण डोर नं० 77 ए और 78 सीताराम  
अर्थर स्ट्रीट, आरकार।

ओ० आनन्दम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रख्य स्टाईल ट्रॉ एन० एम०---

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, भोपाल

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 40/मार्च/79—प्रतः, मुझे, श्रो० आनन्द्रम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके विवरात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सभ्यम प्रधिकारी को यह विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्त आयकर मूल्य 25,000/- इष्टमें प्रधिक है और जिसकी सं० रास्ते नं० 33 अतियूर गांव, शेखराम है जो शेखराम हिल्स, भेरकाड ताल्लुक में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्यी में आंगूर पूर्ण रूप में बणित है)। रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भेरकाड (डाकु० सं० 58/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 79 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित हो गई है और मूल्य यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिय लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई निसी द्वारा द्वी बावन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर इन के प्रतिक्रिय के बायित्व में कमी रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी (ही आदि ग्रन्ति धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधैं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के लिए?

वतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. के बी माँ मिल्स (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० एम० नान्दनमी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोगर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख प 45 दिन के भोगर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वितीय अवित्य के अन्य अवित्य द्वारा प्राप्त अन्तरीक्ष के ग्रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त प्रधिनियम के प्रयोग 20-क में वरितावित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

डाकमेंट सं० 58/79 एस० आर० श्रो० भेरकाड भूमि सर्वे नं० 33—एकरार-24 अतिमूर गांव शेखराम दिल्म, भेरकाड ताल्लुक।

श्रो० आनन्द्रम  
मक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-J, मद्रास

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आमंत्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेद सं० 11/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 119/1 कस्तूरीपट्टी गांव है, जो संकेरी तालुक सलेम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० संकरीदुर्ग (डाकू नं० 274/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति ल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, भौमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पावायी (2) के० सेल्पा गावंडर (3) पालानीरम्माल (4) माईनर कांता रुकमनि (5) श्री चन्द्र-सैकरन। (प्रत्यक्ष)
2. (1) के० अच्युता गावंडर (2) रामासामी (प्रत्यक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 274/79 एस० आर० ओ० संरकारीडुर्ग अधिकलचरल भौमि सर्वे नं० 119/1, 118/1, 118/485, कस्तूरीपट्टी गांव, संकरी तालुक।

ओ० आनंद्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-मद्रास

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. केवी सा मिल्स (अन्तरक)

2. (1) श्री वी० आर० सुबरमनियम

(2) बी० आर० नारायण (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 39/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 आतिमूर गांव शेवराम है, जो इलस, एरकाड तालुक में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाकु० सं० 57/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

डाकुमेंट नं० 57/79 एस० आर० ओ० एरकाड भूमि सर्वे नं० 61 आतिमूर गांव शेवराम इलस एरकाड तालुक।

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास,

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 19/मार्च/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, वार्ड II नेहरू नगर है, जो डिङ्गमल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिङ्गमल (डाकू० नं० 153/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० रामचन्द्रन (अन्तरक)  
2. (1) टी० लक्ष्मी अम्माल (2) टी० सुबरमनियम  
(3) जी० जमाबार्ती (4) ए० तिलगवती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 153/79 एम० आर० श्रो० डिङ्गल भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, वार्ड नं०-II नेहरू नगर, डिङ्गल।

श्रो० आनन्द्राम  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 20/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 317 और 312 ए हैं, और जो "वैचूड़" वार्ड नं० VI, कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कोडैकानल (98/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यातूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—376G1/79

1. श्री करपांगाल भिल्स लि० (अन्तरक)  
2. श्री एन० के० एस० रेमोस्वरण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकमेंट नं० 98/79 एस० आर० ओ० कोडैकानल भूमि और निर्माण सर्वे नं० 317 और 312-ए "वैचूड़" वार्ड नं० VI, कोडैकानल।

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रकाश आई.टी. एन. एस. ——

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वां (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अधिनेत्र रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 49/पार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 57, 58, 58 बी व 58 सी अरिजंर अन्न स्ट्रीट है, जो रासीपुरम में स्थित है (और इससे उपावन्दी प्रनुसारी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (डाकु० सं० 467/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान को प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का पन्द्रह अन्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक काम से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं हिया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अनुन सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वां की सचावादा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त:—

1. (1) ए० डब्ल्यू० सामुवेल (2) ओ० मुसुकिरुज्जनण
- (3) श्री बी० किरुज्जाम्माल (अन्तरक)
2. श्री बी० के० आर० तिरुपति चेट्टीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी डाक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान अधिकारी में हितरद्द किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

डाकुमेंट सं० 467/79 ए० आर० ओ० रासीपुरम भूमि और निर्माण डोर सं० 57, 58, 58 बी, व 58सी अरिजंर अभा स्ट्रीट, रासीपुरम, सेलम डिस्ट०।

ओ० आनन्द्राम  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अधिनेत्र रेज-1, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन भेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 48/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 44 को० आप० कालोनी है, जो स्ट्रीट गांवी नगर, नामक्कल में स्थित है (और इससे उपादान ग्रन्तसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल (196/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1979 को पूर्वी सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के मानवदृष्ट प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रतिफल (प्रतिफलों) और प्रस्तुरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूपण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूपण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रक्रिया के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्याप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिक्षी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यवाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री के० आर० नमसिवायम (अन्तरक)
2. श्रीमती मारायम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त वंशति के प्रज्ञन के मंदिर में कोई भी प्राप्तेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को प्रवर्धि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवर्धि, जो भी प्रवर्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा मध्योहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होंगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्तसूची

डाकुमेंट सं० 196/79 ज० एम० आर० 1 नामक्कल भूमि और निर्माण डोर नं० 46, को० आप० कालोनी स्ट्रीट, गांवीनगर, नामक्कल।

ओ० आनन्दाराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रधान प्राइंटॉटॉ एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
आरा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 52/मार्च/79—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दाम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा  
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6, बुण हाल है जो रोड़ मदुरै  
में स्थित है (प्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम  
मदुरै (526/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 79  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरित (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं  
किया गया है।—

(ब) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
आना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब के  
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-ब की  
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:-

1. श्रीमती नीला सुबरमनियम (अन्तरक)
2. (1) के० सम्बंदम और  
(2) के० एम० मार्ईनवाकरनण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तामोन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी  
अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, प्रधानस्तान्त्री के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20F में परिभाषित  
हैं, नहीं अर्थात् जो उम प्रधाय में दिया  
गया है।

प्रमुख

डाकुमेंट नं० 526/79 एम० श्रार० श्रो० पुदुमंडपम,  
मदुरै

भूमि और निर्माण डोर नं० 6, दकुणहाल रोड़, मदुरै।

श्रो० आनन्दाम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, सद्रास  
मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 54/मार्च/79—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के परीक्षण अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर साति जिराज उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 540/1 है, जो वेलायसाली ग्राम स्ट्रीट में स्थित है (और इसे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय पेरियकुलम (237/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्हें दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुर्सि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्ति:—

1. (1) श्रीमती आर० पापामल और  
(2) भेजर राजा @ सतियाबाबू द्वारा गाजियन  
पापामल।

2. (1) आर० रामदोल, (2) आर० गनेशन, (3) आर० राजा (4) आर० बालसुबरामनियम पुत्र जी० वी० रामासामी थोबर, थेनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमुखसूची

डाकमेंट नं० 239/79 एस० आर० श्रो० पेरिया-कुलम।

भूमि और निर्माण सर्वे नं० 540/1, वेलायमालिंगा स्ट्रीट अलिनाग्राम थेनी।

श्रो० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 नवम्बर 1979

मिदेश सं० 37/मार्च/79—पतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० न० 945/1, शोलिंगपुरम ठवुन है,  
जो नार्त आरकाट विस्टो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, शोलिंगपुरम (डाकु० न० 584-1/6/  
79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० श्रीनिवासण (अन्तरक)
2. (1) श्री एम० वेतु मुदलियार और  
(2) श्रीमती शरस्वति अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
ग्रथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 584/1/16/79 एस० आर० श्रो० शोलिंगर  
भूमि और निर्माण—स० न० 945/1, शोलिंगपुरम।

श्रो० आनन्द्राम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी एन० एस०—

(1) एम० श्रीनिवासन

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
धारा 269प (1) के अधीन सूचना

(2) ए० एम० वेनू मुदलीयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 38/मार्च/79—यतः मुझे ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 945/1 ओलिंगपुरम, नार्त आरकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलिंगपुरम डाकू० नं० 584-I/15/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के—पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डाकूमेंट नं० 584-I/5/79 एस० आर० ओ० ओलिंगर भूमि और निर्माण सं० नं० 945/1 ओलिंगपुरम डाऊन, नार्थ आरकाट जिला।

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास-600006

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रकाश ग्राही ३० एवं १० एस—

1. (1) नागरतिनम्माल (2) सुदा पदमावती  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री जी० कलानिदि (अन्तरिती)

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 55/मार्च/79—यतः, मुझे, औ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 737 जो टी० एच० रोड़ है, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, रामपुरम, (डाकू. नं० 452/79) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और भूमि पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिष्ठित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जरी रहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तरण:— भूमि प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही पर्य होगा, जो उस प्रद्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 452/79 एवं आर० औ० रामपुरम, मद्रास।

भूमि और निर्माण डोर नं० 737, टी० एच० रोड़, मद्रास-81।

ओ० आनन्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रह्लप आईटी०एन०एस०

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, साधकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवाश सं० 84/मार्च/79—अतः, मुझे, ओ० आनन्दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है, जो कंदपक, मुद्रलि स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपट, मद्रास (डाकु० सं० 174/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्रारंभी वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की इष्टाय (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

376 GI/79

1. (1) श्रीनि देवी मेहता (2) बी० अरुणकुमार मेहता पवर एजेंट श्री बी० गौतमचंद्र मेहता। (अन्तरक)
2. (1) श्री एम० राज खुराना (2) श्रीमती रुक्मा देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना ब्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्बंधन के सम्बन्ध में होई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के यात्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमायत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में निम्न उपचित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के रावणव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध कियी गयी अविक्त द्वारा, अधादस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचित द्वारा :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं वही प्रथम होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डाकुमेंट नं० 174/79 एस० आर० ओ० सौकारपट, मद्रास।

भूमि और निर्माण डोर नं० 24, कंदपकमुदली स्ट्रीट, मद्रास-1।

ओ० आनन्दाम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रकाश प्राई. ट्री. एव. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं. 83/मार्च/79—यतः मुझे ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 24, कंठपक मुदली है, जो स्ट्रीट, सद्रास 1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोकारपट, मद्रास-1 (डाकू. नं. 175/79) में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) गोकलचन्द्र मेहता
- (2) श्री० गौतमचन्द्र मेहता (अन्तरक)
2. (1) श्री० राज मुराणा
- (2) श्रीमती रुक्म देवी (अन्तरिती)

की यह सूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्धनाकारी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं. 175/79 एम० आर० ओ० सौकारपट, मद्रास।

भूमि और निर्माण डोर सं. 24, कंठपक मुदली स्ट्रीट, मद्रास-1।

ओ० आनन्द्राम  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रूफ आई० टी० पृ० १०८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 10084—यतः, मुझे, राधावालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने वाले भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 20/261, 1. 2 है, जो वैसियाल स्ट्रीट/ओपनकारा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (अग्र इसमें उपांकद्व अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकमेंट सं० 720/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य भे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- श्री सी० आर० नरेन्द्रन (अन्तरक)
- श्री एस० नटराजन सक्तिवेल, मोहनगञ्ज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नसीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिसी प्रत्यक्षित द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण भे दुई किमी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुमूली

भूमि और निर्माण 20/261, 1. 2, वैसियाल/ओपनकारा स्ट्रीट, कोयम्बतूर। (डाकमेंट सं० 720/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 17-10-1979

‘मोहरः’

प्र० रुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 10082—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सयिट सं० 8 है, जो जी० टी० नायडू स्ट्रीट, पुलियकुलम ग्राम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेट सं० 1081/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः

1. श्री आर० अव्यादू (अन्तरक)

2. श्रीमती सुधुना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में चरात होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भमि—8, जी० टी० नायडू स्ट्रीट, पुलियकुलम (डाकुमेट सं० 1081/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 31-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० पृ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निदेश मं० 10136—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५० से अधिक है

और जिसकी सं० साथिट सं० 4 है, जो वेस्ट वेनकट-स्वामी रोड आर० एम पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीं पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक्मेंट सं० 833/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवासियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एन० वेनकटरामन (अन्तरक)

(2) श्री पृ० सी० मोयठन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्रेरूप आई०टी०एन०एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वान्तर, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 10139—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 22/33, 34 और 42 है, जो पेरियकठै स्ट्रीट, उपुकिनर लेन, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकमेंट सं० 1149/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण ने ही किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री के० तनधबेलु (अन्तरक)

2. श्री एम० मुरुघन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायवाहियां करता हूं।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तभी तो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भवान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साड़ी नरण :—इसमें प्रमुक शब्दों पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 22/33, 34 और 42 पेरियकठै स्ट्रीट, उपुकिनर लेन, कोयम्बदूर। (डाकमेंट सं० 1149/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-II, सद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 10094—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो वेलनकुरिची ग्राम में स्थित है (और इससे उपावश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेट सं० 1128/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री जी० बी० ठोरैम्बामी नाथडू (अन्तरक)

2. श्री बग्गराजा टेकमटैलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतनिक कार्यवाहियों ग्रह करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के भवन्नध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर संपत्ति में हितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एप्रिकल्चुरल भूमि वेलनकुरिची ग्राम, कोयम्बतूर।  
(डाकुमेट 1128/79)

राधा बालकृष्णन  
मशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 31-10-1979

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1979

निदेश सं० 10093—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० G.S. NO, 499/1, है, जो जी० एम० सं० 273/1.B 2-3 274/2.B, 3.A. and 275 भाग बेलनकुरिची ग्राम और उपिलिपालयम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकमेंट सं० 887/79) में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय और प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाशा गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दिं० कोयम्बतूर रियल एस्टेट कम्पनी आफिस के आऊट नं० 1 'बी०, बलाकू, कोयम्बतूर-14 (अन्तरक)
2. श्री पी० रामदास मिंग मास्टर राज्यलक्ष्मी मिल्स, मिगनालूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ट्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और निर्माण—बेलनकुरिची और उपिलिपालयम (डाकमेंट सं० 887/79)।

राधा बालकृष्णन्  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1979

निरेण नं० 10132--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एवं नाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रतिक है और जिसकी मूल्य है, जो ओदन्तयूरमाम में मैत्रियत है (और इसमें उपावद अनुमति और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय, मेटुयालयम (डाकूमेंट नं० 458/79) में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोंकि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का प्रायः प्रतिशत प्रतिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उत्तरमें उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अभरण य हुई किसी पाया गो बाबू, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के वायित्र में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए कीरण।

(ख) ऐसी किया आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या अस्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री एम० जयचन्द्रन (अन्तरक)

2. श्री टी० ए० शेकु थावुद, रावुतर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी इके पूर्वोंकि सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी वापरेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये गए सँगें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में यथा परिभाषित है; वही पर्व होगा जो उस प्राप्त्याय में विद्या वदा है।

प्रनुसूची

भूमि ओदन्तयूरमाम ग्राम (डाकूमेंट नं० 458/79)

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज-II, मद्रास

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26७ घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 10122—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७-घ

प्रश्नोन्नत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 14/26, रेखा है, जो टाटाबाड़, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजस्ट्रीकॉर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकूमेंट सं० 952/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त नम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल न निए अन्तरित हो गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत प्रधिक है प्रौर प्रस्तरक (प्रतरणों) प्रौर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से हक्किन नहीं किया गया है:—

1. श्री कौ आर० रामचन्द्रन (अन्तरक)

2. श्री आर० मुथुकुमारन (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त नम्पति के अंदर के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नस्मान्दी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी उक्तिन डाग:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य अवधित द्वारा, प्रधोस्ताप्ती के पास निश्चित में किए जा रहेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत शब्दों भौति० एवं ए० का जो उक्त प्रधिनियम के प्रधान 20-ए में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(क) अन्तर से हुई किसी प्राय की बाबा, उक्त प्रधिनियम के अधीन कूर रेने के प्रस्तरक के अधिक यै कमां करने या उपरोक्त में सूचिता के लिए औरप्या

भूमि और निर्माण --टी० एस० सं० 11/477, टाटा-बाड़, कोयम्बतूर। (डाकूमेंट सं० 952/79)

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अम्य आस्तियों को जिज्ञे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रतिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या उपराने में सूचिता न किया;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 26७-ग, के प्रमुखरूप में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 26७-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों अस्तीतः:—

राधा बालाकृष्णन  
सक्षम प्रधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1979

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस० —

1. श्री सा० वी० कृष्णपाणी (अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 7069—प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2, कामाक्षी नगर, जो मद्रास-18 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीहार्ट अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेंट सं० 492/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्देश्वर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी श्राय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अव होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 30-10-1979

मोहर:

प्रकाश घाई टी. एन. एस. ——

1. श्री वी. थापालम्बर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं. 8522—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5 तुरंगमपालयम स्ट्रीट है, जो कुमबकोनम में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डाकूमेंट सं. 502/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसे पाय की बावजूद, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या प्रथ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रविनियम की धारा 269(1) के अनुसरमें, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अधीत् :—

को यह मूल्य बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरक कार्यवाहियों करना हूँ।

उक्त प्राप्ति के अंतरक सम्पत्ति में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तस्वीरी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भव्य अवक्षित द्वारा, अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा जो उप प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तुरंगमपालयम स्ट्रीट कुमबकोनम (5720 स्कोप फीट) (डाकूमेंट सं. 502/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एन० एस०-----

1. श्री एम० एम० रफी फार बी० घायालयर  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री ए० के० पी० पलनी अम्माल (अन्तरिती)

बारा 269-ए (1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 8522--यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ए के प्रभीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तुख्यमपालय स्ट्रीट है, जो कुमबकोनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डाकूमेंट सं० 503/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के प्रभीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रोत्तर/या

(ब) ऐसी जिसी आय या किसी धन या गम्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपबारा (1) के प्रभीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्पतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अविस द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गम्य अवक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीत पदों का, और उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही गम्य होगा ओ उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—तुख्यमपालय स्ट्रीट कुमबकोनम।  
(डाकूमेंट सं० 503/79)

राधा बालकृष्ण  
सम्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के पश्चीम मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं. 7090—पतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के पश्चीम सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति निवास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं. 20 ए, सीत बांध रोड़, हिन्दी प्रचार सबा रोड़ है, जो मद्रास, 17 में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकमेंट सं. 355/79) में भारतीय रजिस्ट्रीवर्ती अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पापा गथा प्रतिकल के विनियित उद्देश्य से उक्त अस्तरण नियित में वास्तविक कृप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण न हुई; उसी प्राप्त जी बाबत, उक्त अधिनियम के पश्चीम कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दर्शने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रणट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की आरा 269-व के पश्चात्र वें, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की प्रत्यारा (1) के पश्चीम, निम्नलिखित अवित्तों, तथा ।।:—

1. श्री आर० गचिदंदम फा. (आर० कलावती (अन्तरक))

2. कुमारी आर० जयप्रदा (अन्तरिती)

जो यह मूल्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अस्तन के लिए कार्यवाहियां करता है।

इस सम्पत्ति के अस्तन के संबंध में कोई भा. प्राप्ति :—

(क) इस मूल्यना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी अवित्तों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाय में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्तों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति पर ठिकादार किसी मन्य अवित्त द्वारा, भयोहस्तोक्तों के या संलिखित में किए तर नहीं।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही प्रयोग होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, हिन्दी प्रचार सबा रोड मद्रास-17 (डाकमेंट सं. 355/79)

राधा बालकृष्ण  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-11-1979  
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राया  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रावकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजना, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निरेण मं. 7033—यनः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 206, लायठस रोड है, तथा जो मद्रास-86 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के वार्यालय, मद्रास नारथ (डाकमेंट मं. 803/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भए हों किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपाधा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

1. श्रीमती एन० पी० मुस्टाफ बिलजेन (अन्तरक)

2. श्रीमती नकीशा एन्टरप्रैमस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्पावधी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में यापात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, अधोकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया हुआ है।

अनुमूल्य

भूमि और निर्माण—206, लायठस रोड, मद्रास-86 (पारट)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेजन, मद्रास

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० 41/मार्च/79—अतः, मुझे, श्री० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 28, 28ए, और 28बी, तेप्पकुलम स्ट्रीट है, जो तिरुचेंगोड में स्थित है (श्री० इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोड (डाक सं० 610/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से तुर्ई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री एन० सोमसुन्दरम, (2) एन० सडमप्पन  
(3) एस० ए० नन्दकुमार (माइनर) (4) एस० ए० प्रबुराम (माइनर) गाडियन एन० सोमसुन्दरम (माइनर) एस० संगीतप्रिया—गाडियन एन० सडमप्पन।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० मुतुसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकनं० 610/79 एस० आर० श्री० तिरुचेंगोड (1) भूमि और निर्माण डोरनं० 28, 28ए, 28बी, तेप्पकुलम स्ट्रीट, तिरुचेंगोड।

श्री० आनन्द्राम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 6-11-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—  
भाष्यकर ग्राहिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना,  
भारत सरकार

नार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1979

निदेश सं० 71/मार्च/79—अतः मझे ओ० आनन्द्राम, आयकर ग्राहिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरचात् 'उक्त ग्राहिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 433, 434, 435, 436 और 437 जार्ज स्ट्रीट है, जो तूतीकोरीन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I तूतीकोरिन (डाक नं० 645/79) में भारती रजिस्ट्रीकरण ग्राहिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (अस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिषित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक करने के कारित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आप को बाबन, उक्त ग्राहिनियम के अधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आप या किसो बन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्राहिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राहिनियम; या बनन्कर ग्राहिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्कार, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त ग्राहिनियम, की धारा 269-प के प्रस्तरण में, मैं, उक्त ग्राहिनियम की धारा 269-प की उपस्थाता (1) के अधीन निम्ननिषित अस्तियों, अस्ति :—

(1) श्री एस० अम्बासुरे नाडार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ए० देनराज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहितप्र.

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि जो भी ग्राहित बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राहिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 645/79 जे० एस० आर० तूतीकोरिन भूमि और निर्माण नडोर नं० 433, 434, 435, 436 और 437, जार्ज स्ट्रीट, तूतीकोरिन।

ओ० आनन्द्राम),  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-11-79

मोहर :

प्र० प्र० श्री एस० एस०

(1) श्री एस० अर्थादुर्दे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एस० रामजग्नम

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 72/मार्च/79—यतः सुन्न श्रो० श्रा नद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी पं० 428, 429, 430, 431 और 432 जार्ज स्ट्रीट है, जो तृतीकोरिन में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० तृतीकोरिन (डाकू. नं० 646/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16 के अधीन) मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रत्येक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 649/79 जे० एस० आर० I तृतीकोरिन भूमि और निर्माण लोर नं० 428, 429, 430, 431 और 432, जार्ज स्ट्रीट, तृतीकोरिन।

श्रो० श्रान्द्राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-11-79

मोहर:

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1979

निदेश सं० 103/मार्च/79—अतः मुझे ओ० आनंद्राम  
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 87 गोविन्दप्पनामक स्ट्रीट, है, जो मद्रास 1,  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपट (मद्रास)  
(डाकू नं० 191/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: शौरभा

(v) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती भारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

श्री ( 1 ) पी० वेंकटेस्वरलु, ( 2 ) डॉक्टर पी० जैमकुमार,  
 ( 3 ) पी० राजकुमार ( 34 ) पी० बदरीनाथ  
 ( 5 ) पी० कृष्णमूर्ती, ( 6 ) पी० सत्यमनाराम ।  
 ( 7 ) पी० श्रादीनारामना ( 8 ) पी० एतिराज  
 (मैनर) ( 9 ) मैनर पी० शेषेया गर्डिमन पी०  
 बनजा ( 10 ) पी० रागवेया गारडियन  
 पी० बनया ( 11 ) रंगनातण

( ग्रन्तिरक )

( 2 ) श्री ( 1 ) इमराव बै और ( 2 ) न बै  
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्टः—

(क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय स्थारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त स्पष्टियों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

असाधनी

डाकुमेंट नं० 191/79 एस० आर० ओ० सौकारपट, मद्रास  
भूमि और निर्माण डोर नं० 87, गोविन्दप क नामक स्ट्रीट,  
मद्रास।

(ओ० आनन्दाम)  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : १२-११-७९

मोहर :

प्रकाप आई० टी० एम० एस०---

(1) श्री एस० लीलारामी

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

(अन्तरक)

287म (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शरद्दुल मार सी० शा

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर, 1979

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

निदेश सं० 7101—यतः मुझे राधाबालकृष्ण प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन समाप्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयर से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, जो हारलेस रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय फुरसवासक (डाकुमेंट सं० 227/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए पंत्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रायकर (प्रायकरकों) और प्रत्यारिती (प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे प्रत्यारण के लिए तुल्य पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रायकरण निश्चित में जास्तिकृत कर के किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रायकरण से हुई किसी प्राय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अनुसर के दृश्यमान में कमी करने गा उससे दृश्यमान में सुविधा के लिए योग्य।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 6, हारलेस रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 327/79)

(ख) ऐसी किसी प्राय या बाबत, उक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, किसाने वे सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरन में, मैं, उक्त प्रतिनियत, की भारा 269-व की इच्छारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

तारीख : 7-11-79

मोहर :

प्रकाश प्राइंट ट्री. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं 7103—यतः मुझे राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 36, है, जो बारनबी रोड मद्रास में स्थित है (ग्रीर  
इनसे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
अधिकारी के कार्यालय फरमांडिम (डाकुसेट सं 470/79 से  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के  
अधीन मार्च 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहलू  
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (ग्रस्ताक्षों) और प्रस्तरिती  
(दृश्यरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निविल में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वादत 'उक्त  
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के वायिल में कठी करने वा उससे बचने में  
मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वाद के दृश्य घास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने  
में सुविद्धा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारत 269-व के  
उप-भारत (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षात् 1—

(1) श्री (1) धनमा बाय, (2) कृष्णाबाय (3) कामा-  
कशोबाय (4) सारदा बाय (5) सम्पूर्णी बाय,  
कलयानीबाय  
श्री चतुर्दशिक्षिर टाक्कर मनजला

(अन्तरक)

(2) श्री (1) जयन्टलाल के शा  
(2) लीलावट जे० शा (3) बरतकुमार जे० शा  
(4) नरेन्द्र जे० पी० (5) दीपक जे० शा  
(6) प्रकाश जे० शा

(अन्तर्दिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अधिकारी पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाकी  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध.  
किसी इस्य अधिकता द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें, प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के दृश्याय 269-व में  
परिभासित है, वही पर्याय होता, जो उस दृश्याय  
में दिया गया है।

मनुष्याची

भूमि और निर्माण 36, बारनबी रोड (मद्रास डाकुमेंट  
470/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 8-11-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आपेक्षक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 7044—यतः मुझे राधा बालकृष्ण  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 36, है, जो श्रीनगर कालोनी सैदापेट, मद्रास  
में स्थित है, और इससे उपाखद में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट सं०  
747/79) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन भार्च 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का  
प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और यह कि  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित रूप में वास्तक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री बो० एस० सारादा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुसरा कादूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता भारी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्राप्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निमणि 36 श्रीनगर कालोनी मद्रास।  
(डाकुमेंट सं० 747/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I मद्रास

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 9-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज II मद्रास  
मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निरेश सं० 7054—यतः मुझे राधाबालकृष्णं  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के प्रधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 75, है, जो केटेल रोड मद्रास 86 में स्थित है  
है (और इससे उपावद्ध में और पूर्णलूप से बंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कायलिय मैलपूर (डाकुमेंट न० 403/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन मार्ज 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रतरक (अन्तरकों) और  
प्रत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से ही किसी घाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के  
वायित्व में कमी करने या उपर्युक्त बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी घाय या किसी अन्य घायितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रतुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री टो० वी० डोरेस्वामी नायडू

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुकबानी बकतवटसलम

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अभिप्राय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोग्यताकारी के  
पास विकित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही प्रय होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण 75 केटेल रोड, मद्रास-86  
(डाकुमेंट सं० 403/79)

राधा बा० कृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रस्तुत प्राप्ति टी० एन० एस०—

आयतन प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निवेदा सं० 8525—यतः मुझे राधाबालकृष्ण

आयतन प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आधारा 269-व(1) के अधीन सम्भव प्रधिनियमी को, यह विवाह करने का कारण है जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 39/1 और 39/2 पुलनविलुती भी रही है, जो वनकावालाडु में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से अविभाग है), रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय पुडुकोट्टी (डाकुमेंट सं० 647/79) में भारतीय रजिस्ट्रिकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अध्योन) आधा 79 को पूर्वोक्त सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के जिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्भति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का अद्यूत प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और प्रस्तुतियों (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया विवरण उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण विवरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविष्य के लिए; और/या

भवुतची

(ख) ऐसी किसी आय या निमी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविष्य के लिए;

ग्राम चालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की आधारा 269-व(1) के प्रत्यक्षण में, भी, उक्त प्रधिनियम की आधारा 269-व(1) की उपस्थाना (1) के अधीन विवरण व्यक्तियों, अस्तरित:—

(1) श्री के० पलनियप्पन शक्तिला

(अन्तरक)

(2) श्री निजाम एपर और बारड मिलस

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्भति के प्रत्येक के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्भति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

सार्वजीकरण:—इसमें प्रस्तुत गाम्भीर्यों पर एवं उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होता जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

भूमि और निर्माण-39/1 और 39/2 पुलनविलुती और वनखनकाडु आलनघुट्टी तालुक (डाकुमेंट सं० 647/79)

तारीख: 13-11-79

मोहर:

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सौ० एम० सुरेश बाबू

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० प्रसन्नधिर

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535—यतः मुझे राधाबालकृष्ण  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व  
के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक हैऔर जिमकी सं० 142/1, है, जो पोम्पेरी स्थित है (और इसे  
उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पोम्पेरी (डाकुमेंट सं० 461/79) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्ग 79 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्तान्तरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अधाराय 206 में परिभाषित हैं वहीं  
प्रयोग होगा जो उस अधाराय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसन्धान

भूमि—142/1, पोम्पेरी (डाकुमेंट 461/79)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 7-11-79

मोहर:

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
10-376GI/79

प्रस्तुप आई० ई० एन० प०स०—

(1) श्री एस० आर० राजेश्वरी अम्मान ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० आमूहम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, महायकर प्रायुक्त प्रायुक्त (नियोजन)  
अर्जन रेज II, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेदन मं० 8535:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिम्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिम्ही मं० 66 है, जो अतिपेठु पोन्नेरी में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकेशन अधिकारी  
के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेन्ट सं० 462/79) में भारतीय  
मजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उसमें बनाने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि 66, अतिपेठु, पोन्नेरी (डाकुमेन्ट सं० 462/79)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)  
अर्जन रेज-III, मद्रास।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख 7-11-79  
मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० टी० एन० एस० ---

(1) डॉक्टर सी० मुनिरत्नम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री पी० अमृतधिरी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535:—यह, मुझे, राधा वालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी मं० 66, है, जो अतिपेठु, पोन्नेरी में स्थित है (और  
इससे उपावन्न में और पूर्ण दृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी  
के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 463/79) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मार्च, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, असत्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृतसूची

भूमि 66, अतिपेठु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 463/79)।

राधा वालकृष्ण,  
स्थाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, मद्रास

तारीख: 7-11-79

मोहर:

प्र रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सो० राम० प्रेमलता।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री पी० अरुणचिरी।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 8535:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 66, है तजो अतिपेठु, पोन्नेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 464/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रन्ति:—

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स वाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 66, अतिपेठु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 464/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-11-79

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डोरैस्वामी नायडू, चनकलवराय नायडू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(2) श्री पी० मुख्मनियम, आर० पलनियप्प मुद्दिलियार ।

(अन्तरिती)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अजन रज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है जो अतिपेडु, पोन्नेरी में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 465/79) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1979 को

पूर्वोक्त उक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
रुपेष्ठ से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री डोरैस्वामी नायडू, चनकलवराय नायडू ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मुख्मनियम, आर० पलनियप्प मुद्दिलियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
मापात होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि-66, अतिपेडु पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 465/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 7 नवम्बर, 1979

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों—अर्थात्:—

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर व्यविधियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 8536:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर व्यविधियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधियम्' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है जो अतिपेठु पोन्नेरी में स्थित है (ग्राम इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 467/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1979 को

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए प्रत्यक्षित हो गई है प्रोट मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रिय का प्रत्यक्षित प्रतिक्रिय है और प्रतिक्रिय (प्रत्यक्षित) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की बावत उक्त व्यविधियम के अधीन कर देने के घटकर के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी छन या व्यव्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर व्यविधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यविधियम, या छन कर व्यविधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त व्यविधियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त व्यविधियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपेक्षा:—

(1) श्रीमती एस० आर० राजेश्वरी अम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० लक्ष्मणनं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंदु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त व्यविधियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसंगी

भूमि 66, अतिपेठु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 467/79)।

राधा बालकृष्ण,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 7 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रक्रम शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निवेद सं० 8542:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1, बामनगर कीलकोमा स्ट्रीट, है जो सेन-घुनाम, दिल्ली में स्थित है (श्रीर. इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का यालिय, दिल्ली (डाकु-मेट सं० 977/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 आका 16) के अधीन, मार्च 79 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उक्त के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण लिखित में वास्तविक रूप से जारी नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष में ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के अधिक्ष में कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तुषों, अर्द्धातः:—

(1) (1) श्री मयद मिश्राहिम, नूर मोहम्मद हैशर मोहम्मद, लियोग मोहम्मद, मोहम्मद मुस्तफा मोहम्मद शाही, मोहम्मद रफीक।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० तैयलनायकी।

(अन्तरिती)

जो यदि सूचना आरो उक्तके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्षितयों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितयों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्येकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में ददया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-1, बामनगर कील कोसस्ट्रीट, सेन-घुनाम, दिल्ली (डाकुमेट सं० 77/79)

राधा बालकृष्ण,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 9 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रेरूप आई० टी० एन० एम०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० 8543:—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है।  
 और जिसकी सं० 89, है जो पुढ़ुकीड़े राजा कालनी कलकटरस  
 आफीस रोड़, दिल्ली-1, में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची  
 में और पूर्ण व्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 975/79) में भारतीय रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 का लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) डॉक्टर एन० राजामनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० बासकरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची:

भूमि और निर्माण 89, राजा कालनी, कलकटरस आफीस  
 रोड़, दिल्ली (डाकुमेंट सं० 975/79)

राधा बालकृष्ण  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 9 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० सुब्राह्यन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

(2) श्री रामकृष्णमूरती आस्टिन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के

लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्व निरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्त बचतें में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी निरी आय या निरी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण - 208, पोन्नधर कालनी, ट्रिची (डाकु-मेंट सं० 1096/79)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री डॉक्टर न्यानसेकरन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8546:—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 660, है जो कुलकुलि ट्रिचीरापल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबंध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 1388/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसों किसी आय या किसी बचन या दायर यास्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा आहुए था, चिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उचितात् (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री के० रामकृष्ण ।  
(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वींधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए गए प्रत्यक्ष व्यापार, प्रधोद्वासारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधियाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-60 कल्लुकुम्भि, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 1388/79)।

राधा बालकृष्णन,  
संक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 9 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. ई. एन. एस. —

(1) श्री ओम रज्जक सेयट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री बी. तममन थोड़र ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं. 10074:—यह, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से प्रधिक है और जिसकी

सं. 218 और 219 है, जो सालमन हौस, ऊटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊटी (डाकुमेंट सं. 437/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, मार्च 79 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (अन्तरकी) और प्रतिशत (प्रतिरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रत्यक्ष निषिद्धि में बास्तुविकल्प से संबंधित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी प्रवधि बाबू में समाप्त/होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ये भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही अच्छे होगा, जो उस अन्तर्गत में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी करने पर उसमें बदले जे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरु प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 218 और 219, सालमन हौस, ऊटी (डाकुमेंट सं. 437/79)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

बा। प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार सरच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्धा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 9 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती जानकी मादव मेन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निदेश सं० 7109,—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं,

आयकर \*अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 59, और्हि, कालनी है, जो मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 409/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तुरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी धार्य की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिली आय या किसी धन वा भग्न आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, उपराने में सुविधा के लिए;

ले यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवृत्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भग्न व्यक्ति द्वारा, प्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अपलोड़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्यंत द्वारा, जो उप प्रधाय में दिया गया है।

### अमुसूची

भूमि और निर्माण-59, चौलि कालनी, मद्रास-34, (डाकुमेंट सं० 409/79)।

राधा बालकृष्णं,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, मद्रास

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की इपस्ताप्त (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 16-11-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मीनाक्षी श्रम्मल ।

(अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० के० कन्दस्वामी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निदेश सं० 10285:—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 14/68ए० संनद्धन नहीं है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थांडिपुरम (डाकुमेंट सं० 1100/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवोहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितयों में से किस अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधीक्षता की वास्तविकता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 14/68 ए०, सनधनूर, कोयम्बतूर, (डाकुमेंट सं० 1100/79) ।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16 नवम्बर, 1979  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 10079:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 986/1 है, जो बिलिनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायरवनपालयम (डाकुमेंट सं० 394/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक अन्तरक (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों को जिसमें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपन्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवधारित—

(1) श्री वी० सी० दामोदरस्वामी, टी० बालमुन्दरम ।  
(अन्तरक)

(2) श्री जी० एस० वेनकटाचलम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृतस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित है, वही प्रबंह होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—बिलिचि, कोयम्बतूर यलूक (डाकुमेंट सं० 394/79)।

राधा बालकृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

निदेश मं० 8529:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
जूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।  
श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1939 है, जो मालुमियारपेट,  
कडलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडलूर (डाकु-  
मेंट सं० 346/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य माम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य 1922  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एफ० वी० अलबिम और अदरम।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० जनारदन राव।

(अन्तरिती)

गो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायद्वाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्त्रमन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की ता मील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1939, मालुमियारपेट, कडलर  
(डाकुमेंट सं० 346/79)।

राधा बालकृष्णनं,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 19 नवम्बर, 1979।  
मोहर :

प्रलूप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० चण्डीगढ़/325/78-79:—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मन्त्रित जिपजा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले हैं तथा जो गांव मनीमाजरा, य० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथ गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविज्ञानों, पर्याप्त :—

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री देवी दिसां, व गांव डा० मनीमाजरा, य० टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग, श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग, कुमारी गीतिका नारंग, कुमारी लातीका नारंग, पुत्रीयाँ श्री कुलदीप सिंह नारंग, श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्द सिंह बवर, सारे वासी कोठी न० 33, सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या उसमें व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरला है और जो गांव मनीमाजरा, य० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1139, मार्च 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लृधियाना

लृधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० चन्डीगढ़/32०/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल है तथा जो मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 'तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरके के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपत्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हकीकत सिंह द्वारा जनरल अटारनी श्री रल्ला सिंह पुत्र श्री राम जस, गांव बड़ा० मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग, श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग, कुमारी गीतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग, श्रीमती अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह बवर, कुमारी लतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग, सारे वासी कोठी नं० 33, सैक्टर 5, चन्डीगढ़ श्री गुरमीत सिंह बाबा पुत्र श्री निहाल सिंह बाबा, श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह बाबा, श्री अनूपाल सिंह, श्री सर्वपाल सिंह, श्री सुखपालसिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, द्वारा पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर, जिला करीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

## अनुसन्धान

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो गांव मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1143, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लृधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रकृप माई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निवेश सं० चन्डीगढ़/328/-78-79- अतः मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल है तथा  
जो गांव मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में बास्त-  
विक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय का बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन करदेने के अन्तरक के बायित्य में कभी  
करने पा डससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिती शब्द या किसी इन या इन्हीं आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, किपावे में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तते हैं:—

(1) श्री रत्नासिंह पुत्र श्री राम जस, गांव व डा०  
मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़। (अन्तरक)  
(2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग,  
श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग,  
मीम गीतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग,  
श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह बवर,  
कुमारी लतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग,  
सारे वासी कोठी नं० 33, सेक्टर 5, चन्डीगढ़।  
श्री गुरमीत सिंह बाबा पुत्र श्री निहाल सिंह बाबा,  
श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह  
बाबा, श्री अनूपाल सिंह, श्री सर्वेपाल सिंह, श्री  
सुखपाल सिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, द्वारा  
पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर,  
जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

को य० सूचना जारी करके पूर्वोक्त मान्यता के प्रते के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त नियम के प्रते के संबंध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्र० का, जो  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होंगा, जो उस  
अधाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल है और जो गांव  
मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1142, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979।

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० ए स० एन० —————

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/326/78-79 —प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले हैं तथा जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ हैं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपते में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री देवी दिला, गांव व डा० मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबा गुरमीत सिंह पुत्र श्री बाबा निहाल सिंह, श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह, श्री अनुपाल सिंह श्री सर्वपाल सिंह, श्री सुखपाल सिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा द्वारा एन०/जी० श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले हैं और जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1140, मार्च, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निवेश सं० चन्डीगढ़/327/78-79:—अतः, मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल है तथा  
जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़, में स्थित है (और  
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कैप्टन हर्कीप सिंह पुत्र श्री राम जस, गांव वडा० मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबा गुरमीत सिंह पुत्र बाबा निहाल सिंह वासी मुक्तसर, श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किणन सिंह नारंग, श्रीमति वर्षी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग, श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह बवर, कुमारी गीतीका नारंग, कुमारी लालीका नारंग, पुर्वीयां, श्री कुलदीप सिंह नारंग, सारे वासी कोठी नं० 33, सैक्टर 5, चन्डीगढ़ ।

श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह बाबा, श्री अनुपाल सिंह, श्री सर्वपाल सिंह, श्री सुखपाल सिंह), पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, क्वारा एन०/जी० पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल है और जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है ।

(आयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी 'चन्डीगढ़' के कार्यालय के विलेख संख्या 1141, मार्च, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/312/78-79:—अतः मुझे, भारा० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1056, सैक्टर 18-सी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के अवित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी ब्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरमें, उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधारणाः अवैतुः:—

(1) श्री बनारसी बास पुत्र श्री साधन राम, बासी 1056, सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री रिक्षी राज पुत्र श्री हेम राज, बासी मकान नं० 2309/ए सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

(3) श्री जगजीत सिंह चावला आफ एफ० सी० आई., श्री अजीत सिंह आफ फाईर ब्रिगेड, श्री राम हरण सुकला, पहली मंजिल, श्री कुलवन्त मिह बेवी आफ पंजाब, एग्रो इंडस्ट्रीज, कार्पोरेशन, श्री के० आर० गौतम स्टेट बैंक आफ इंडिया। सारे बासी मकान नं० 1056, सैक्टर 28-सी, चन्डीगढ़।

(वह अविक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रपुक्त अविक्त द्वारा पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1056, सैक्टर 18-सी०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1013 : मार्च, 1979 में दर्ज है)।

भारा० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/313/78-79:—अतः मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले  
है तथा जो गांव मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च,  
1979

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवकी नन्दन पुत्र श्री मुन्ही राम वासी कुरासी  
(गांव सैलवा माजरी) तहसील खरड़, जिला रोपड़,  
द्वारा स्वैशल पावर आफ अटारनी, श्री के० जी०  
शर्मा पुत्र श्री बीर राम शर्मा, गांव मनीमाजरा,  
य० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री दौलत राम, अनारा देव  
पुत्र श्री सच्चिदन दास वासी गांव मनीमाजरा  
(एच० बी० ३२० न० ३७५), य० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत उम्पत्ति के प्रजन्त के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्दशाकारी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले हैं और जो  
गांव मनीमाजरा, य० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विनेश संख्या 1030, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)।

प्रार० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयतन प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चर्चीगढ़/305/78-79:—ग्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 1764. 7/12 वर्ग गज है तथा जो गांव भेरा, जी० टी० रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत में अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसे किसी आय या वित्ती धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्री, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुनाद में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वे श्री सतपाल, प्रेम पाल, वेद प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल, बी-11-440, बैंगमन रोड़, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री गरीश कपूर पुत्र श्री सत प्रकाश, 82-शी माल, लुधियाना।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वर्गित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 1764. 7/12 वर्ग गज है और जो गांव भेरा, जी० टी० रोड़, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4886, मार्च, 1979 में दर्ज है )

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेद सं० सीएचडी/306/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-630, जिसका क्षेत्रफल 225 वर्ग गज है तथा जो कुन्दनपुरी, सीबील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपांडड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्षा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री गुरबखश सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, बी-1-630, कुन्दनपुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल पुत्र श्री करम चन्द वासी बी-1-630, कुन्दनपुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकारी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० बी-1-630, कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4903, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० लुधियाना/273/78-79:—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 126, जिसका क्षेत्रफल 217.17 वर्ग गज है तथा जो माडल टाउन ब्रैकस्टेनसन पार्ट सी०, तरफ नूर भैंसी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त उमति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरेत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वक समति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

13-3760/779

(1) श्री ललीत खन्ना पुत्र श्री ओम प्रकाश खन्ना बी—  
10-249, इकबाल गंज, लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) श्री स्वदेश पाल सेठ पुत्र श्री बजीर चन्द सेठ,  
राम निवास, माल रोड, कसीली, हिं प्र०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शासेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि होती प्रवर्तन द्वारा अद्योदस्ताक्षरी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 206 में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्याम में दिया गया है।

मलहोत्रा

मूलि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 217.17 वर्ग गज है और जो माडल टाउन ब्रैकस्टेनसन पार्ट सी०, तरफ नूर भैंसी, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेक संख्या 4549, मार्च, 1979 में दर्शाया है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979

गोदूँ:

प्ररूप ग्राइंड टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979.

निवेदण सं० लुधियाना/291/78-79:—अतः, मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) और भारा  
263-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवार  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रतिकूल है  
और जिसकी सं० पलाट नं० 418, जिसका क्षेत्रफल 400.1/2  
वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रीयन एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंधीन, तारीख मार्च,  
1979:

को पूर्वांकन सम्पत्ति के उत्तिवार मूल्य में करने के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथार्थकृत समानि का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
प्रत्यन्तरक (प्रत्यन्तरकों) और प्रत्यन्तरिती (प्रत्यन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृत  
नहाँ किया गया है:—

(क) प्रभारण से दूर्दृष्टि किसी प्राय की बाबत उक्त, अधिनियम के  
अधीन कर देने के प्रत्यन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य आदिनियमों  
भी, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, आयकर अधिनियम की भारा 269-ग के अनु-  
उद्देश्य में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपलब्धाता  
(1) के अंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अनुरूप:—

(1) श्री इन्दर देव धन्डा पुत्र गिरधारी लाल, वासी  
मोतल्ला धन्डीयां, दरेसी रोड लुधियाना।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्ज सागर मशीन ट्लस, लिं०, 419-इंडस्ट्रीयल  
एरिया, 'ए', लुधियाना द्वारा श्री अमरजीत सिंह पुत्र  
श्री आत्मा सिंह।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवृत्ति या नम्बरांशी अंकितियों पर भूत्ता की  
तारीख में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रगति बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वांकन अंकितियों में से  
किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाध्योर्गत:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रश्नाय 20-क में परिभासित हैं,  
वहाँ प्रथम होगा, जो उन प्रश्नाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 400.1/2 वर्ग गज है  
जो इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 4762 : मार्च, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
राजम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 नवम्बर, 1979  
नोटः

प्र० १८१-टी० एन० ए५०—

भारतीय प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
२६९-ष (१) के प्रधोत मूलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/३०४/७८-७९:-अतः, मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,यावरु प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ष के  
प्रधोत मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से ऊपर हैऔर जिसकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 2540 वर्ग गज है  
तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता  
प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1979को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रायफल के निये अन्तरित का गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्टिकोण में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत पवित्र है आर पन्तरक (पन्तरक) और प्रस्तरिती  
(पन्तरितियों) के बांक ऐसे आवरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त पन्तरण जिक्रिया में  
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के पन्तरक के दृष्टिकोण में कमी  
करने या उसपर बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए  
या या, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः पद, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष के पन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष का उपधारा (१) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—(१) सर्वेश्वी सरतजीत सिंह पुत्र मेहर मिंह द्वारा श्री मेहर  
सिंह, जी० ए० श्री ब्रतजीत सिंह पुत्र श्री मेहर  
सिंह वासी नसराली, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(२) मैसर्ज मलहार असैसोएट्स, ५०-प्रताप रोड,  
जालन्धर द्वारा श्री भूपिंदर सिंह, पार्टनर।

(प्रन्तरिती)

को यह पूछा जाए हक्के पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए  
काववादिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक ह क्षेत्रों में होइ मी प्राप्तेः—

(क) इस मूलना के राजात्र में प्रकाशन की नारीख में ४५  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की  
तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बात में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोत्तर सम्पत्ति में से  
किसी अविक्षिया;(ख) इस मूलना के राजात्र में प्रकाशन की नारीख में ४५  
दिन के भीतर उक्त दृष्टिकोण में हितवद्धि जिसी  
प्रथम अविक्षिया द्वारा, प्राइवेसी भारों का पात्र लिखित में  
किए जा सकेंगे।हपेटोकरण :—इसमें प्रपूर्ण गंदा पोर गंदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधायाय २०-क में परिभाषित है,  
वा भर्य होता, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 2540 वर्ग गज है और जो  
गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 4881, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)।आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रजन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहूर :

प्रकल्प ग्राही० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वार्ष

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निरेता सं० सुधियाना/299/78-79—प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अवार० 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि इवावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 104, माडल ग्राम, तरफ काराबारा, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावर अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्णसंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिकल अधिक है और प्रमाण (प्रमाणकों) और प्रमाणिती (प्रमाणितियों) के दोष ऐसे प्रमाण के लिए तथा पाता वाता वया प्रतिफल, निष्पत्तिविह अद्वेष्य से उक्त प्रमाण लिखित में वालविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी वाय की वावर उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अवारक के वायिक में कमी करने या उड़वे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी वा० या अध्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले प्रमाणिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अव० उक्त अधिनियम की वारा 269-प के अनुमरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269 प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित अधिकारी, कर्तव्य:—

(1) श्री राम हुण पुत्र श्री तुलसी राम, 104-माडल ग्राम, लुधियाना।

(प्रत्यरक)

(2) श्री सुरिनवर कुमार पुत्र श्री रिखी राम माडल ग्राम लुधियाना।

(प्रतरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिकों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी द्वे किसी अवित्त हारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पष्टावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकारी पर सूचना के पात्र विवित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

### अमृतसूची

मकान नं० 104, माडल ग्राम, तरफ कारा बारा, लुधियाना।

(जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4811, मार्च 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर 1979

मोहर:



प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापक  
 269-ब (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० लुधियाना/310/78-79:—अतः मुझे, आर०  
 के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापक  
 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी सं० मकान नं० 451, माडल टाउन है तथा जो  
 लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख मार्च, 1979 को  
 पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 दृश्यमान प्रतिकल के निर अन्तरिक्त को गई है पीर मुझे यह  
 विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एंसे  
 दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
 अन्तरक (अन्तरकों) पीर अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच  
 ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, तिम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; पीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अर्थ आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रथाजनायं अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की व्यापक 269-ब के अनु-  
 स्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापक 269-ब की उपबारा  
 (1) के अधीन अन्मनसिभित अधिकारी, थर्फति ।—

(1) श्रीमति निर्मल हान्डा पत्नी श्री केवल किशन  
 हान्डा, 451-माडल टाउन, लुधियाना ।  
 (अन्तरक)  
 (2) श्रीमति नीलम खोसला पत्नी श्री हरी मितल,  
 284-एल, माडल टाउन, लुधियाना ।  
 (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके दूर्दृश सम्भाल के अंतर के लिए  
 कार्यक्रम हिंदू करता हूँ ।

उक्त सम्भाल के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्समान अवधियों पर सूचना की  
 सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत अधिकारी में से  
 किसी अधिकता द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
 मान्य अधिकता द्वारा, अधिकारी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे ।

प्रबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जाया है ।

प्रनुसूची

मकान नं० 451 माडल टाउन, लुधियाना ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
 के कार्यालय के विलेख संख्या 4916, मार्च, 1979 में वर्ज  
 है) ।

आर० के० मलहोत्रा,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979 ।

मोदर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) श्री भजना पुत्र श्री काहना, वासी ककराली,  
तहसील, रोपड़।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र मेजर सिंह, श्री अमरीक सिंह,  
सवरन सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह, वासी गांव  
ककराली, तहसील रोपड़।

(अन्तरिती)

अर्जन रेज, लुधियाना

सुविधाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेद सं० रोपड़/19/78-79:—अतः मुझे, आर० के०  
मलहोत्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के  
अनीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ८० से  
अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिधा है तथा जो  
गांव ककराली, तहसील रोपड़, में स्थित है (और इनमें उपावद्ध  
मनुमुच्ची में और पूर्ण रूप से बर्गित है), रजिस्ट्री नंतर प्रधिकारी  
के नार्या०, रोपड़ में, रजिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिधा है तथा जो  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सं० भूमि जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, लिखित में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुमरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1) के  
प्रतीक्षित व्यक्तियों पर्याप्ति :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती छाकियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़  
में प्रवर्षण द्वारा दो दिनों द्वारा, के मोर पूर्वोक्त बरकियों में  
से किसी छाकिया द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध फिसी  
अन्तर क्षमिता द्वारा अप्रोटोलोगों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इस नायक गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिधा है और जो गांव  
ककराली तहसील रोपड़ में स्थित है।(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 3114, मार्च, 1979 में दर्ज  
किया गया है।)

आर० के० मलहोत्रा,

सभाप्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

भोग्यः

प्रस्तुप प्राई. टी.० एन० एस०- --

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269३ (1) के प्रतीत पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आपकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० संग्रह/100/78-79--प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिक्रिया' हो गया है), नं. नामा 269३-व के अधीन सभी प्राप्तिकारों को पहुँचित्वा करने का कारण है कि आपकर अधिनियम, निनां उक्त नामा पूरा 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि विषय क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरले हैं तथा जो गांव उभावाल, तहसील व जिला संगलूर में स्थित है (अतः इसके उपायबद्ध अनुग्रहीय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रास्ट्रीयता अधिकारी के कायालिय, संगलूर में, राजिकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

प्रवीन नानि के उक्त नामा पूरा से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की गई है और इसे पहले विषयावास के ने का कारण है कि यथारूपीत अन्तिम का इच्छित बाजार मूल्य, इनके दृश्यमान प्रतिक्रिया में ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का सन्दर्भ प्रतिशत से प्रतिक्रिया के और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षीय) भी अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षीय) के बीच दृसे अन्तरिक्ष के लिए तथा पाया यथा प्रतिक्रिया, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अनुसरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्राप्तरूप से हुई किसी पाया की धारा, उक्त प्रतिक्रिया, के अधीन कर देने के अन्तराल के प्रतिक्रिया में कमी करने या उपर्युक्त वर्तने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाया की धारा की अनुसरण को प्राप्त आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुसरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अनुसरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः आपकर अधिनियम की धारा 269३-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269३-व की उपधारा (1) के अधीन मिल्लिकित अधिकारी, अधिकृत:—

(1) श्री सरवन तिह बताम कुन्दन भिह पुत्र श्री गणरा तिह वासी उभावाल, तहसील व जिला संगलूर।

(प्रत्यक्ष)

(2) सर्वश्री सुरजीत भिह, मलकीत भिह, लच्छन भिह गुरजीत भिह सुहुव श्री दुगर भिह, राजीत भिह, नव्वतर भिह पुत्र श्री गुरदेव भिह करनील भिह पुत्र श्री गणरा भिह, श्रीनति बलवीर कौर पत्नी श्री करनील भिह, वासी उभावाल, तहसील व जिला संगलूर।

(अन्तरिक्षीय)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय बरता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के यंत्रमें नोई भी आक्रमण:—

(क) इन पूर्वानुमान के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर मूल्यानुमान की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिया द्वारा;

(ख) इन पूर्वानुमान के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्तरिक्ष में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षिया द्वारा, प्रबोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होता, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरले हैं और जो गांव उभावाल, तहसील व जिला संगलूर में स्थित है।

(गमेदार जैता कि रास्ट्रीयता अधिकारी, संगलूर के कायालिय के विलेख संख्या 2632, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सभी प्राप्तिकारी,  
सहायक आपकर आपकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, सुवियाना

तारीख: 15 नवम्बर 1979।

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोर्टीन्यू, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश मं० चन्डीगढ़/322/78-79—अतः मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन यक्षण प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और सिजकी मं० अनुसूची के अनुसार है,  
और जिसकी सं० पलाट नं० 1415 (जिसका क्षेत्रफल  
343.91 वर्ग गज) है तथा जो सैकटर 34-सी०, चन्डीगढ़  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, चन्डीगढ़  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एवं कठित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की धारा, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित  
में कमी बरने या उसमें बरने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित अविक्षियों अद्यतः—

(1) न० कमान्डर रमेश चन्द्र जयल पुत्र न्व० श्री  
भोला दत्त जयल वासी 2220 नेताजी नगर,  
नई दिल्ली द्वारा जनरल अटारनी श्री देव राज  
चड़ा पुत्र श्री राम दाम चड़ा वासी 1922  
सैकटर 22-सी०, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) मर्वेश्वी रविकान्त, सुधीर मोहन विजय कुमार  
पुत्र श्री इशर दाम वार्मी मकान नं० 3037  
सैकटर 21-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिक्षी)

(3) श्रवे साधू मिह गोपाल पुत्र श्री बूटा राम गोपाल  
वासी 1849 सैकटर 34-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

(4) श्री माधू मिह गोपाल पुत्र श्री बूटा राम गोपाल  
वासी 1849 सैकटर 34-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्मान्यदी अविक्षियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में  
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास त्रिभित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20 के परिभाषित हैं, वही  
पर्याय होगा, जो उस प्रधायाय में विद्या गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 1415, सैकटर 34-सी०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कायलिय के विलेख संख्या 1130, मार्च, 1979 में दर्ज  
है।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहरः

प्रत्येक ग्रामीण और एन० एस० --

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदेश

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/320/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 347, सेक्टर 35-ए, है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रामीण सम्पत्ति से प्रतिक है और पन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में शास्त्रिय हैर में वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितर्ती, अवृत्त :—

(1) विंग कमानड़र सनवाल शाह पुत्र श्री बबसी चन्न शाह 19-ए, एलगिनरोड़ अम्बाला कैट द्वारा स्पैशल अटार्सी श्री ललीत कुमार मितल पुत्र श्री फकीर चन्द मारकत शिमला फलोर मिल्जा, सेक्टर 22-(सी, चन्डीगढ़)।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रुबी मितल, कुमारी सेरी मितल (माईनर) पुत्रीया, श्री ललीत कुमार मितल वार्सी 2244 सेक्टर 15-(सी, चन्डीगढ़) द्वारा माता व एन० जो० श्रोमति लाजवन्ती मितल पत्नी श्री एन० के० मितल, 2244, सेक्टर 15-(सी, चन्डीगढ़)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए आवंदातिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवितर्ती पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्ती में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 347, सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1105, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निर्णयण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/301/78-79.—अतः, मुझे, आर०  
के० मनहोता,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिल दुकान बिल्डिंग नं० 1667/5  
है तथा जो डबल फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है  
(और इसमें उपांच अनुसूची में और पूर्ण स्वयं से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय का बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वाधी प्रीतम सिंह बराड़ पुत्र नाजर मिह, स्वैशल  
आटारनी आफ स्व० लीडर पुत्र व स्वयं भनप्रीत  
सिंह, श्रीमति जगजीत कौर पुत्र श्री गज्जन सिंह  
व जगवीर सिंह बराड़ पुत्र श्री प्रीतम मिह,  
बराड़ स्ट्रीट, नं० 22 फाटक, पटियाला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति हरिन्दर कौर पत्नी श्री गुरकिरपाल सिंह,  
सर्वाधी तनवीर सिंह, सर्वजीत सिंह, मनमोहन मिह,  
अमरिन्दर मिह पुत्र श्री गुरकिरपाल सिंह वासी  
22 नं० फाटक, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जायेदाद नं० 1667/5, नजांक 22 नं० फाटक,  
पटियाला ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 6264, मार्च, 1979 में दर्ज  
है) ।

आर० के० मनहोता,  
मध्यम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निर्णयण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/281/78-79:—अतः, मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० बं०—XVI/1057/20 है तथा जो कलसंयो  
रोड, मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (श्रीरजिस उपाद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधारन, तारीख मार्च, 1979  
को पूरोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरक के  
दायित्व में कमी करते था उससे इच्छने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ग) ऐसो किसी धारा या किसी धारा या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात:—

(1) श्रों राज कुमार जोशी एण्ड मन्ज, माफंत राज कुमार  
जोशी पुत्र श्रों राम रत्न जोशी, 1164, हरनाम  
नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रों ठहल सिंह पुत्र श्री रला सिंह बं०—XVI/1057/  
20, कलसंयो रोड, मुरादपुरा, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के सामग्री में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के सामग्री में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधीक्षित द्वारा के पास  
लिखित में किए जा सकें।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिवर्तित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नं० बं०—XVI/1057/20, कलसंयो रोड, मुराद-  
पुरा, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी लुधियाना  
के विलेख सं० 4643 मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

सं० निदेश सं० लुधियाना/265/78-79—अतः, मुझे,  
आरा० के० मलहोता,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मागान नं० 77-सं., है तथा जो उद्यम मिह  
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से ऋणित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री बलबार वालीया पुब श्री करतार मिह,  
3 ए०, नेहरू नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो छणा कटारिया पत्नी श्री सोम नाथ  
77-(सा, उचम मिह नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 77-सं, उद्यम मिह नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के विलेख नं० 4463 मार्च, 1979 में दर्ज है)।आरा० के० मलहोता,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रकृप याईं दी० एन० एम०-----  
 प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, प्रशासन प्रावकर प्रावृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/324/78-79—अतः मुझे, आर०  
 के० मलहोत्रा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के प्रधीन सम्बन्धमें प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 1607 (जिसका क्षेत्रफल 528.1  
 वर्गजग) है तथा जो सैक्टर 33-डी चन्डीगढ़, में स्थित  
 है (और इसमें उत्तरदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीहार्ड प्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखमार्च, 1978  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
 प्रतिकूल के लिए प्रमत्तित की नई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकूल का  
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमत्तरक (प्रन्तरकों)  
 और प्रन्तरिती (प्रमत्तियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए  
 तप पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप में नहीं लिया गया है:—

(क) प्रमत्तरण में हुए किसी प्राय का बाबत उक्त  
 प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के  
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
 प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
 किया जाना चाहिए था, तिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, प्रधिनियम की धारा 269-ब के  
 अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
 उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेरर बरिन्दर सिंह खुराना पुत्र श्री हरबन्स सिंह  
 वासी 511- सैक्टर 16, चन्डीगढ़, रुरा श्रीमति  
 मन्त्र भूपिन्दर सिंह पत्नी श्री भूपिन्दर सिंह, 676  
 सैक्टर 9-डी, चन्डीगढ़, जी० ए० आफ मेजर  
 बरिन्दर सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री दौलत सिंह वासी  
 मकान नं० 676, सैक्टर 8-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री जमशीर सिंह अहलूवालिया, 1607, सैक्टर  
 33-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
 सम्पत्ति है)।

(4) श्री जमशीर सिंह अहलूवालिया, 1607 सैक्टर  
 33-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में  
 अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
 सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रमत्तन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
 प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 1607, सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चन्डीगढ़  
 के कार्यालय के विलेख संख्या 1137, मार्च, 1979 में दर्ज  
 है)।

आर० के० मलहोत्रा  
 मकान प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आपूक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

प्रारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निवेश सं० लुधियाना/278/78-79:—अतः मुझे, आरा० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को प्रारा 269-प के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० बी०-32-743 है तथा जो बहादर के रोड, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिया के बिष्ट अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रिया का पक्ष अतिक्रम के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से सुधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विषय में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की प्रारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की प्रारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) मैमर्ज न्यू लुधियाना, कोपरेटिव कोल्ड स्टोर लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) जनरल हारड ब्रेयर सिर्टीकेट, कुण्डा मारके ओवर लाक रोड मिलर गन्ज लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) मैमर्ज राज श्री कोल्ड स्टोरेज व आईस फैक्टरी बहादर के रोड लुधियाना।

(वह अक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) मैमर्ज राज श्री कोल्ड स्टोरेज व आईस फैक्टरी बहादर रोड लुधियाना।

(वह अक्षित जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास अधिकता में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

नं० बी०-32-743 बहादर के रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4593 मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आरा० के० मलहोत्रा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर 1979

मोहर:

प्रख्यात श्राईं टी० एन० एस०-----

श्रावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निर्देश स० प० श्रार०-1/4197--5/म० 79—अतः,  
मुझे, छह० एस० शेषाद्रि,  
श्रावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये  
से अधिक है।और जिसकी स० सी० एस० न० 94 है तथा जो कुलाबा  
डिवीजन में स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 11-5-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) एसी हिसी श्राव या हिसी धन या अन्य आमितियों को  
जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;1. श्री मुनीस हुसैनी बाराबाला 2. मिसेम सीरीन  
मुनीस बाराबाला (अन्तरक)।

2. डा० रुसी० डि० उमरीगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सार्वी हरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रमाणित:—वी० एस० शेषाद्रि,  
मकान प्राधिकारी,  
सहायक श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, बंबई

तारीख: 3 दिसम्बर, 1979

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, जून, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

स ० फा० 7/2/79-प० I/(ख) —राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना संक्षिप्तों में प्रवेश हेतु जनवरी 1981 से प्रारंभ होने वाले 65वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जून, 1980 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की **प्रमुमानित संख्या 300** (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश किया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यचर्चा (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नौसेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

**नोट:**—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका देखें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पण्जी (गोप्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेंड्र, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और निवेंड्रम।

3. पात्रता की गतें:

(क) राष्ट्रियकालीन:

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के द्वारे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनीयां, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जांबिया, मलावी जैसे

स्थायी विद्यार्थीयों परीक्षा और विद्यालय से प्रवेश कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii) (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश किया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करें।

(ख) आयु सीमाएं, जीवन के पुरुष और वैवाहिक स्थिति:— केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1962 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1965 के बाद न हुआ हो।

**नोट:**—जन्म की तारीख केवल वही मात्र होगी जो मैट्रिक्युलेशन/हायर सेकेन्डरी, या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं: राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सेकेन्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने प्रभी हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

उम्मीदवारों को 30 दिसम्बर, 1980 तक हायर सेकेन्डरी परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र आयोग को भेज देने चाहिए। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में वहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा प्रमाण-पत्र नहीं दिये जाते, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिये गए मूल प्रमाण-पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से यूक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप में योग्य मान सकता है बास्तें कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित छहराता हो।

**नोट 1:**—वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करनी हैं और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष छूट है।

उन्हें हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में, विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ा ने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2 :—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवृच्छित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क :—रु 28.00 (अनु-सूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु 7.00) जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट :—(1) आयोग यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवृजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवृजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) थल सेना के जूनियर कमीशन अफसरों, नौन-कमीशन अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जनियर कमीशन अफसरों, भूतपूर्व नान-कमीशन अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तों पूरी कर देते हैं; अर्थात् :—

- (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) /सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिमिसल द्वारा इस अनुशंसा के साथ प्रशंसित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन कैसे किया जाए :— केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा जून, 1980 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के

नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ तोरु सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों में प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नक्कद देहर आयोग के कार्यालय के काउण्टर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिट्री एरिया/सब एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केन्द्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

मझे उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से हो सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले आधिकारिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थानों में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पढ़ने तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह वियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

जो उम्मीदवार मास्टर सेना में सेवारत है, उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग आफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो पूर्णांक (आवेदन-पत्र के भाग 'ब' के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अप्रेपित करेंगे।

नोट :—भारतीय नौसेना के नाविक (वाल तथा कारोगर प्रणिक्षण महित) पहली तर्जीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफिसर द्वारा विधिवत् अनुशंसित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से जात), देहरादून के कैडेटों, मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को

कालिज/स्कूल के प्रिसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

(i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों में 18 फरवरी, 1980।

(ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीनाथ में रहने वाले उम्मीदवारों में 3 मार्च, 1980।

8. प्रवेश जो आवेदन के माध्यम प्रस्तुत हों।

(क) मध्यमी उम्मीदवारों द्वारा :—

(i) ₹ 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधानमंत्री घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्यशाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुर्वेद, राजवृत्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसा भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें, जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के लेखा शोर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसोद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

(ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

(iii) उम्मीदवार के हाल हीं के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × 7 सें. मी. ०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

लगभग 17.5 सें. मी. ० × 27.5 सें. मी. ० आकार के ताँत बिना टिकट लगे लिफाफे जिनपर आपका पता लिखा हुआ हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :— अनुसूचित जाति/अनुगूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उसे

जिले के किसी सक्रम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र भी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

(i) किसी जिला प्राधिकारी या राजपत्रित प्राधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :—

(i) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

(ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वासी का प्रभारी प्रतिरक्षित गिला मैजिस्ट्रेट।

अथवा

(vi) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

(v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग।

(ग) वर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय दूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहां पर वह रह रहा हो।

9. शुल्क की वापसी :— आवेदन के साथ आयोग को ग्रादा किया गया शुल्क वापस करने के लिए श्रीलंका भूरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या न्यून के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको ₹ 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के मामले में ₹ 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आयोग-

दत यह सूचना प्राप्त होने पर अस्तीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर 1979 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के भाग में ₹० 7.00) का शुल्क वापस कर दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि जून, 1980 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 30 अगस्त, 1980 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित कार्य में मिले मध्ये आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति-सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग में संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काली संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विवार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पालना या अपावृत्ता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अनितम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्व-पूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अधिकारी-प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/गढ़े गए हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी कमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धियां असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त न करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य अक्षतव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिता(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के छण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या आयोग को उसे-जित करना।

वह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त—

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निर्दिष्ट अवधि के लिए अपवृत्ति किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो सो उचित नियमों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पाल होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनकी, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में आयोग को मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को कहा जाएगा।

15. आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस,

नई दिल्ली-110011 के पते पर भरना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें:—जिन पत्रों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होया, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाधीघ सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेवा मुद्यालय, ए० जी० ब्रांच रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ:—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेवा मुद्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिकूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजे गए समन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णयिक प्राधिकरण सेवा मुद्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूची मुद्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिकूटिंग 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को दे

देनी चाहिए ताकि सेवा मुद्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर भिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न भिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रक्षिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश:—संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेवा/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एस्टीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके कलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के बे क्षकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अधिभावकों को इस आग्रह के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, थल सेवा/नौसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एस्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे। इन शर्तों पर अन्तर्गत प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेवा तथा नौसेना के लिए और दूसरी वायुसेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के सभी अंकों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेवा तथा नौसेना के विभिन्नों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन वायुसेना की योग्यता-सूची में से रिक्षितयों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपर्युक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिए जाने पर वूसरी सूची में उनका नाम रख कर दिया जाएगा।

ध्यान दें:—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विग या जनरल डिट्रीज (पाइलट) ब्राव या नेवल एफ्रर ए० आर० एम० में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोसे में पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अहंता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अन्य अन्य उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-अवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राप्तिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनहंताएं:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोसे में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी में प्रशिक्षित लक्षणों के अभाव के कारण यह अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पंहुले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले निया गया हो या जिन्होंने अपनी छुच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बश्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अकादमी ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध:—उम्मीदवारों की इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होता, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. नियमावली और प्रश्न पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं:—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों में “वस्तु परक” प्रकार के प्रश्नों का आरम्भ होने से इस परीक्षा की नियमावली और प्रश्न-पत्रों में युक्त पुस्तिकाओं का सुदृश बन्द कर दिया गया है। किन्तु मई, 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा सहित पिछली

परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं की प्रतियों की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइस्न, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आई द्वारा सीधे अध्यवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रियोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग “सी” ब्लाक, बाबा छड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नरमेट आफ इंडिया बुक डिपोर्ट, 8, के० एस० राय, रोड, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना:—रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने ‘सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन’ (एस्टडी आफ इंटेलिजेन्स टेस्ट कोर्स आफ कैर्डिडेस एट सर्विसेस सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाए।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

ग्राह० एस० अहलुवालिया, उप सचिव

### परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

#### (क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होते:—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित-प्रश्नपत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र I (ज्ञान)	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक मामले)	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होते। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विषयरण के लिये कूपया परिशिष्ट II में उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका देख लें।

3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता मुलभ नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवेका पर है।

6. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जाएंगे।

### (ख) परीक्षा का पाठ्य-विवरण

#### अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहावरेवार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जाएंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या सार लेखन के लिए भी गण्डांश सामान्यतः रखा जाएगा।

#### गणित

#### प्रश्न-पत्र-I

#### अंक गणित

संख्या पद्धतियाएँ—धनपूर्ण संख्याएं, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएं, मूल संक्रियाएं—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चत्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ-तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गणन खण्ड। गुणन खण्ड की प्रमेय। महतम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूंडिलड की कलन विधि।

ग्राधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

#### बीज गणित

आधारभूत संत्रियाएँ: साधारण गुणन खण्ड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महतम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणांकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए)। दो अक्षांश राशियों में युगपत् समीकरण—विश्लेषण प्रौर ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत् रैखिक समीकरण बनते हैं या एक चर में द्विघात समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक भातोंक नियम।

#### त्रिकोणमिति:

ज्या $\times$ , कोटिज्या $\times$ , स्पर्श रेखा $\times$  ज्व  $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ ।  
ज्या $\times$ , कोटिज्या $\times$ , स्पर्श रेखा $\times$  का मान क्योंकि  $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ , और  $90^\circ$ , मरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंचाइयों और द्वारियों के सरल कोश।

#### प्रश्न-पत्र-II

#### ज्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समन्तल आकृति। निम्न-निम्निकृत पर प्रमेयः—

- (i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- (ii) समांतर रेखाएँ,
- (iii) विभुज की भुजाएँ और कोण,
- (iv) त्रिभुजों की सर्वांगसमता।
- (v) समरूप त्रिभुज,
- (vi) माध्यिकाश्रों और शीर्ष-लम्बों का संगमन,
- (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकारों के गुण धर्म,
- (viii) वृत और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है।
- (ix) स्थानिक संधक।

#### विस्तार कलन

क्षणी, आयतों, समान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और बृहों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (ध्रेत्रवाही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बैलों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

#### मांसिकीय

मांसिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा मारणे यन। आलेखी निरूपण-वास्तवारता बहुभुज, आयान चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि।

अपग्रिहित और समृहित ग्रांकड़ों का परिकलन माध्य।

#### सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (i):—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होंगा; और

प्रश्न-पत्र (ii):—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामाजिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विषय पर आधारित होगा। उन्निम्नलिखित विषयों को, सबैग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसों प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग में ममझने की मेंधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र-1विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यबिवरण शामिल होगा—

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहिता, भार, आपूतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्कमिडीज का नियम, दाव, वायुदाव मापी।

विद्य की गति। वे और स्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेदी। बल सामान्तरचतुर्भुज पिंड का स्थायित्व और संसूलन। गुरुत्वाकर्षण वायं, शक्ति और उर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान

ऊर्जा का प्रभाव। तापमान का नाप और ऊर्जा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊर्जा। ऊर्जा अभिगमन विधियां।

ध्वनि तरंगे और उनके गुणधर्म। सरल बाइयं यंत्र।

प्रकाश का अद्वितीय संचरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लेसेज, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत। चालक तथा अचालक। धोम नियम। साधारण विद्युत परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। वैद्युत शक्ति के माप। प्राथमिक और गोण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांतः

सरल सोलक। सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुच्छारा, पम्प। हाइड्रोपाइर, प्रेशर कुरुर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टैलीस्कोप, भाइ-क्रोस्कोप, नाविक दिक्षुचक, तालिक मुरक्का फ्लूज।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत मूल और मरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड की रचना और गुण धर्म। आक्सिकर और अपवर्यन।

अम्ल, धारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृतिम।

साबुन, कांच स्पार्ही, कागज, सीमेंट, पट, दियामलाई और गन पाइडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार।

बनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण ग्रंथों का प्रारम्भिक ज्ञान सामान्य महामारियां, उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

ज्ञाय—मनुष्य के लिए उर्जा का स्रोत। ज्ञाय का संषट्ठन।

संतुलित आहार।

सौर परिवार; उल्का और धूमकेतु। ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग

(क), (ख) और (घ) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न-पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य बिवरण शामिल होगा:—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विषेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आनंदोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाले शक्तियां, उन्नजागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फॉसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और औद्योगिकों का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र, समाजबाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी प्राकृति और आकार, प्रक्षांस और रेखांश। समय की संकल्पना। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियां और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव चट्टानें और उनका वर्गीकरण।

अपक्षय—रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वार भाटे।

वायुमण्डल और इसका संघटन। तापमान और वायु-मण्डलीय दाव, भूमंडलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्र-वात आदि। द्रवण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक बनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलाओं के स्थान और वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्र, भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और नियन्ति की मुख्य मर्दे।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विषय घटनाएं।

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

### बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुद्धियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा नी जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना वहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बोर्डिंग गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

### परिशिष्ट II

#### राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए शारीरक मानक संबंधी मुद्दे बातें।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्द्धाप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के ग्राधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आवेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उत्तम उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा मेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुप्रयुक्ति/अस्थायी रूप से अनुप्रयुक्ति घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेकडल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अन्तरोदेश स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिए उम्मीदवारों के अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधन एंक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानिसक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तस्ली कर नी जाएगी:—

- (क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थलता तो नहीं है।
- (ख) हड्डियों और संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी:—(i) अल्पवर्धित ग्रैव पर्शुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—(ii) शरीर का कुविकास तो नहीं हुआ है इसके लिए रीढ़ की हड्डी का एक्सरे किया जाएगा।

- (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
- (घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरुद्धता तो नहीं आ गई है।
- (ङ) कम सुनाई तो नहीं पाता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिप्पेनिक मस्त्रेन में कच्चा जच्चम तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण गोध के चिह्न तो नहीं है या आमूल या संशोधित आमूल कर्ण मल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको और अति न पहुंची हो तथा मुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल मेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझा जाएगा।

- (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिक्स तो नहीं है अथवा नासाइसनी या सहायक कोटरों का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी:—(i) नासा पट के छोटे अल्पक्षणी ऊवधातंज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा बरन् ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

टिप्पणी :—(ii) जंतिका विवरण संबंधी पुष्टि के लिए निदानार्थी गह्वर मवेधन केवल अपील किए गए सामतों में ही किया जाए त कि किसी प्रारंभिक परीक्षण के द्वारान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के द्वारान तो विकिरण विज्ञान संबंधी परीक्षण, यदि निश्चिप्त किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।

(छ) सपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथी सामान्य है।

टिप्पणी :—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं व्यष्टते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मृत्यु पाई जाए।

(ज) गले, तालु, टौसिल या मृदुओं का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चुर्चकीय संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि बारबार टौसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टौसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववत् का फैफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिली की किसी विलक्षणता सहित पाषक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।

(ठ) वंकण हृतिया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी:—जिनका हृतिया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शरीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा व्यष्टते कि :

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष अंतीत हो गया हो। उसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशीत्तमूह सामान्यता ठीक है; और

(iii) हृतिया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा में संबंधित कोई उल्लंघन पैदा नहीं हुई।

(इ) हाइड्रोमिल या निप्तित वेगिकोसील या जननेद्रियों या अन्य कोई होग या खरबी तो नहीं है।

टिप्पणी (i) यदि हाइड्रोगिल के आपरेशन वे बाद कोई रज्ज और अण्डग्रन्थियों की विलक्षणताये त हों श्रीर फाइल—रियासिया का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को रक्तीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक ओर की अन्तःउदरीय अण्डग्रन्थि आरोही हो तो इस अधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता व्यष्टते कि दूसरी अण्डग्रन्थि सामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रन्थि वे बारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रन्थि वंकण नलिका में अथवा उक्त्रीय वलय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सही हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को रक्तीकार नहीं किया जाएगा।

(क) फिस्टुला और या गुर्दा का विदर या बवसीर के मर्मे तो नहीं हैं।

(ग) गुदों की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लूकोजमेह या एलाय्फिन मेह के सभी रोगी अन्धीकृत कर दिए जाएंगे।

(त) अस्थायी अथवा मामूली धन-चिन्हों को छोड़ बर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अण्डकात्ता या बहुत अधिक कुरुपता या गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी अधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रजित रोग तो नहीं है।

(द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त का प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्ची आती हो, जिनका पेशा वैभव ही या नीद भे निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(घ) भेगापन या आंख या पलकों की कोई ऐसी विड्डति तो नहीं जिसके बहने या दुबारा होने वा खुलना हो सकता है।

(न) मक्किया रोहे (ट्रेकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं हैं।

टिप्पणी:—इलाज के लिए आपरेशन प्रबोध से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप में स्वीकार विए

जनते की गर्मी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन बोल्डनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा फिरी और खर्चों का दायित्व सरकार अपने उपर नहीं लेगी।

3. नर, वजन तथा छाती के नापों के लिए मानक:—

(क) कद:

(i) उम्मीदवार के कद को नाप उन सापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एडियों पर होना चाहिए पंजे पर या पाय के बाहरी पार्श्वों पर नहीं। वह बिना अड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा जिसकी एडियों, पिण्डलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठाई नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर या स्तर अड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 में० मी० की उपेक्षा की जाएगी 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इसमें अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतय स्वीकार्य 157.5 मेंटीमीटर (नौ सेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है फिन्तु गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, रुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम नागालैण्ड और त्रिपुरा के नौमेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्ष्यद्विप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की मंभावन है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तरह पहुंच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौमेना के कैडिटों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष ने कम न हो अनुपातिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल वायु मेना: पाइलट के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 में० मी० होगा। टांग की लम्बाई जांघ की लम्बाई और बैठने पर कद का माप

निम्नतमार होगा।

टांग की लम्बाई	न्यूनतम	99.0 मी० सें०
	अधिकतम	120.0 मी० सें०
जांघ की लम्बाई	अधिकतम	64.0 मी० सें०
बैठने पर कद	न्यूनतम	81.50 मी० सें०
	अधिकतम	96.90 मी० सें०

टिप्पणी:—इसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 मी० सें० तक, टांग की लम्बाई में 2.5 मी० सें० (न्यूनतम) तक तक और बैठने पर कद में 1 मी० सें० न्यूनतम तक की छूट दी जा सकती है बास्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण पत्र दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा गर्भीय रक्षा अवधियां में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) वजन:—(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से अपड़े उतार कर या केवल जांचिए के साथ लिया जाएगा। वजन करने समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद और औसत वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिये की जा रही है:

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा आय के संबंध में ठीक वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गए औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिए 6 किलोग्राम कम ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपसूक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से

योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती—छाती पूरी तरह आनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बाहें सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इक्फीस्टिर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा बिन्तु साथ इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊचे उठे या पीछे की ओर झुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सें. मीटर से कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना के लिए : सभी उम्मीदवारों की रीढ़ की हड्डी का एक्सरे लिया जाएगा और यदि उसमें नीचे दी गई असामान्यताएं पाई गई तो उम्मीदवार को अस्वीकृत किया जा सकता है—

- (i) कांब विधि के द्वारा 7° से अधिक स्कोलियोसिस
- (ii) एस० बी० 1 के अलावा आयुक्त मेहदंड।
- (iii) एल० बी० 5 का एकपक्षीय त्रिकास्थि संयोजन
- (iv) श्यूरमन रोग, श्यूरमन संधि, कशेरकासन्धिग्रह या कशेरु काप्रसर्यन।
- (v) अन्य कोई विशिष्ट मेहदंड रोग, वायु सेना में प्रवेश के लिए सभी उम्मीदवारों का ई० सी० जी० किया जाएगा, जिनमें विशिष्ट असामान्यताएं होंगी उन्हें अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

टिप्पणी : छाती का एक्सरे अनिवार्य है।

#### 4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में है।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट

प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुसूचि दांतों के लिये निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जायेंगे—

- (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रद्दनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।
- (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो प्वाइंट। पूरे 32 दांत हीने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जायेंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्ननिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके;

- (i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।
- (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अस्था किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

#### 5. दूरदृष्टिमानक

##### (क) दूरदृष्टि तीक्ष्णता

###### मानक-I

अच्छी आंख खराब आंख  
बी०-6/6 बी-6/9  
चश्मा लगाकर 6/6 तक

###### मानक-II

अच्छी आंख खराब आंख  
दूरदृष्टिता (चश्मा लगाकर) 6/6 6/9

निकट दूरदृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अविन्दुक्ता (एस्टिगमेटिज्म) सम्मिलित है—2.5 डी० से अधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में 0.5 डी०।)

दीर्घ दूरदृष्टि (हाइपर मैट्रोपिया) जिसमें अविन्दुक्ता (एस्टिगमेटिज्म मैनीफैस्ट) सम्मिलित है +3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी :—1. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान मायो रेटिना के सूचक विट्रियस या कोरियारेटिना के अनावश्यक व्यप-जनन चिन्ह न हों।

3. द्विनेत्री (वाइनोकुलर) दूरदृष्टि अच्छी होनी चाहिये (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दूरदृष्टि क्षेत्र)।

4. ऐसा कोई आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान :

जो उम्मीदवार अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी० पी०-३ (सदोष सुरक्षा) न रखते हों उन्हें अयोग्य माना जाएगा।

सी० पी०-३ (सदोष सुरक्षा)---उम्मीदवार इस योग्य हों कि वे 1.5 भीतर की दूरी से सफेद, लाल संकेत और हरे संकेत रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक 1—कार्यपालन शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुसंधि दे तो कुछ सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। हंजीनियरी, विद्युत और पूर्ति तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/36 चश्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है।

(II) विशेष अपेक्षाएं :

सामान्यतया नौ सेना की सभी शाखाओं के कैडेटों/डायरेक्ट एन्ट्री अफसरों की राति-दृष्टि तीक्ष्णता के बास्ते नेमी तौर पर डेना काम की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिए कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नथी कर दिया जाएगा:—

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रत्नौधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रत्नौधी नहीं है।”

ह० उम्मीदवार

चिकित्सा अधिकारी के प्रति

हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (वीरोप्यलिम्य) पिगमेंट्री अपविकास/कोरियारेटिना में विचलन, अपसामान्य परितारिका और उसके लक्षण होने का सदैह होगा लेकिन वो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होने उनकी विस्तृत राति दृष्टि तीक्ष्णता जांच सामान्य तौर पर की जाएगी।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

मानक I—एम० एल० टी०

नेत्र विचलन प्रवत्ति

(मार्टिन लालटेन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवत्ति मेडोक्स राड विगटेस्ट के साथ (बाशर्ट के अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हों)

निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए:—

(क) 6 मीटर की दूरी से

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

8 प्रिज्म डायोप्टर

1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

बूर दृष्टिता की सीमा

(होमाटोपिना के अन्तर्गत)

सही आंख

1.5 डायोप्टर

0.75

दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का दोष 1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए।

इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए। सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्टर

दूर दृष्टिता

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

साधारण धूर दृष्टिता वैषम्य

संयुक्त धूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्टर

धूर दृष्टिता वैषम्य दोष

2.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें से

1.00 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होनी चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)—किसी भी एक मरेडियम में 0.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में फ्यूजन फैकलटी और पूर्ण दृष्टि श्रेष्ठ होना चाहिए)।

वायु सेना (i) दृष्टिमानक

वायु सेना नहीं लगाना है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं

व्यक्ति दूर दृष्टिता 2.00

डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन

मडाक्स राड परीक्षण से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 33 सें० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया

16 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

निकट दृष्टि	शून्य
अबिन्दुकर्ता	+ 0.75
	दिन

**द्वितीय दृष्टि:**—द्वितीय दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (आयाम और गहराई के साथ संयोजन और स्टीरियो-सिस)।

रंग १, ग्रनेज जान-मानक 1 एम० एल० टी०

6. अवयन १०८८

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आडियोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेंगे।

(क) वाक् परीक्षा:—उम्मीदवार को जो एक उचित हुंग से शांत करने में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुमकुमाहट की आवाज मुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुमकुमाना चाहिए: अर्थात् वह साधारण निष्वास अन्त में लेगा।

(ख) श्रव्यता मितिक परीक्षण—250 एच जैड और 4000 एच जैड के बीच आवनियों में श्रव्यतामितिक कमी +10 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। श्रव्यता आलेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यता मापी की आधार रेखा के शून्य की ओर जिन बातावरणीय रव अवस्थाओं में श्रव्यता आलेख प्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए और किसी वायुसेना कर्ण-नासिका-कंठ विशेषज्ञ की अनुशंसाओं पर विनिर्दिष्ट मानक से थोड़ा-बहुत विचलन नजर अन्दर ले जायेगा।

7. नेमी आधारित ई ई जी—वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों की ई ई जी परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अप-सामान्यता रखने वालों को अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

### परिशिष्ट III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे:—

(क) इस आशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अध्ययन आवश्यक किसी संजिकल आपरेशन या संवेदना-हरक दबा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बैध उत्तराधिकारी को मरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का बंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में ममक्षे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र

पर किये गये व्यय तथा दिये गए बेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार बहन करेगी। उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जेब खर्च वे खुद बदाइत करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या अंशिक रूप में बदाइत करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे बर्ष के लिये 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए 45.00 और थल सेना/नीसेना/वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिये 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय रु० 450.00 या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाव नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये अवल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेट को अप्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवार को आने पर, कमांडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब से	रु०
पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	650.00
जोड़	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशिवापस कर दी जाएगी:

(क) 40.00 रु० प्रति माह के हिसाब से	रु०
पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मदों के लिए	
लगभग	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्र वृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशु राम भाड पटवर्द्धन छावृत्ति :—यह छावृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से ₹ 350.00 तथा ₹ 500.00 के बीच हो। छावृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कभीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक वे लिए वह प्राप्त होगी किन्तु यह है कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह सन्तोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छावृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय महायता नहीं दी जाएगी।

(2) कर्नल केंडिलफें मैमोरियल छावृत्ति :—यह छावृत्ति ₹ 370.00 ₹ 50 प्रति वर्ष है और उस मराठा कैडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो यह छावृत्ति मरकार। से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंबर सिंह मैमोरियल छावृत्ति :—दो छावृत्तियां उन दो कैडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छावृत्ति ₹ 37.00 ₹ 50 प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी देहरादून तथा बायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा नौसेना अकादमी कोचीन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, वे दी जाती रहेगी। छावृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कैडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम मरकार छावृत्तियां :—दो छावृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छावृत्ति ₹ 30.00 ₹ 50 प्रतिमास की होगी तथा जब तक छावृत्ति राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छावृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छावृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश मरकार छावृत्तियां :—दो छावृत्तियां ₹ 30.00 ₹ 50 प्रतिमास की तथा ₹ 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश मरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सन्तोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कैडेटों को यह छावृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छावृत्ति :—पूरे वर्ष के लिये ₹ 480/- की एक योग्यता छावृत्ति ₹ 50 ₹ 50 अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी श्रवधि के लिये केरल राज्य सरकार

द्वारा उस कैडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का प्रधिवासी निवासी हो और जो ₹ 50 ₹ 50 अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं. लो० सं० आ० प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उन्हें यह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कानिज में या भारत भर में दिसी सैनिक स्कूल में उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैडेट वे पिता/संरक्षक की अधिक स्थिति पर कोई धारा नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंदाविनी पुरस्कार :—यह ₹ 500.00 रुपये का नात्द पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। शावेदन-प्रपत्र बमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा मरकार छावृत्तियां :—तीन छावृत्तियां एक थल सेना, एक नौसेना तथा एक बायु सेना के कैडेट के लिये प्रत्येक ₹ 80.00 ₹ 50 प्रति मास के द्विमास में उड़ीसा मरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छावृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय ₹ 5,000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छावृत्ति विना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल मरकार छावृत्तियां :—निम्नलिखित बर्गों की छावृत्तियां पश्चिमी बंगाल मरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हों :—

(क) वर्ग 1 :—तीन छावृत्तियां—(थल सेना, नौसेना तथा बायु सेना के लिए एक-एक) ₹ 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिये तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चाँथे वर्ष के लिये ₹ 480.00 रुपये तथा उसके अतिरिक्त ₹ 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कैडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छावृत्ति पाने के पाव नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छावृत्तियां ₹ 100 रुपये प्रतिवर्ष एक भूषित मरकारी वित्तीय सहायता के अन्तर्गत दी जाएंगी।

(10) पायलट अकादमी गुगमीन मिह बेदी भैमोरियल छावृत्ति :—₹ 420/- प्रतिमास की एक छावृत्ति एसें कैडेट को दी जाती है जो बायु सेना कैडेटों वे चाँथे सत्र के अवधि के लिये होंगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छावृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्तवर्ती रेलीगेट कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर भला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छावृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे यह छावृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश मरकार छावृत्तियां :—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छावृत्तियां प्रदान की जाएंगी।

प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिये 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से विसीय महायता से रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30/- रु. प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी श्रव्धि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन, कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) राजस्थान सरकार छात्रवृत्ति :—राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 50/- रु० प्र० मा० की तीन छात्रवृत्तियां (थल सेना, नौ सेना और वायु सेना प्रत्येक को एक-एक) तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी श्रव्धि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो राजस्थान राज्य के भूतपूर्व जै० सी० ओ०/अन्य रैक या नौ सेना तथा वायु सेना के समकक्ष श्रोहदाधारियों के पुत्र/श्राक्षित हों। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेंट, नेशनल डिफेंस एकेडेमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-बासला पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं :—

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तरकार उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

आवाज़ उम्मीदवारों को सनाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अड्डेयन के प्रति उदासीन न हो जाए।

#### प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं प्रथम् थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के लिये चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये

जैक्सन तथा श.रीरिक दोनों प्रकार का आरम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व-सेना प्रस्था है। पहले ताई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये मात्रान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथार्थिति विज्ञान या मानविकी के स्तर पर स्तर का होगा।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, वेहरादून में, नौ सेना कैडेट, कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट ई० एफ० एस० बिदार जाएंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्ट्स-मैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष एक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा हरने के बाद जेन्ट्स-मैन कैडेटों को उन के शेप (Shape) गोटेरिन इप्सिट से योग्य होने पर सेकेंड लेफिटनेन्ट के पद पर स्थानी कमीशन दिया जाता है।

9. नौ सेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौ सेना की कार्यपालक इंजीनियरी, विज्ञान और शाखाओं के लिये चुना जाता है। उन्हें छह महीने के लिये कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिने सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैक में पदोन्नति हिता जाता है। संबद्ध शाखा में 6 महीने तक ग्रामे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब-लेफिटनेन्ट के रैक में पदोन्नति किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का डेंड वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर आन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान हिता जाता है। इसके बाद छ: महीने का रेजिस्ट्रेशन सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की ग्रामे के नियम परीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाप्त कर दिया जाता है।

सेवा की शर्तें

#### 11. थल सेना अधिकारी

##### (i) वेतन

रैक	वेतनमान
सेक्विंड लेफिटनेन्ट	750-790
लेफिटनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफिटनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफिटनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर-जनरल	2500-125/2-2750
लेफिटनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास

## (ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लेफिटनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु., 2400/- रु., 4500/- रु. अथवा 6000/- रु. के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उडान प्रशिक्षक (वर्ग 'ब') 70/- रु. की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

## (iii) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर रामद-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हे भी नगर प्रतिकूर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 50/- प्रतिमास की दर से विट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विवेद भत्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता: जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार महिल नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु. प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता: प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु. 1400/- है। प्रथम वमीशन की तारीख से रु. 1200/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे भत्ते के दावे का भुगतान दिया जा सकता है।

## (iv) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विवेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

## (v) पदोन्नतियाँ

## (क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं:—

## समय वेतनमान से

लेफिटनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफिटनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा	

लेफिटनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

## मेजर जनरल

## लेफिटनेन्ट जनरल

## जनरल

## (ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बताते कि रिक्तियाँ उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफिटनेन्ट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटनेन्ट जनरल	25 वर्ष

## 12. नौसेना अफसर

## (i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौ सेना विमानन और पनडुब्बी
मासिक रु.	मासिक रु.	मासिक रु.
मिडशिपमैन	560	560
कार्यकारी सब लेफिटनेन्ट	750	825
सब लेफिटनेन्ट	830- 870	910- 950
लेफिटनेन्ट	1100- 1450	1200- 1550
लेफिटनेन्ट कमांडर	1550- 1800	1650- 1800
कमांडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
ब्रिगेडियर को वही वेतन मिलता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।		
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएँ रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर को अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु., 2400/- रु., 4500/- रु. या 6000/- रु. के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं।

## (ii) भत्ते

नौसेना विमानन अफसर उडान भत्ता के लिये उन्हें दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुरूपी रैंकों के लिये लागत हैं।

नौ सेना अफसर समकक्ष रैंक से थल सेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें हार्ड लाइंग मानों, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष स्थियायतें भी दी जाती हैं।

## (iii) पदोन्नतियां

## (क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब लेफिटनेन्ट

1 वर्ष

लेफिटनेन्ट

3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/  
जबती के अधीन)

लेफिटनेन्ट कमांडर

लेफिटनेन्ट के रूप से 8  
वर्ष की वरिष्ठता

कमांडर

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त  
सेवा (यदि चयन द्वारा  
पदोन्नति नहीं हुई है)।

## चयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के  
रूप से 2-8 वर्ष की  
वरिष्ठता।

कमांडर इजांनियरी शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के  
रूप में 2-10 वर्ष की  
वरिष्ठता।

कमांडर विद्युत शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के  
रूप में 2-10 वर्ष की  
वरिष्ठता।

कमांडर पूर्ति और संविवालय  
शाखा

लेफिटनेन्ट कमांडर के  
रूप में 4-10 वर्ष की  
वरिष्ठता।

कैप्टन

कमांडर के रूप में 4  
वर्ष की वरिष्ठता।

रियर एडमिरल  
वाइस एडमिरल

कोई प्रतिबन्ध नहीं।  
कोई प्रतिबन्ध नहीं।

## (ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफिटनेन्ट कमांडर के रैक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर की लेफिटनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, तो सेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

## 13. बायु सेना अफसर

## (i) वेतन

रैक	वेतनमान रुपये
पायलट अफसर	825-865
फ्लाइंग अफसर	910-1030
फ्लाइंग लेफिटनेन्ट	1300-1550
स्क्वाइन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1800 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175

रैक	वेतनमान रुपये
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	3000
एयर चीफ मार्शल (सी० ए० ए००)	4000

## (ii) भत्ते

उड़ान भत्ता—उड़ान शाखा (पायलट और नैवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित पद पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं :—

प्रतिमास	
पायलट अफसर से लेकर	
विंग कमांडर तक	375. 00
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर	333. 00
एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	300. 00
(iii) योग्यता वेतन/अनुदान :— निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्त जिनके पास निर्धारित योग्यताएँ हैं :—	
योग्यता वेतन	ह० 100/- प्र० मा० या र० 70/- प्र० मा०
योग्यता अनुदान	6000/- र० 4500/- र० 2400/- या 1600/- र०

## (iv) पदोन्नतियां

## (क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

## समय वेतनमान द्वारा

फ्लाइंग अफसर	1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
फ्लाइंग लेफिटनेन्ट	5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
स्क्वाइन लीडर	11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
विंग कमांडर	यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

## चयन द्वारा

## विंग कमांडर

स्थायी स्क्वाइन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।

## ग्रुप कैप्टन

स्थायी विंग कमांडर के रूप में 4 वर्ष की सेवा।

## एयर कमोडोर

स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा।

एयर वाइस मार्शल	स्थायी एयर कमोडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर मार्शल	स्थायी एयर वाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा।
<b>(ख) कार्यकारी पदोन्नति</b>	
अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है:—	
फ्लाइंग लेफिटनेन्ट	2 वर्ष
स्क्वाइन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्क्वाइन लीडर के रूप में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कमोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और शुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, शुप कैप्टन और एयर कमोडोर के रूप में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल	23 वर्ष

\*खंडित अवधियों को शामिल करके।

#### 14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेन्शन, उपदान और कैंजुएल्टी पेंशनी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनसार स्वीकार्य होंगे।

#### 15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

#### परिशिष्ट-IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि श्री .....  
 ..... सुपुत्र श्री ..... जो  
 गांव/कस्बा\* ..... जिला/  
 मंडल\* ..... राज्य/संघ\*  
 राज्य क्षेत्र ..... के निवासी  
 है ..... जाति/जन\* जाति के  
 हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—  
 संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदीप्ति क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां\* आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*

संविधान (ग्रांडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 1\*

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*

2. श्री ..... और/या\* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\* ..... जिला/मंडल\* ..... राज्य/संघ\*

राज्य क्षेत्र	.....	में
रहता है।		
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र		
	हस्ताक्षर.....	
	पदनाम .....	
	(कार्यालय की मोहर के साथ)	
स्थान .....		
तारीख .....		

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

†(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार श्रीर/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लकड़ीप)।

#### परिशिष्ट- V

##### संघ लोक सेवा आयोग

##### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

##### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको “वस्तु परक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

##### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होंगे। इस पुस्तिका के कम संभ्या 1, 2, 3..... के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c ..... क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही वा यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

##### ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्या 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e..... के क्रम से प्रत्युत्तर लिये होंगे। परीक्षण-पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बावजूद कौन सा प्रत्युत्तर सही वा सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अंतर्कालीन दर्शनी वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1.

2.

3.

इसलिए यह जल्दी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. आगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी प्रसावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेहा हो जाए।

**घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम**

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की ऋम संख्या स्थाही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रवड़, एक पेसिल पार्पनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दे।

**ज. विशेष अनुदेश**

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण-पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण-

पुस्तिका की ऋम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

**च. कुछ उपयोगी सुझाव**

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता में उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पहँचें, उन पर समय अर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण प्रक्रिया की अपेक्षा, जानकारी, सूझ-बूझ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

**छ. परीक्षण का समाप्ति**

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

**नमूने के प्रश्न**

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

(a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।

(b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।

(c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

(d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक स्थितता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

(a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

(d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

(e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्यकलाप का मुख्य प्रयोजन

(a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।

(b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।

(c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।

(d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है :

(a) शुक्र

(b) मंगल

(c) वृहस्पति

(d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है ?

(a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।

(b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।

(c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

(d) पेड़-पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

**SUPREME COURT OF INDIA**  
New Delhi, the 3rd December 1979

No. F.22/80-SCA-(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year—1980.

Name of holiday	Date & Month	Day of the week	No. of days
Republic Day	26th January	Saturday	1
Holi	28th & 29th February	Thursday & Friday	2
Ramnavami	24th March	Monday	1
Mahavir Jayanti	29th March	Saturday	1
Good Friday	4th April	Friday	1
Id-ul-Fitr	*13th August	Wednesday	1
Independence Day	15th August	Friday	1
Janmashtami	1st September	Monday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Thursday	1
Dussehra	13th to 17th October	Monday to Friday	5
Id-ul-Zuha (Bakrid)	*20th October	Monday	1
Balmiki Birthday	23rd October	Thursday	1
Diwali	6th & 7th November	Thursday & Friday	2
Muharram	*19th November	Wednesday	1
Gurunanak's Birthday	22nd November	Saturday	1
Christmas & New Year Holidays	22nd December, 1980 to 2nd January, 1981	Monday to Friday	12

\*Though the holidays for Id-ul-Fitr, Id-ul-Zuha & Muharram are shown respectively on 13-8-80, 20-10-80 & 19-11-80, the actual closed days will be subject to alteration according to the visibility of the Moon.

By order  
R. SUBBA RAO,  
Registrar (Admn.)

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION**

New Delhi-110011, the October 1979

No. A.12026/1/79-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Administrative Officer in the Commission's office on *ad hoc* basis for a period from 11-10-1979 to 31-12-1979, or until regular appointment is made, or until further orders, whichever is the earliest.

2. The appointment of Shri Gandhi will be on transfer on deputation basis and his pay will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-F. III/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
for Chairman

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the October 1979

No. A. 12025(ii)/1/78-Admn. III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 5/28/79-CS. I dated 18th September, 1979, the President is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Department of Food, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 28th September, 1979, until further orders.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

**CENTRAL VIGILANCE COMMISSION**

New Delhi, the 3rd December 1979

No. N9 RCT 21.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this

Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 30th November, 1979 (afternoon) for a period of 90 days from 30th November, 1979 (afternoon) to 28th February, 1980 (afternoon) or until further orders whichever is earlier.

The 4th December 1979

No. O9 RCT 18.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal, a permanent Section Officer of this Commission as Research Officer in an officiating capacity for a period of 90 days with effect from 30th November, 1979 (afternoon) to 28th February, 1980 (afternoon) or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi-1, the 28th November 1979

No. A-19021/6/75-Ad. V.—Shri U. N. Biswas, IPS (1968-W.B.), Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment relinquished charge of Office of Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on the afternoon of 27-8-79. His services were placed back at the disposal of Govt. of West Bengal.

The 30th November 1979

No. G-10/65-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri G. P. Motwani, has relinquished the charge of the Office of Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, at Ahmedabad on the afternoon of 31-10-1979.

No. K-92/68-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri K. Raghavan, Office Superintendent, Central Bureau of Investigation, retired from the Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1979.

No. A-35013/1/79-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri B. L. Joshi IPS (1971-Rajasthan) to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17th November, 1979, and until further orders.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

**DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE**

New Delhi-110001, the 28th November 1979

No. F. 2/38/78-Estt (CRPF).—In continuation of this Directorate General notification of even number dated 12/13-7-79.

2. The President is pleased to appoint Dr. Niranjan Brahma as a General Duty Officer Grade-II in substantive capacity with effect from 22-6-1979.

The 29th November 1979

No. P. VII-2/79-Estt.—Shri Mohan Singh, Office Supdt. of the CRPF is promoted to the grade of Section Officer on purely *ad hoc* basis in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. 3-11-79 (FN).

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-19, the 30th November 1979

No. E-32015(3)/4/77-Pers.—Shri A. K. Nair on being relieved from re-employment in the CISF relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. E-38013(3)/79-Pers.—On transfer to Salem, Shri P. David relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit VPT Visakhapatnam w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer to Bokaro Shri S. P. Mulchandani relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the afternoon of 30th October 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer from Bokaro Shri O. P. Jaitli, Asstt. Comdt., assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit BII. Bhilai w.e.f. the forenoon of 28th September 1979.

No. E-38013(3)/19/79-Pers.—On transfer from Durgapur Shri S. M. Saini assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. Trg. Reserve Force under DIG(S/Z) with Hqrs. at Thumba w.e.f. the forenoon of 15th October 1979.

No. E-38013(3)/19/79-Pers.—Shri S. M. Saini relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., Trg. Reserve Force

(S/Z) with Hqrs. at Thumba w.e.f. the afternoon of 31st October 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the forenoon of 1st November 1979.

The 3rd December 1979

No. E-28099/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri J. B. Bhattacharjee relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

No. E-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer to Dewas (M.P.), Shri V. K. Bhalia relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, HEC Ltd., Ranchi w.e.f. the afternoon of 24th September, 1979.

No. E-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer to Visakhapatnam, Shri A. K. Singh relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BSI, Bokaro w.e.f. the afternoon of 20th September, 1979 and assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, VPT Visakhapatnam w.e.f. the forenoon of 5th October 1979.

No. E-38013(3)/15/79-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. Sankaranarayanan to officiate as Asstt. Comdt. on *ad hoc* basis and he assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, IDPL Hyderabad with effect from the forenoon of 3rd September, 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer from Bhilai Shri S. P. Moolchandani assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, BSL, Bokaro with effect from the forenoon of 8th November, 1979.

Sd/- ILLEGIBLE  
Inspector-General, CISF

**DIRECTORATE OF PRINTING**

New Delhi, the 30th November 1979

No. V(13)/AI.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Ramachandran Venkatachalam, Technical Officer (Photolitho), to officiate as Deputy Manager (Photolitho) Govt. of India Reprographic Unit, Defence Services Staff College, Wellington (Nilgiris), with effect from the forenoon of 15th November, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI  
Joint Director (Adm.)

New Delhi, the 10th December 1979

No. M(39)/AI.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Isidore Minj, Superintendent, Govt. of India Stationery Office, Calcutta, to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Govt. of India Press, Nilokheri in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of the 29th October, 1979, until further orders.

M. M. JOSHI  
Dy. Director (Admn.)

**MINISTRY OF FINANCE  
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)  
BANK NOTE PRESS**

Dewas, the 29th November 1979

F.No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 30-5-1979, the following ad-hoc appointments have been continued beyond 1-9-1979 upto the date shown against each on the same terms and conditions:

S. No.	Name	Post to which appointed on ad-hoc basis initially	Date upto the ad-hoc appointment continued
1	2	3	4
1.	S/Shri A. S. Vhatkar	Technical Officer (Printing & Plate making)	7-10-79

1	2	3	4
2.	M. Ponnuthurai	Technical Officer (Printing & Plate making)	31-12-79
3.	D.R. Kondawar	-do-	31-12-79
4.	Y. Janardan Rao	-do-	31-12-79
5.	Rampalsingh	-do-	31-12-79
6.	N.R. Jayraman	-do-	31-12-79
7.	Samarendra Dass	-do-	31-12-79
8.	M. Dutta	Technical Officer (Designing and Engraving)	31-12-79
9.	Arun Kumar Ingle	Technical Officer (Ink Factory Research and Lab.)	31-12-79
10.	J.N. Gupta	Technical Officer (Ink Factory Production)	31-12-79

P. S. SHIVARAM  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 5th December 1979

No. Admn. I/O.O. 450/5-8/77-80/1677.—The Director of Audit has ordered under 2nd proviso to F.R. 30(1), the pro forma promotion of the following permanent Section Officers of this office to the Grade of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, retrospectively w.e.f. 30th July, 1979 (forenoon) :—

1. Shri D. D. Bhardwaj.
2. Shri Bal Ram Sharma.

No. Admn. I/O.O. 457/P.F./S.C. Bhatnagar/79-80/1704.—Shri S. C. Bhatnagar an officiating Audit Officer of this office has retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from the forenoon of 22nd November, 1979, after completion of more than 20 years of qualifying service, in terms of G.I. Min. of H.A., O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

2. Shri Bhatnagar entered Govt. service on 4-6-1947 and his date of birth is 30-9-1930.

No. Admn. I/O.O. 458/5-6/79-80/1711.—The Director of Audit, hereby appoints Shri C. L. Arora, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer with effect

from the forenoon of 3-11-1979 until further orders. This is in partial modification of this office notification No. Admn. I/00361/5-6/Promotion/79-80/1387 dt. 28-9-79.

No. Admn. I/O.O. No. 459/5-6/79-80/1713.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Kirpal Singh, a permanent Audit Officer of this office retired from service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

Sd./- ILLEGIBLE  
Joint Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum-695001, the 23rd November, 1979

No. A. VII/9-86/Vol. II/173.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the under mentioned officiating Accounts Officers (Audit & Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officers grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates shown against each :—

(1) Sri K. Radhakrishna Menon	1-6-1979
(2) Sri M. K. Sankaranarayanan	1-10-1979
(3) Sri V. Sreenivasan Potti	1-10-1979

D. S. IYER  
Sr. Deputy Accountant General/Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 28th November 1979

No. 44016(1)/73/AN-I.—The President is pleased to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against them) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that service with effect from the forenoon of the 19th November, 1979, until further orders, under the "Next Below Rule".

Sl. No.	Name	Present assignment
1.	Shri V.S. Jafa	Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Expenditure (Civil), New Delhi.
2.	Shri R. Kalyanasundaram	Chief Financial Controller, Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore.

R. L. BAKHSHI  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 27th November 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT

No. 6/587/59-Admn. (G)/8356.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Sen relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports, Gandhidham on the afternoon of the 31st October, 1979.

No. 6/395/56-Admn. (G)/8363.—On attaining the age of superannuation Shri C. L. Ghatpande, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st October, 1979.

The 28th November 1979

No. 6/1325/79-Admn. (G)/8369.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Lal, a permanent Grade 'C' Officer of the CSSS to officiate in Grade 'B' of that Service in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on a purely temporary basis, for the period from 15-11-79 to 31st December, 1979 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The 29th November 1979

No. 6/1281/79-Admn. (G)/8382.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Anil Kumar Taneja, Investigator Grade I, in the Ministry of Labour, New Delhi as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th October, 1979, until further orders.

2. Shri Taneja as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—735—810—EB—880—40—100—EB—40—1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
For Chief Controller of Imports and Exports

## MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd December 1979

No. A-19018(417)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Singh as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Branch Small Industries Service Institute, Rourkela with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 23rd November 1979

No. CLB I/I/6-G/77.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/I/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said notification against S. No. 12(VI) for the existing entry in column 2 the following shall be substituted namely :—

"General Managers, District Industries Centres/Senior District Industries Officers/District Industries Officers/Project Officers (Ind.) Incharge of Districts."

No. 18(1)/77/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Power-loom) Control Order, 1956, I hereby make the following

further amendment to the Textile Commissioner's Notification No.15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 12(V) the existing entry under column 2, shall be substituted by the following entry namely :—

"General Managers, District Industries Centres/Senior District Industries Officers/District Industries Officers/Project Officers (Ind.) In charge of Districts".

M. W. CHEMBURKAR  
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th November 1979

No. A-1/1(1146).—The President is pleased to appoint Shri K. I. Chopra, Section Officer of the CSSS in the DGS&D, New Delhi to officiate on *ad-hoc* deputation basis as Assistant Director (Sales Tax) (Gr. I) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 13-11-79 (F.N.).

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General, Supplies & Disposals

## (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th November 1979

No. A-17011/150/78-A6.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Mehrotra to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) in this Dte. General w.e.f. the forenoon of 24th October, 1979 and until further orders.

Shri Mehrotra assumed charge of the post of Inspecting Officer in the office of Dy. Director of Inspection, Kanpur under the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi w.e.f. 24-10-79 (F.N.).

The 23rd November 1979

No. A-6/247 (578)/67.—Shri Madan Lal, an Officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Bombay under this Directorate General resigned from Govt. service w.e.f. the afternoon of 22nd October, 1979.

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)  
For Director General  
of Supplies & Disposals

New Delhi, the 27th November 1979

No. A6/247(388).—The President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri S. C. Anand who was actually promoted to the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) Grade II of Indian Inspection Service (Glass I) Group A—in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from 16/9/1974 would be w.e.f. 16/9/71 (F.N.).

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)

## SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 4th December 1979

No. Ei-5576/881-OFFICERS.—Dr. Anil Kumar Rastogi, M.B.B.S., is appointed as Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Survey of India Dispensary, Dehra Dun on purely temporary basis for a period not exceeding 90 days on a monthly wages of Rs 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 22-10-1979 (F.N.) to 19-1-1980 (A/N) in the first instance against the vacancy caused by retirement of Dr. A. N. Chatterjee w.e.f. 30-6-1979 (A/N).

Authority :—Ministry of Health & Family Welfare's letter No. A-12034/20/79-CHS. I dated 8-8-1979.

K. L. KHOSLA  
Major-General  
Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 26th November 1979

No. A-24013/11/79-Est. I.—Chief Producer, Films Division, hereby appoints Kum. S. Sen, officiating Salesman, Films Division, Nagpur, to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the forenoon of the 24-9-1979 vice Shri R. P. Sharma, Branch Manager granted leave.

N. N. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi-1, the 29th November 1979

No. A-19012/4/71-Exh. (A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Amal Mukherjee, a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit (F.W.) Calcutta of the same Directorate on *ad-hoc* basis w.e.f. 9-10-79 vice Shri D. C. Roy, F.O. (F.W.) granted leave.

J. R. LIKHI  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th November 1979

No. A. 19020/22/77-Admn. I.—Consequent on his transfer to Central Govt. Health Scheme, Dr. Narinder Kumar Verma assumed charge of the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 30th June, 1979.

On his appointment to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. Dr. Narinder Kumar Verma relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Safdarjang Hospital, New Delhi on the afternoon of 30th June, 1979.

No. A. 12026/22/79 (JIP) Admn. I.—The President is pleased to permit Kum. A. P. Sarada, Lecturer in English, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry to retire voluntarily from government service on the afternoon of 3rd October, 1979 under the provisions of O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated the 26th August, 1977 of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 27th November 1979

No. A. 12025/5/79 (AIHPRH) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Kumar Jyoti Nath, Assistant Professor of Sanitary Engineering (Designs), All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Professor of Environmental Sanitation in the same Institute, with effect from the forenoon of the 30th October, 1979, on temporary basis, and until further orders.

The 29th November 1979

No. A. 12026/26/78 (JIP) Admn. I.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Smt. A. Chatterjee, Assistant Nursing Superintendent, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Deputy Nursing Superintendent in the same

Institute with effect from the forenoon of the 29th September, 1979 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 12026/28/78 (SD) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Das Gupta, Technical Assistant, Department of Serologist & Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, to the post of Immunochemist in the same Department with effect from the forenoon of the 2nd November, 1979 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 19019/14/78 (HQ) Admn. I.—On completion of his term of re-employment Air Cdre. P. Dharmaraju relinquished charge of the post of Director of Civil Defence (Medical) in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 14th October, 1979.

No. A. 19020/18/77 (CRI) Admn. I.—On appointment to the post of Veterinarian at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, Shri K. N. Tondon relinquished charge of the post Veterinary Assistant Surgeon at the Central Research Institute, Kasauli, on the afternoon of the 28th September, 1979.

The 30th November 1979

No. A. 31014 3/79 (HQ)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Indira Saxena in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer (Teacher's Training) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services with effect from the 29th June, 1976.

The 3rd December 1979

No. A. 11013/2/78 (HQ) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Srivastava, Assistant Editor (Hindi & English) in the C.H.E.B., Directorate General of Health Services to the post of Editor (Hindi) in the same Bureau on an *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of the 25th October, 1979 and until further orders.

The 5th December 1979

No. A. 12026/34/77 (HQ) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Krishna Basra, Librarian Grade II in the National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Librarian Grade I in the same library on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 7th November, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHJALA  
Deputy Director Administration (O&M)

## (STORE I SECTION)

New Delhi, the 29th November 1979

No. A. 12026/22/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri C. Vittoba to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Govt. Medical Store Depot, Madras, with effect from the forenoon of 27th October, 1979, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

SHIV DAYAL  
Deputy Director of Administration (Stores)

New Delhi, the 4th December 1979

No. A. 19019/6/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) J. Sujatha to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on a temporary basis with effect from the forenoon of 12th March, 1979, until further orders.

N. N. GHOSI  
Dy. Director Admn. (CGHS)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPH DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POSTS & TELEGRAPHHS

New Delhi-110001, the 29th November, 1979

## NOTICE

No. 25-1/79-LI.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody, Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director Postal Life Insurance

Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

Sl. No.	Policy No. & Date	Name of the Insurant	Amount
1.	L-99207 dt. 15-2-78	2754960 L/NK Maruti Jadhav	Rs. 5,000/-
2.	L-43369 dt. 1-12-75	1565867 Spr. Gurdev Singh	Rs. 5,000/-
3.	L-80288 dt. 11-7-77	1276473 Gnr. Haribhans Mishra	Rs. 5,000/-
4.	L-54663 dt. 28-2-76	1454098 Spr. Kedar Singh	Rs. 5,000/-
5.	L-37416 dt. 31-1-76	6291416 Hav. V. Viswanathan	Rs. 5,000/-
6.	L-96277 dt. 1-6-77	Sep/NA Ram Nath Prasad	Rs. 5,000/-
7.	L-22099 dt. 30-11-75	NK Ram Byas Pandey	Rs. 5,000/-

S. C. JAIN  
Director (PLI)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd December 1979

No. A-19025/14/79-A. III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri S. D. Gaikwad, Senior Inspector, has been promoted to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 26-9-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/15/79-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Bhojraj Deorao Sherkar has been appointed to officiate as A.M.O. (Group I) in this Dte. at Nagpur w.e.f. 16-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/16/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Tapan Kumar Ghosh has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Calcutta w.e.f. 31-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/18/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Brahma Deo Sharma has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay w.e.f. 24th October, 1979 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/20/79-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Krishan Vil Singh Pundhir has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Dte. at New Delhi w.e.f. 12th October, 1979 (F.N.) until further orders.

No. A-19025/21/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Arjun Kumar Singh has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi w.e.f. 18-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A. 19025/22/79-A. III.—Shri Daram Raj Kishor Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing & Inspection at Faridabad, with effect from 16-11-1979 (F.N.) on short-term basis upto 31-12-79 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A-19025/23/79-A. III.—Shri A. Vishwakarma, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing & Inspection at Faridabad, with effect from 16-11-79 (F.N.) on short-term basis upto 31-12-79 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 4th December 1979

No. A-39013/1/79-A. III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him Shri Amal Kumar Das, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been relieved of his duties in this Directorate at Madras with effect from 29-10-79 (A.N.).

B. L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 28th November 1979

No. NAPP/Adm/1(163)/79-S/13145.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri P. P. Soni a permanent Assistant Foreman in Power Projects Engineering Division and presently officiating as Foreman in the Narora Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project with effect from the forenoon of 1-8-79, until further orders.

No. NAPP/Adm/1(165)/79-S/13161.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri H. K. Karwal, a permanent Draughtsman 'B' in the Central Pool of Power Projects Engineering Division and presently officiating as Draughtsman 'C' in the Narora Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project with effect from the forenoon of 1-8-79, until further orders.

S. KRISHNAN  
Administrative Officer  
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th November 1979

No. AMD-1/8/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Dr. B. K. Balaji, Scientific Assistant 'A' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 28th November 1979

No. 05052/79/6570.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Prasanta Kumar Panda, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6570.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Satish Rasiklal Desai, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SH) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6571.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gundepudi Gopala Krishnamurthy, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade

SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

R. C. KOTIANKAR  
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th November 1979

No. A-32013/7/78-EI.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on *ad-hoc* basis beyond 30-8-1979 and upto 31-12-1979 or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier, in continuation of this office Notification No. A-32013/7/78-EI, dated 24-11-1978.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 28th November 1979

No. 5/79.—Shri N. S. Mehta, Assistant Collector, Central Excise who was posted to Division Amravati of this Collectorate retired from Government service in the afternoon of 30-9-1979 on attaining the age of Superannuation.

K. SANKARARAMAN  
Collector

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th November 1979

No. 33/10/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Bakde, a nominee of U.P.S.C. as Architect in the CPWD against a temporary post on a pay of Rs. 1100/- p.m. in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 with effect from 16-10-79 on the usual terms and conditions.

2. Shri Bakde is placed on probation for a period of 2 years from his date of appointment as Architect.

No. 33/12/78-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Harish Chander a nominee of the U.P.S.C. as Assistant Architect in the CPWD against a temporary post on a pay of Rs. 650/- p.m. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-11-1979 on the usual terms and conditions.

2. He is placed on probation for a period of two years from the dates of his appointment as Assistant Architect as shown above.

3. He is posted in Senior Architect (NDZ), IV Unit, CPWD, New Delhi.

The 30th November 1979

No. 27/10/70-ECIX.—Shri Chand Narain S. Sharma, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November, 1979 (AN).

H. D. SINHA  
Dy. Director of Administration

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 27th November 1979

No. HPB/220/G/II/N.—The following officiating Assistant Signal and Telecommunication Engineers (Class II) are confirmed in that appointment from the dates shown against each :—

*Sr. No., Name & Date of confirmation*

1. Shri A. K. Sengupta—5-5-1976.
2. Shri A. Cardoso—26-10-1976.
3. T. N. Rao—17-11-1976.

KRISHAN CHANDRA  
General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 3rd December 1979

No. 17.—The resignation tendered by Suryshi K. Chib and R. Khosla officers of IRSME Department have been accepted by the Railway Board w.e.f. 31-5-1979 A.N.

R. K. NATESAN  
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Filterods Private Ltd.*

Bangalore, the 27th November 1979

No. 1941/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Filterods Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Carded Silvers Private Ltd.*

Bangalore, the 27th November 1979

No. 1940/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Carded Silvers Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore.

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956  
In the matter of M/s. Akal Corporation Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 8th November 1979

No. Co. Lign. 3728.—By an order dated the 28th May 1976 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Akal Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

C. R. MEHTA,  
Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Orient Insulations Private Ltd.*

Bombay, the 26th November 1979

No. 12196/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orient Insulations Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. L. MEENA  
Asst. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

**DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT  
SERVICES (INCOME TAX)**

New Delhi-110002, the 24th November 1979

F. No. 36/40/76-AD/DOMS/P11000.—Consequent on his *ad hoc* promotion, Shri P. S. Jain permanent Superintendent of the Directorate of O&MS(IT), New Delhi, has assumed the charge of the post of Addl. Assistant Director, Directorate of O&M Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. the forenoon of 17th November, 1979.

A. C. JAIN  
Director

**INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL**

Bombay-400020, the 22nd November 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment

in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Niranjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar, on *ad hoc* basis for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Niranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bonibay Benches, Bombay on *ad hoc* basis for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bonibay Benches, Bombay on *ad hoc* basis for a further period from 1-9-1979 to 18-10-1979 (A.N.)

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

The 27th November 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shri A. Ramachandran, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal in the same Benches on regular basis (against promotion quota) with effect from 17-11-79 (afternoon) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—1B—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

Shri A. Ramachandran will be on probation for two years with effect from 17-11-1979 (afternoon).

D. RANGASWAMY  
President

## FORM ITNS

(1) I. Munis Husseini Varawalla 2. Mrs. Sirin Munis  
Varawalla.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Dr. Rusi D. Umrigar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1979

Ref. No. AR-I/4199-5/May 79.—Whereas I. V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 94 of Colaba Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/1805/78 and as registered on 11-5-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 3-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Ms. D.L.F. United Limited, 21, 22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Oriental Fire & General Insurance Company Limited, A-25/27, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK.

Rohtak, the 5th December 1979

Ref. No. BGR/DLI/37/78-79.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. property known as 'HOLIDAY INN' and its adjoining cottage at block 'A' in sector 11, Faridabad, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . . .

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property known as 'HOLIDAY INN' and its adjoining cottage at Block 'A' in sector 11, Faridabad and as mentioned more in details in the sale deed registered with the Registering Authority Delhi vide registration No. 146 dated 28-3-1979.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date : 5-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jitendra Kumar

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi.

(Transferee)

(3) Seller &amp; tenants

1. Anil Kumar Varma
2. Rafeeq Ahmad
3. Mahendra Kumar Varma
4. Manager Shree Gandhi Ashram
5. Mohd. Ismail
6. Genda Ram

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
57. RAMTIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1979

Ref. No. V-42/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house including building, shops & land situated at Bazar Chowk, Najibabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Najibabad on 27-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One house including building, shops & land situate at Bazar Chowk, Najibabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1037/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Najibabad on 27-6-1979.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
19—376GT/79

Date : 16-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 15th September 1979

C.R. No. 62 23341/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P.

RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 151, 4th cross, Cambridge layout, situated at Ulsoor Bangalore, 8 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore 8 Doc. No. 3356/78-79 on 5-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Pappammal, w/o late S. Sham.  
(2) Sri S. Loganathan.  
(3) Shri S. Chandrasekhar.  
(4) Shri S. Natarajan.  
Children of Late S. Sham.  
All residing at No. 151, 4th cross, Cambridge layout, Someswarapura, Ulsoor, Bangalore, 8.  
(Transferor)
2. (2) Jayam Govindaiah.  
(2) I. Ramachandraniah.  
Sons of late Perumalaiah, both residing at No. 20, Nandanavanam, G. St. cross, Ulsoor, B'Lore, 8 No. 151, 4th Cross, Cambridge layout, Ulsoor, Bangalore, 8.  
(Transferee)
3. (1) Varghese.  
(2) Ramesh.  
(3) Vasudevan.  
(Person(s) in occupation of the property).
- (4) Karunakar.  
(2) N. V. Ranganath.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 3356/78-79, dated 5-3-1979.  
No. 151, 4th cross, Cambridge layout, now called as Someswarapura, Ulsoor, Bangalore, 8.

Boundaries;

East : Road.

West : site. No. 142.

North : site. No. 150 and

South : site. No. 152.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 15-9-1979.

Seal :

**FORM ITNS** \_\_\_\_\_

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.**

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23319/79-80/Acq. B.—Whereas I, P.  
RANGANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 1029/26,  
situated at 1st Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at Rajajinagar, Bangalore, D.O.C. No. 5359/78-79 on 26.3.1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(1) Shri C. Shamauna,  
No. 9, "Veda" Temple Street,  
Jayalakshmipuram, Mysore-12.

(Transferor)

(2) Sri T. V. Chalamiah,  
Smt. Sharadamma, W/o. Sri Chalamiah,  
No. 1029/26, 1st Main, IV Block,  
Rajajinagar, Bangalore 560 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5359/78-79 dated 26-3-1979)

House property bearing No. 1029/26, situated at 1st Main,  
IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

### Boundaries :

North : Property No. 1028  
South : Property No. 1030  
East : 80' Road,  
West : Conservancy.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### Inspecting Assistant

Date : 4-10-1979

Scal

Now, I b.  
Act, I b.  
affrossed  
section (1)  
persons, name

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23438/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at East Anjaneya Temple Street, Basavanagudi, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 4323/78-79 on 23-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act to the following

1y :—

(1) 1. R. S. Jayashankar,  
2. R. J. Sriramchandra  
3. R. J. Suchindra  
4. R. J. Datta  
Minors, Reptd. by father  
Shri R. S. Jayashankar,  
All residing at No. 16(21) Appajappa Agrahara,  
Chamrajpet, Bangalore-560016.

(Transferor)

(2) Shri D. K. Vittal,  
No. 34, II Main Road,  
Gavipuram Extn.,  
Bangalore-560 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4323/78-79 dated 23-3-1979)  
Vacant site No. 48, East Anjaneya Temple Street,  
Basavanagudi, Bangalore-560 004.

## Boundaries :

North : Srinivasa Iyengar's property.  
South : Sri Settis property.  
East : Conservancy Lane  
West : East Anjaneya Temple Street.

P. RANGANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 4-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. B. Doraiswamy Naidu s/o Rahavalu Naidu.  
No. 34, II Cross. Journalist Colony.  
Bangalore. 2.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Peddappa s/o Muniswamy Naidu.  
No. 4, Mavalli Tank Bund Road, Bangalore. 4.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23439/79-80-Acq/B.—Whereas I. P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/27.

situated at Mavalli, Tank Bund road, Bangalore Dn. No. 39, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Doc. No. 4307/78-79. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4307/78-79, dated 22-3-1979)  
House property being vacant land corpn. No. 14/27, Tank Bund road Bangalore.

Bounded by :—  
North : Property No. 7.  
South : Site No. 5.  
East : Drain.  
West : Tank Bund road.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Veera Kyathaiah. No. 852, Mahalaxmi layout, Bangalore.

(Transferor)

(1) Smt. G. Shayamala. No. 5.9th Main, 4th Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bangalore-560001, the 11th October 1979

C.R. No. 62/23263/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 822, situated at Mahalaxmi layout, 3rd cross. West of Chord road, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore. Doc. No. 5202/78-79. on 8-3-79. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5202/78-79. dated 8-3-79). House property being No. 822/87, situated at 13th cross, Mahalaxmi layout, West of chord road, Bangalore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri K. S. Chandrasekhar, Arsikere, Hassan District.  
(Transferor)(2) Shri K. V. Niranjan 105, Palace Guttahalli, Bangalore.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 12th October 1979

C.R. No. 62/23493/79-80/Acq./B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105 situated at Seshadripuram road, Palace Guttahalli, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 4456 on 30-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4456/79-80, dated 30-3-79).  
Portion of house property bearing No. 105, Seshadripuram road, Palace Guttahalli, Bangalore.

P. RANGANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 16th October 1979

C.R. No. 62/23904/79-80/Acq/B.—Whereas I. P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Premises bearing No. 141, situated at D. V. G. Rad, Basavanagudi, B'llore-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi B'llore-4, Doc. No. 4040/78-79. on 5-3-1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri L. Viswanathachar,  
S/o B. K. Lingarchar, No. 141, D. V. G. Road,  
Basavanagudi, B'llore-4.  
(Transferor)

(2) 1. T. K. Achar, Retd. Police Sub Inspector,  
2. T. Ramalingachar,  
3. T. Chandrasekhar, Proprietor of Sri Thandavewara Opticians",  
Sons of B. K. Thandavachar,  
All residing at No. 10, D.V.G. Road, Basavanagudi, B'llore-4. or 141, D.V.G. Road, B'Gudi, B'llore-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 4040/78-79. dated 5-3-79.)  
Portion of premises bearing No. 141, D.V.G. Road, Basavanagudi, B'llore-4.

## Boundaries :

East : D.V.G. Road & Smt. Krishnamma's site,  
West : Conservancy,  
North : Premises bearing No. 9, of Smt. Nagamma and  
South : Premises bearing No. 11 of Sri Rangaswamy.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 16th October 1979

C.R. No. 62/23550/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Sadarpathrappa Road, B'lore. (and more and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore Doc. No. 4098/78-79 on 1-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

—376GI/79

(1) 1. Smt. Saroja Bai, D/o Late Selvanambi Naidu,  
2. Sri P. D. Cheluvvaraj, S/o Saroja Bai,  
3. C. Hasmukhlal Minor, Father Chainraj Lal,  
R/o No. 127/2, Seppings Road, Bangalore.  
(Transferor)

(2) 1. Sri Kushalaraj, S/o Maniklal,  
2. P. Vinod Kumar, Minor Father M. Bhavar Lal,  
3. C. Hasmukhlal Minor, Father Chainraj Lal,  
4. J. Amith Kumar Minor, Father Jawahar Lal,  
No. 38, Sadarpathrappa Road, B'lore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 4089/78-79, dated 1-3-1979)  
House property bearing No. 38 (New), Old No. 100, situated at Sadarpathrappa Road, B'lore.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Dated : 16-10-79.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 23rd October 1979

Ref. No. AP No. 62/23551/79-80/Acq./B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Kempegowda Road, Bangalore-560 009 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 4075/78-79 on 2-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nillesh H. Patel,  
2. Ajay H. Patel,  
3. Rajesh H. Patel,  
4. Sumitaben H. Patel  
(5) Taraben R. Patel

All residing at No. 105, Ananda Rao Extn, Gandhinagar Bangalore-560009.

(Transferor)

- (2) M/S Trimurthi Enterprises,  
M.G. Road, Chickmagaloor,  
(Reptd. by its partner Sri M. N. Sathyam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4075/78-79, dated 2-3-1979  
Commercial property bearing New No. 8 and Old No. 4  
known as "PRABHAT TALKIES" situated at Kempegowda Road, Bangalore-9.

Boundaries :  
East : Property of FKCCI  
West : Cross Road,  
North : Kempegowda Road,  
South : Menaka Theatre.

P. RANGANATHAN  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 23-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chandulal Rajpar,  
Grain Market,  
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Amratlal Shah,  
"Mahendra Niketan", Vajipura,  
Digvijay Plot No. 45,  
Jamnagar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 30th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2305(875)/10-1/79-80.—Whereas J. S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4/1, Plot No. 3 situated at Udhayognagar Road behind Summer Club Road, Jamnagar.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 15-3-1979

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration it is that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Open land bearing S. No. 4/1/1, Plot No. 3, admeasuring "5550-03" sq. ft. situated at Main Udhayognagar Road, behind Summer Club Road, Jamnagar, duly registered by Registering Officer, Jamnagar, vide sale-deed No. 507/15-3-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 30-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
ACQUISITION RANGE-I,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2482(877)/I-1/79-80.—  
 Whereas I, S. C. PARIKH,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 48, 77, F.P. No. 744-745 Plot No. 4-B, 4-C of T.P.S. 3 situated at Chhadavad, City Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tarulata Indulal Patel,  
Netaji Subhas Road,  
Ellisbridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nimisha Apartment Co. Op. Housing Society Ltd,  
1130-L, Lalbhaini Pole,  
Cirdharbhaino Khancho,  
Mandivini Pole,  
Ahmedabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 847 sq. yds. bearing R.S. No. 48, 77, F.P. No. 744, 745 Plot No. 4-B, 4-C of T.P.S. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2328 dt 15-3-1979.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Date : 5-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. The Saurashtra Oil Mills Co.,  
through : Managing partner Shri Vithaldas Nathubhai Patel Nawagadh, via. Jetpur.  
(Transferor)

(2) Well Print Processors,  
through : Managing Partner  
Shri Natwerlal Juthalal Patel,  
Jin Plot, Nawagadh,  
Jetpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2213(878)/16-3/79-80.—  
Whereas I, S. C. PARIKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000 and bearing  
No. Open plot at Nawagadh known as Jin Plot situated at  
Nawagadh, Jetpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jetpur on 5-3-1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3000 sq. yds. known  
as Jin Plot situated at Nawagadh, Jetpur and as fully described  
in the sale-deed registered vide R. No. 403 dt. 5-3-79.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Aboti Natha Harbham Ranavav.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Unijay Engineering Co.,  
Chhaya Plot,  
Porbandar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. Acq 23-I-2188(881)/11-4/79-80.—  
 Whereas I, S. C. PARIKH,  
 being the Competent Authority under Section 269-B  
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing  
 No. S. No. 400/4 situated at Ranavav, Porbandar.  
 (and more fully described in the  
 Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Porbandar on 27-3-1979,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 42713 sq. yds. bearing S. No. 400/4, situated at Ranavav, Porbandar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 1055 dt. 27-3-1979 by the Registering Officer, Porbandar.

S. C. PARIKH  
 Competent Authority  
 Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I,  
 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2302(882)/10-3/79-80.—  
 Whereas I, S. C. PARIKH,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. S. No. 10, Plot Nos. 1 to 34 situated at Dhrol, Dhrol  
 Taluka, Dist.  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the  
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
 Registering Officer  
 at Jodia on 28-3-1979,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of  
 the aforesaid property and I have reason to believe that the  
 fair market value of the property as aforesaid exceeds the  
 apparent consideration therefor by more than fifteen per cent  
 of such apparent consideration and that the consideration  
 for such transfer as agreed to between the parties has not  
 been truly stated in the said instrument of transfer with the  
 object of :—

(1) Patel Gordhan Vasram and  
 Patel Anand Vasram  
 Khambhalia,  
 Tal. Dhrol.

(Transferor)

(2) Patel Bhanaji Ladhabhai  
 President of  
 Shri Umiya Co-op. Housing Society Ltd.,  
 Dhrol,  
 Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30  
 days from the service of notice on the respective  
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of publication  
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

An open plot of land adm. 164621 sq. ft. bearing S. No.  
 10, plot Nos. 1 to 34, situated at Dhrol, Dist. Jamnagar and  
 as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 210  
 dated 28-3-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I,  
 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the Said Act to the following  
 persons, namely :—

Date : 5-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Patel Kishorkumar Narottamdas Zalavadiya  
Bolkapa; Zalavadiyani Delhi  
Upleta.

(Transferor)

(2) Shri Nathalal Narsinhbhai Manakadiya  
President of Shri Gitanjali Co. Op. House Society  
Ltd. Nawapura,  
Upleta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2419.6.0 sq. yds. bearing S. No. 316 Paiki Plot Nos. 4 to 8, situated at Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 392 dated 29-3-1979.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 5-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Lallubhai Chhitabhai Patel;  
P. A. Holder, Naginbhai Lallubhai,  
Siker, Taluka Valod.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kashiben Zaverbhai;  
Parvatiben Raochhodhbhai;  
Amratlal Dayaram;  
Bardoli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. 811/Acq 23/1432/19-1/79-80—  
Whereas I, S. C. PARIKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 275 situated at Bardoli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on 22-3-1979  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 275, situated at Bardoli, Dist. Surat duly registered under No. 819 dated 22-3-1979 at Bardoli.

money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
21—376GI/79

Date : 5-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Khursidbapu Kavasji Wd/of Kavasji Dinshaji Dastur;  
 2. Dinshaji Kavasji Dastur;  
 2. Jamsedji Kavasji Dastur;  
 P. A. Holder Shri Armasha Maneksha Kapadia,  
 Broach.  
 3. Shrinbanu Jal Dastur, Poona.

(Transferor)

(2) M/s. Hirachand Zaverchand;  
 Station Road, Bardoli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II  
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th November 1979

Ref. No. P.R. No. 813 Acq.23-12-1359/19-1/78-79.—  
 Whereas I, S. C. PARIKH,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Revenue Survey No. 189A and B, 217A & B and 513  
 situated at Station Road, Bardoli,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Bardoli on 7-3-1979,  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
 or any moneys or other assets which have  
 not been or which ought to be disclosed by the  
 transferee for the purposes of the Indian Income-  
 tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under  
 sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
 following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Revenue Survey No. 189A  
 and B, 217A, B and 513 situated at Station Road, Bardoli,  
 duly registered on 7-3-1979 at Bardoli under Registration  
 No. 793.

S. C. PARIKH,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-II,  
 Ahmedabad.

Dated : 12-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagannath A. Naidu,  
6/C, Karpagambal Nagar,  
Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. A. R. Builders,  
84, Sydenhams Road,  
Madras-7.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th September 1979

Ref. No. 92/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1090, situated at Poonamallee High Road, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SRO Periamet, Madras (Doc. 221/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 221/79 SRO Periamet, Madras.

Vacant site with front side compound wall Door No. 1090,  
Poonamallee High Road, Madras-7.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th October 1979

Ref. No. 19/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Nehruji Nagar, Dindigul. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SRO Dindigul (Doc. No. 153/79) on March 1979 at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. T. Lakshmi Ammal  
W/o Shri N. P. Thirumalaisamy Chettiar.  
2. Shri T. Subramaniam  
S/o Shri N. P. Thirumalaisamy Chettiar.  
3. Smt. A. Thilagavathy,  
W/o Shri G. Angusamy.  
No. 87, East Govindapuram,  
Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramachandran,  
S/o Shri P. P. Kamachi Chettiar,  
Gandhi Gramma, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 153/79 SRO Dindigul  
Land and Buildings at Door No. 14, Nehruji Nagar, Dindigul.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006

Date : 4-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. Balakrishnan,  
23, Pandia Nagar,  
Dindigul.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. S. Raju,  
No. 18, Nehruji Nagar,  
Dindigul.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Document No. 598/79 SRO Nagalnaickenpatti, Dindigul  
Land and Buildings—Door No. 9 to 16, Railway Station Road, Dindigul.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 25/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 108, situated at East Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO III Palace Road, Madurai (Doc. No. 617/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. K. Shankar,  
S/o Ramia S. Kumarasamy Iyer,  
Cloth Merchant,  
29, Lakshmiapuram II Street,  
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri O. M. S. S. Sundara Mahalingam,  
7, Navabathkuna Street,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 617/79 JSRO III, Madurai  
Land and Buildings at Door No. 108, East Perumal Maistry Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM: ITNS

(1) The Salem Diocese Society, Salem represented by the Chairman The Most Reverend Dr. Michael B. Duraisamy, Bishop of Salem, Bishops House, Salem.

(Transferor)

(2) Dr. S. Kasthuri, 4-E, Gandhi Road, Salem.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME TAX**  
**ACQUISITION RANGE-I**  
**MADRAS-600006**

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 43/MARCH/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 31, situated at Kamakadu Village, Yercaud Taluk, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO I Salem (Doc. No. 1518/78) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1518/79 JSRO I, Salem  
 Agricultural lands in S. No. 31 with buildings at Kamakadu Village, Yercaud Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM  
 Competent Authority  
 (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),  
 Acquisition Range-I,  
 Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri A. M. Subramania Mudaliar, S. Santha Bai and T. Kasthuribai Kutchery Road, Arcot.  
(Transferor)

(2) Smt. M. Sajjan Bai, W/o Shri R. Mohanlal 28, Kosath Theru Street, Arcot.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 16/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77A & 78 situated at Seetharama Iyer Street, Arcot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO ARCOT (Doc. No. 558/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 558/79 SRO Arcot.

Land and Buildings at Door No. 77A and 78, Seetharama Iyer Street, Arcot.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Kevi Saw Mills, No. 1-A, Yercaud Main Road, Gorimedu, Salem-8.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. RM Nachammai, W/o Shri PL Ramanathan Chettiar, Vasantham Buildings, Junction Road, Salem-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 40/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 33, situated at Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Doc. No. 58/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.\*

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 58/79 SHO Yercaud.

Lands at Survey No. 33—Acres—24, at Athiyur Village, Shevroy Hills, ercaud Taluk.

O. ANANDARA  
Competent Authori  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-T:  
Acquisition Range-I, Madras-60006

Date : 7-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 11/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value of Rs. 25,000/- and bearing S. No. 119/1 situated at Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at SRO Sankaridrug (Doc. No. 274/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) 1. Smt. Pavayee.  
2. K. Sellappa Gounder.  
3. Palaniammal.  
4. Minor Kantha Rukmani and  
5. Shri Chandrasekaran Kanakkankadu, Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem Dt.  
(Transferor)

(2) Shri K. Athappa Gounder and Shri Ramasamy Kanakkan Kadu, Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 274/79 SRO, Sankaridrug.

Agricultural lands in S. No. 119/1, 118/1, 118/4, and 5 in Kasthuripatti Village, Sankagiri Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 39/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 61 situated at Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Doc. No. 57/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Kevi Saw Mills, No. 1A, Yercaud Main Road, Golimedu, Salem-8.  
(Transferor)

(2) Shri V. R. Subramanian and Shri V. R. Narayanan, Sons of Shri SP. M. N. Vicerappa Chettiar, No. 3, Muthoorani East Street, Karaikudi, Ramnad Dt.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Document No. 57/79 SRO Yercaud.

Lands at S. No. 61—Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud, Taluk.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Ramachandran, S/o P. P. Kamatchi Chettiar, Gandhi Gram, Dindigul.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. T. Lakshmi Ammal, W/o N. P. Thirumalaisamy Chettiar,  
2. T. Subramaniam, S/o N. P. Thirumalaisamy.  
3. Smt. G. Jayabharathi, W/o T. Gopal.  
4. Smt. A. Thilagavathy, W/o G. Angusamy.  
87, East Govindapuram Dindigul.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 19/MAR/79.—Whereas, I,  
O. ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. 14, situated at Ward II, Nehru Nagar, Dindigul,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
SRO Dindigul (Doc. No. 153/79) in March 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 153/79 SRO Dindigul.

Land and Buildings at Door No. 14, Ward No. II, Nehru Nagar, Dindigul.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Karpagambal Mills Ltd., Sholapuram South, Rajapalayam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 20/MAR/79.—Whereas, I,  
**O. ANANDARAM,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),  
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. N. 317 and 312-A situated at "Wychool" Ward No. VI, Kodaikanal,  
 (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 98/79) in March 1979,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karpagambal Mills Ltd., Sholapuram South, Rajapalayam.  
 (2) Shri N. K. S. Rengeswaran, S/o Shri N. K. Sannasi Gounder, Komayagoundenpatti, Uthamapalayam Taluk.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 98/79 SRO Kodaikanal.

Land and Buildings in S. No. 317 and 312-A, "Wychood", Ward VI, Kodaikanal.

**O. ANANDARAM**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 7-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 49/MARCH/79.—Whereas, I,  
O. ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 57, 58, 58B and 58-C situated at Ariznar Anna Street,  
Rasipuram,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
SRO Rasipuram (Doc. No. 467/79) in March 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

(1) 1. Shri A. W. Samuel, Managing Trustee, Ima  
Bulgornbel Mission, Mission, Rasipuram To-  
2. O. Muthukrishnan, Udayar Saliar Street, Rasipuram.  
3. V. Krishnammal, Muthukrishna Saliar St  
Rasipuram.

(Transfe

(2) Shri V. K. R. Thirupathy Chettiar, S/o Shri  
Ramasamy Chettiar, No. 1, Koneriar Sabapathy 1  
Street, Rasipuram Town, Salem District.

(Transfe

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 467/79 SRO Rasipuram

Land and Buildings at Door No. 57, 58, 58B and 58-C  
Ariznar Anna Street, Rasipuram, Salem Dt.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-60006

Date : 7-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri K. R. Namasivayam, S/o Shri K. M. Raja Gounder, West Madavilagam, Karur, Trichy Taluk.  
(Transferor)

(2) Smt. Marayammal, W/o Shri Periasamy, 109-B, Salem Road, Namakkal, Salem Dt.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 48/MARCH/79.—Whereas, I,  
ANANDARAM,  
as the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
reinforcing referred to as the 'said Act'), have reason to  
eve that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

44 situated at Co-op. Colony, Gandhinagar, Namakkal,  
as more fully described in the Schedule annexed hereto),  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
8) in the office of the Registering Officer at  
O I Namakkal (Doc. No. 196/79) in March 1979,  
an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
eve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
ten per cent of such apparent consideration and that  
consideration for such transfer as agreed to between  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
foresaid property by the issue of this notice under sub-  
-in (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ers persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 196/79 JSRO I, Namakkal.

Land and Buildings at Door No. 44, Co-op. Colony Street,  
Gandhinagar, Namakkal.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Neela Subramanian, W/o Shri R. V. Subramanian, 'Suvashini' Door No. 50, 30th Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-560011.  
(Transferor)

(2) Shri K. Sambandam and Shri K. S. Mailvahanan, No. 6, Town Hall Road, Madurai.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 52/MARCH/79.—Whereas, I,  
O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 situated at Town Hall Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. 526/79), in March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 526/79 SRO Pudumandapam, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 6, Town Hall Road, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 7-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. R. Pappammal, and  
2. Minor Raja @ Sathiababu by guardian  
Smt. R. Rappammal, No. 40, Vellaimaligai Street,  
Theni.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 54/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 540/1, situated at Vellaimaligai Street, Allinagaram, Theni. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Periakulam (Doc. No. 237/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri R. Ramadoss,  
Shri R. Ganesan,  
Shri R. Raja,  
Shri R. Balasubramaniam.  
Sons of Shri V. Ramasamy Thevar, THENI.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 237/79 SRO Periakulam.

Land & Buildings at S.No. 540/1, Vellaimaligai Street, Allinagaram, Theni.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-60000

Date : 6-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—376 GL/79

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Srinivasan,  
No. 14-B, Arunachala Sastry Street,  
Sholingapuram, N.A. Dt.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Velu Mudaliar and  
Smt. Saraswathiammal,  
Bordianpet Street, Sholingapuram,  
North Arcot Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 37/MAR/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.No. 945/1, situated at Sholingapuram Town. N.A. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sholingur (Doc. No. 584-I.16/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 584/I/16/79 SRO Sholingur.

Land &amp; Buildings at S.No. 945/1, Sholingapuram Town, North Arcot Dist.

O. ANANDARAM.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Srinivasan,  
No. 14-B, Arunachala Sastri Street,  
Sholingapuram, N.A. Dt.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Velu Mudaliar, ..  
Bordianpet Street,  
Sholingapuram, N.A. Dt.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 38/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

S.No. 945/1 situated at Sholingapuram, N.A. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sholingapuram (Doc. No. 584-1.15/79 on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 584-1/15/79 SRO Solingur.

Land &amp; Buildings at S.No. 945/1, Sholingapuram Town, North Arcot District.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 55/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No. 737 situated at T.H. Road, Tondiarpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram (Doc. No. 452/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Nagarathnammal,  
W/o Shri Jagannatha Reddy &  
2. Smt. Sudha Padmavathi,  
W/o Balachandra Babu,  
Minjur Village, Chingleput Dist.

(Transferor)

(2) Shri G. Kalanidhi,  
No. 8, Singara Garden, 7th Lane,  
Madras-600021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Document No. 452/79, S.R.O. Royapuram,

Land &amp; Buildings at Door No. 737, T.H. Road, Tondiarpet, Madras-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) 1. Smt. Shantidevi Mehta,  
2. Shri B. Arunkumar Metha  
by power agent Shri B. Gouthamchand Metha,  
4, Veerappan Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Hemraj Surana,  
2. Smt. Rukmadevi,  
No. 1, Murugappan Street, Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 84/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24 situated at Kandappa Mudali Street, Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 174/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Document No. 174/79 SRO Sowcarpet, Madras.

I and &amp; Buildings at Door No. 24, Kandappa Mudali Street, Madras-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Gokalchand Mehta,  
2. Shri B. Gouthamchand Mehta,  
No. 4, Veerappan Street, Madras-1.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Hemraj Surana,  
2. Smt. Rukmadevi,  
No. 1, Murugappan Street, Madras-1.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 83/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at Kandappa Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 175/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 175/79 S.R.O. Sowcarpet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 24, Kandappa Mudali Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th October 1979

Ref. No. 10084.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20/261, 1.2 situated at Vysial/Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 720/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. R. Narendran,  
S/o. C. M. Rishikesh Mudaliar,  
30, G. S. Colony, Ganapathy Nagar,  
Teynampet, Madras.

(Transferee)

(2) S. Naratarajan, S. Sakthivel S. Mohanraj  
S/o. Subbaiya Mudaliar, 24/2, Uppithottai  
Gounder Lane, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 20/261, 1.2 Vysial/Oppanakara St., Coimbatore.  
(Doc. No. 720/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) R. Ayyavoo S/o Rangaswamy,  
A1, Cheran Nagar, Mettupalayam Road,  
Coimbatore-29.  
(Transferor)

(2) Suguna-S, No. 16, Bashyakaralu Road (West) R. S.  
Putam, Coimbatore-2.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10082.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Site No. 8 situated at G. D. Naidu St., Puliakulam Village, Coimbatore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1081/79) on March 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 8, G. D. Naidu St., Puliakulam Coimbatore in extent of 7975 sq. ft.

(Doc. No. 1081/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) K. N. Venkatakrishnan 59, 11C Colony Industrial Estate (PO) Kunichi Coimbatore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. C. Moideen, 193, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10136.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 4 situated at West Venkataswamy Road RS Puram Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 833/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 4, West Venkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Doc. No. 833/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 31-10-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

24—376 GI/79

## FORM ITNS

(1) K. Thangavelu, 52, Trichy Road, Coimbatore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10139.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/33, 34 & 42 situated at Periakadalai St., Uppukinar Lane, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1149/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M. Murugan, 22/24, Rangey gounder St., Palijavar Lane, Coimbatore.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 22/33, 34 & 42, Periakadalai St., Uppukinar Lane, Coimbatore.

(Doc. No. 1149/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10094.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G.S. No. 489 situated at Velankurichi Village Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1128/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) G. V. Dordiswamy Naidu S/o, P. S. G. Venkataswamy Naidu, 2, Avanashi Road, Peelamedu, Sowripalayam Coimbatore Tk. (Transferee)

(2) Sri Varadaraja Textiles (P) Ltd. No. 2, Avanashi Road Peelamedu Coimbatore Tk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at G.S. No. 489 Velankurichi Village Coimbatore Tk.  
(Doc. No. 1128/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 31-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout, No. 1 "B" Block Coimbatore 14.  
(Transferor)

(2) P. Ramadoss, Spinning Master, Rajalakshmi Mills, Singanallur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10093.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

G. S. No. 499/J Velankurichi situated at G.S. No. 273/1, B, 2,3, 274/2, B, 3.A, and 275 Part (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 887/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Velankurichi and Uppilipalayam (Doc. No. 887/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 2-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) S. Jayachandran (Alias) Sri Venkatachalamurthy  
S/o. T. Srinivasulu Naidu, Odanthurai.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10132.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Odanthurai Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 458/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Lands at Odanthurai Village.

(Doc. No. 458/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Madras-600006.

Date : 2-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II,  
 MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10122.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/26, Rekha, situated at Tatabad, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 952/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri K. R. Ramachandran,  
 Kastur Kunj,  
 Bhalachandra Road, Matunga,  
 Bombay-400019.

(Transferor)

(2) Shri R. Muthukumaran,  
 97, 2nd St. Gandhipuram,  
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192<sup>nd</sup> (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 11/477, Tatabad, Coimbatore. (Doc. No. 952/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-II,  
 Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 2-11-79

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri C. V. Krishnaiah,  
2, Kamatchi Nagar,  
Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Narayanan,  
2, Kamatchi Nagar,  
Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th October 1979

Ref. No. 7069.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Kamakshi Nagar, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 492/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 2, Kamakshi Nagar, Alwarpet, 18. (Doc. No. 492/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1979

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 8522.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thukkampalaya St., Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 502/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) V. Gopalayyar,  
33, Annanagar Kumbakonam,  
By Power of Attorney Agent M. M. Rafi.  
(Transferor)

(2) Bappu Ammal,  
Thukkampalaya St.,  
Kumbakonam.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Thukkampalayam St., Kumbakonam in extent 5720 sq. ft. (Doc. No. 502/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Date : 5-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 8522.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thukkampalaya St., Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 503/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—376GI/79

(1) V. Gopalayyar,  
Annanagar Kumbakonam,  
By Power of Attorney holder M. M. Rafi.  
(Transferor)

(2) A.K.P. Palani Ammal,  
Thukkampalaya St.,  
Kumbakonam.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Thukkampalaya St., Kumbakonam (Doc. No. 503/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II  
MADRAS-600006

Date : 5-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th November 1979

Ref. No. 7090.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20A situated at South Boag Road New No. 1, Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 355/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Kalavathy,  
20A, Boag Road, New No. 1,  
Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17,  
Rep. by R. Sachithanantham Pillai.  
(Transferor)

(2) Kum. R. Jayaprada,  
20, Third Cross St., Lake Area,  
Madras-34.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at No. 1, Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17.

(Doc. No. 355/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. N. P. Mustafa Bilgen,  
206, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nafisa Enterprises,  
206, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th November 1979

Ref. No. 7033.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 206, Lloyds Road, situated at Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North (Doc. No. 803/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 206, Lloyds Road, Madras-86 (Part).

(Doc. No. 803/79)

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1979

Ref. No. 31/MAP/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, 28A & 28B situated at Theppakulam Street, Trichengode, Salem Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1963) in the office of the Registering Officer at Trichengode (S.R.O. No. 610/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. Somasundaram  
2. Shri N. Sadayappan  
3. Shri S. A. Nandakumar (minor)  
4. Shri S. A. Praburam (minor)  
By guardian Shri N. Somasundaram  
5. Minor S. Sangeethapriya  
By Guardian Shri N. Sadayappan.  
Neykarapatti, T. Kailasampalayam,  
Trichengode.

(Transferor)

- (2) Shri N. Muthusamy,  
S/o Shri Nalla Gounder,  
Pudupulampatti Village,  
Trichengode Taluk, Salem District.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 610/79 SRO, Trichengode.

Land &amp; Buildings at Door No. 28, 28A, 28B Theppakulam Street, Trichengode.

O. ANANDARAM,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Ayyadurai Nadar, 433, George Street, Tuticorin.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. A. Dhanraj, S/o Shri S. Asirvatha Nadar, 194, Melashanmugapuram 1st Street, Tuticorin.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS

Madras-600006, the 10th November 1979

Ref. No. 71/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 433, 434, 435, 436 & 437 situated at George Street, Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSCO I Tuticorin (Doc. No. 645/79, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 645/79 ISRO I, Tuticorin.

Land and Buildings at Door No. 433, 434, 435, 436 and 437, George Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

## MADRAS

Madras-600006, the 10th November 1979

Ref. No. 72/MAR/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 428, 429, 430, 431 and 432 situated at George Street, Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Tuticorin (Doc. No. 646/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Ayyadurai Nadar, 433, George Street, Tuticorin.  
(Transferor)

(2) Shri S. Ramajeyam, S/o Shri Shanmuga Nadar, 193, Sivandharkulam Road, Tuticorin.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 646/79 JSRO I, Tuticorin.

Land and Building at Door No. 428, 429, 430, 431 and 432, George Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 10-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 12th November 1979

Ref. No. 103/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 87, situated at Govindappa Naicken Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 191/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. Venkateswaralu,  
2. Dr. P. Jaikumar,  
3. Shri P. Rajkumar,  
4. Shri P. Badrinath,  
59, Pidariar Koil Street, Madras-1.
- 5. Shri P. Krishnamoorthy,  
6. Shri P. Satyanarayana,  
27, Govindappa Naick Street, Madras-1.
- 7. Shri P. Audinarayana,  
31/1, St. Xavier Street, Madras-1.
- 8. P. Ethiraj (minor),  
9. P. Seshayya (minor),  
represented by guardian and mother Mrs. P. Vanaja, No. 14, Acaharappan Street, Madras-1.
- 11. P. Ranganatham.
- 12. P. Ranganatham,  
Door No. 61, Thatha Muthiappan Street, Madras-1.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Umraobai, W/o Shri Pukraj, J. Jain  
2. Pawan Bai, W/o Shri Pukraj, J. Jain. No. 87, Govindappa Naick Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Doc. No. 191/79 SRO, Sowcarpet, Madras.

Land and Buildings at Door No. 87, Govindappa Naick Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) S. Leela Rani 60/9, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharadkumar C. Shah, 2, Ramakrishna St., Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 13th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 7101.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ascot, 6, situated at Harleys Road, Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 327/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 6, Harleys Road, Madras.  
(Doc. No. 327/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Mrs. Ganga Bai, Mrs. Krishna Bai, Mrs. Kamakshi Bai, Mrs. Sarada Bai, Mrs. Sampoorni Bai, Mrs. Kalyani Bai and Mr. Chandrasekar Tawker Manjula 29, Ekambareswarar Agharam, Madras-3.

(Transferor)

(2) Jayantilal K. Shah, Mrs. Leelavati J. Shah, Bharat-kumar J. Shah, Narendra J. Shah, Deepak J. Shah and Prakash J. Shah 744, P. H. Road, Madras-10.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II**

Madras-600006, the 9th November 1979

Ref. No. 7103.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36, Barnaby Road situated at Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 470/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—376GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building at No. 36, Barnaby Road, Madras. (Doc. No. 470/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) V. S. Saradha Balu, 36, Srinagar Colony, Saidapet, Madras.  
(Transferor)

(2) Mrs. Husara Khatoor Shameen Ahamed 119, Chameers Road, Madras-35.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 9th November 1979

Ref. No. 7044.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 36, Srinagar Colony situated at Saidapet, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 747/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 36, Srinagar Colony Madras. (Doc. No. 747/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 9-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) T. V. Doraiswamy Naidu 75, Cathedrawal Road, Madras-86.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sukavani Bakthavatchalam 26, Brahmin St., Krishnapuram Ambur N.A.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 13th November 1979

Ref. No. 7054.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75, situated at Cathedral Road, Madras-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mylapore (Doc. No. 403/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land and building at 75, Cathedral Road, Madras-86. (Doc. No. 403/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Gold Seed Farm rep. by K. Palaniappan, Shakuntala Pullanviduthi Village Alangudi Tk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nizam Paper and Board Mills Ltd. Old Palace Buildings Pudukkottai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600006.

Madras-600006, the 13th November 1979

Ref. No. 8525.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 39/1, and 39/2 situated at Pullanvidhuthi, Alangudi Tk and Vanakkankadu Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. No. 647/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 39/1 and 39/2 Pullanvidhuthi Village and Vanakkankadu Village Alangudi Tk.  
(Doc. No. 647/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 13-11-1979

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) C. M. Suresh Babu 30, Block, I, Annanagar, Madras.  
(Transferor)(2) P. Arunagiri, S/o P. Palaniappa Mudaljar, Mohanur  
Namakkal Tk.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600006.

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 142/1 situated at Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 461/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at S. No. 142/1, Ponneri, Chingleput Dt.  
(Doc. No. 461/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. R. Rajeswari Ammal Bahadurpet Kalahastri Tq.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Arumugham, S/o Palaniappa Mudaliar Mohanur,  
Namakkal Salem.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66, situated at Athipedu Village, Ponneri Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 462/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at No. 66, Athipedu, Ponneri Tk.  
(Doc. No. 462/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. C. Munirathinam Block I, Door No. 30, Anna-nagar, Madras.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, situated at Athipedu, Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 463/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.  
(Doc. No. 463/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) C. M. Premalatha 30, Block I Annanagar, Madras-40.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Arunagiri S/o R. Palaniappa Mudaliar Mohanur Namakkal Tk.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

No. 66, situated at Athipedu, Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 464/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.  
(Doc. No. 464/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Duraiswamy Naidu  
Chengalvaraya Naidu  
Bahadurpet, Kalahastri Tk.

(Transferor)

(2) P. Subramaniam  
R. Palaniappa Mudaliar  
Mohanur  
Namakkal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600006.

Madras, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, Athipedu, situated at Ponneri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 465/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.  
(Doc. No. 465/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Date : 7-11-1979,

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—  
27—376GI/79

## FORM ITNS

(1) S. R. Rajeswari Ammal  
Bahadupet, Kalahastri Tk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Lakshmanan S/o. R. Palaniappan Mohanur,  
Namakkal, Salem Dt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th November 1979

Ref. No. 8536.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, Athipedu, situated at Bonneri Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponneri Doc. No. 467/79) on March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu Village, Ponneri Tk. Chingleput Dt. (Doc. No. 467/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8542.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Sengulam Village Beemanagar Kizhkosa St., Trichy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 977/79), on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. N. Syed Ibrahim,  
S. Noor Mohammed,  
S. Hisher Mohammed,  
S. Liyash Mohammed,  
S. N. Mohammed Mustafa,  
M. Mohammed Shabi,  
M. Mohammed Rafeek  
1. Beemanagar, Sengulam Kizh Kosa St., Trichy.  
(Transferee)

(2) S. Thaiyalnayaki  
9, Parupukara Mettu St.,  
Palakkai, Trichy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 1, Beemanagar, Kizhkosa St., Sengulam, Trichy.

(Doc. No. 977/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. A. N. Rajamani,  
89, Raja Colony, Collector's Office Road,  
Trichy.  
(Transferor)

(2) N. Baskaran,  
12C, 10th B Cross 'Thillainagar,  
Trichy.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8543.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 89, at Pudukottai Raja Colony, Collector's Office Road, Trichy-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 975/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 89, Raja Colony, Collector's Office Road, Trichy.

(Doc. No. 975/79).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS —

(1) K. Subbarayan  
14, Karur Rathinam St.,  
Karur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8545.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 208, Ponnagar Colony, situated at Trichy-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1096/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 208, Ponnagar Colony, Trichy. (Doc. No. 1096/79).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. J. Gnanasekaran,  
1, Bertram Buildings,  
Melapulivar Road,  
Trichy Town.

(Transferor)

(2) K. Ramakrishnan 10, Tawker Lane,  
Trichy Fort.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, the 9th November 1979

Ref. No. 8546.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6C, Kallukuzhi, situated at Trichirapalli-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1388/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 6-C, Kallukuzhi, Trichy-1.  
(Doc. No. 1388/79).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Y. Razaack Sait  
South Wick,  
Ootacamund.

(Transferor)

(2) B. Thammanna Gowder  
S/o. Ryai Gowder  
Neethi, Hullathi Village  
Ootacamund Tk.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 10074.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Salmon House, 218 and 219, situated at Ooty, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 437/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 218 and 219, Salmon House Ootacamund.

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Janaki Madhava Menon,  
C/o. Balachandran, Flat No. 28,  
Belvedere Apartment, Warden Road,  
Bombay.

(Transferor)

(2) K. M. Muhamad Abdul Kheder, Firm 20, V. V. Koil  
St., Periamet, Madras-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, the 16th November 1979

Ref. No. 7109.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, Chowdry Colony, situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 409/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Land and building at 59, Chowdry Colony, Nungambakkam, Madras-34.  
(Doc. No. 409/79)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600 006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Meenakshi Ammal W/o. Murugesam Pillai, 4A/211, N.G.G.O. Colony, Coimbatore-22,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. K. Kandaswamy  
S/o. R. Kuppuswamy Chettiar Murugu Illam  
Dr. Alagappa Chettiar Road, Tatabad,  
Coimbatore, 12.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1979

Ref. No. 10285.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sanganur 14/68A situated at Gandhipuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1100/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 14/68A, Sanganur Coimbatore.  
(Doc. No. 1100/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th November 1979

Ref. No. 10079.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 986/1, situated at Blich, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 394/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) V. C. Damodaraswamy,  
D. Balasundaram  
Kammalar, Kangallar  
Vellamadai Village, CBE Tk.

(Transferors)

(2) G. S. Venkatachalam  
S/o, S. P. Somasundaram Chettiar  
Gobi Chettipalayam  
Perianaickenpalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Blich Village, Coimbatore Tk. (Doc. No. 394/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th November 1979

Ref. No. 8529.—Wheeras I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T. S. No. 1939, situated at Malumiyarpet, Cuddalore (OT). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc. No. 346/79) on March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) F. V. Albim,  
Mrs. Leelamma George,  
F. C. Beladynic,  
Basil Varkey,  
Jane Alloysies,  
Malayil Industrial & Commercial Enterprises,  
Perinad, Quilon.

(Transferors)

(2) G. Janardhana Rao,  
Associated Food Packers,  
Neemdakara,  
Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 1939 at Malumiyarpet, Cuddalore O.T. (Doc. No. 346/79).

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Madras-600006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/325/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 kanals 41 marlas, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Teja Singh s/o Sh. Devi Ditta, Village & P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt. Sh. Kishan Singh Narang, Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang, Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar, all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 4½ marlas situated in Village Manimajra, U. T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1139 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/329/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 16 kanals, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Surinder Singh s/o Haqiqat Singh, through his General Attorney Sh. Ralla Singh s/o Sh. Roin Jas, Village & P.O. Manimajra, U.T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt Sh. Kishan Singh Narang.  
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang, Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar, Mrs. Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh, Sh. Gurmit Singh Bawa s/o Sh. Nihal Singh Bawa, Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa, Sh. Sukhpal Singh, ss/o Sh. Gurmit Singh Bawa, Sh. Sarvpal Singh, } through N/G father, Sh. Anupal Singh, } Sh. Gurmit Singh Bawa all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the regis red deed No. 1143 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ralla Singh s/o Sh. Ram Jas,  
Village & P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/328/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 13 kanals, situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Kuldip Singh Narang s/o Sh. Kishan Singh Narang.  
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang, Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar, Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh, Sh. Gurmit Singh Bawa s/o Sh. Nihal Singh Bawa, Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa, Sh. Anupal Singh, } ss/o Sh. Gurmit Singh Bawa Sh. Sarvpal Singh, } through N/G father, Sh. Sukhpal Singh } Sh. Gurmit Singh Bawa all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1142 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Teja Singh s/o Sh. Devi Ditta,  
Village P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/326/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 kanals 41 marlas, situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sh. Bawa Gurmit Singh s/o Sh. Bawa Nihal Singh, Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh, Sh. Anupal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa through N/G. Father Gurmit Singh Bawa Sh. Sarvpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa through N/G Father Gurmit Singh Bawa Sh. Sukhpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa, through N/G Father Gurmit Singh Bawa all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 4½ marlas situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1140 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Hony. Capt. Haqiqat Singh s/o Sh. Ram Jas, Village & P.O. Manimajra, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Sh. Bawa Gurmit Singh s/o Bawa Nihal Singh r/o Muktsar, Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt. Sh. Kishan Singh Narang, Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang, Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar, Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang, all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh. Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa, Sh. Anupal Singh, s/o Sh. Gurmit Singh Bawa, through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa Sh. Sarvpal Singh, s/o Sh. Gurmit Singh Bawa, through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa Sh. Sukpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa, through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

## LUDHIANA

## CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/327/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 kanals, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1141 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/312/78-79.—Whereas J. R. K. MALHOTRA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential house No. 1056, Sector 18-C, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Benarsi Dass s/o Sh. Sawan Ram, r/o 1056, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

(2) Sh. Rishi Raj s/o Sh. Hem Raj, r/o H. No. 2309/A, Sector 27-C, Chandigarh. (Transferee)

(3) Sh. Jagjit Singh Chawla of F.C.I., Sh. Ajit Singh of Fire Brigade, Sh. Ram Harsh Shukla, 1st Floor, Sh. Kulwant Singh Bedi of Punjab Agro Inds. Corpn, Sh. K. R. Gautam, State Bank of India, all r/o H. No. 1056, Sector 18-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 1056, Sector 18C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1013 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—376G1/79

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/313/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 kanals 8 marlas situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 8 marlas situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1030 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sh. Devki Nandan s/o Sh. Munshi Ram r/o Kurali (Village Sialba Majri) Teh. Kharar, Distt. Ropar through his spl. power of attorney Sh. K. G. Sharma s/o Sh. Biru Ram Sharma Village Manimajra, U.T. Chandigarh.  
(Transferor)

(2) S/Shri Hukam Chand, s/o Sh. Daulat Ram, Sh. Angra Dev s/o Sh. Lachhman Dass, r/o Village Manimajra (H.B. No. 375) U.T. Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Sh. Sat Pal, Prem Pal, Ved Parkash ss/o Shri Mohan Lal, B-XI-440, Benjmen Road, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) Sh. Garish Kapoor s/o Sh. Sat Parkash, 82, The Mall, Ludhiana.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/305/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 1764-7/12 sq. yds. situated at Vill. Bhaura on GT Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1764-7/12 sq. yds situated at Vill. Bhaura, on G. T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4886 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Gurbax Singh s/o Sh. Gopal Singh,  
B-I-630, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/306/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential house No. B-I-630, measuring 225 sq. yds., situated at Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. B-I-630, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4903 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITN3

(1) Sh. Lalit Khanna s/o Sh. Om Parkash Khanna,  
r/o B-X-249, Iqbal Ganj, Ludhiana.  
(Transferors)

(2) Shri Sawdesh Pal Seth s/o Sh. Wazir Chand Seth,  
Ram Niwas, Mall Road, Kasauli (H.P.)  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/273/78-79. Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 126, measuring 217.17 sq. yds. Model Town Extension, Part-C, situated at Taraf Noor Bhaini, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 217.17 sq. yds. situated in Model Town, Extension Part-C, Taraf Noor Bhaini, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4549 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal : ..

## FORM ITNS—

(1) Sh. Inder Dev Dhanda s/o Sh. Girdhari Lal, r/o Mohalla Dhandian, Daresi Road, Ludhiana.  
(Transferor)

(2) M/s Saggar Machine Tools Ltd., 419-Industrial Area 'A', Ludhiana, through Sh. Amarjit Singh s/o Sh. Atma Singh.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/291/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 418, measuring 400 $\frac{1}{2}$  sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 400 $\frac{1}{2}$  sq. yds. situated in Industrial Area 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4762 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/304/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2540 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Saranjit Singh s/o Sh. Mehar Singh, through Shri Mehar Singh, G.A. & Baljit Singh son of Shri Mehar Singh, resident of Nasrali, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Melhar Associates, 50, Partap Road, Jullundur through Sh. Bhupinder Singh, Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 2540 sq. yds situated in Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4881 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ram Krishan s/o Sh. Tulsi Ram,  
104, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/299/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 104, Model Gram, Ludhiana, situated at Model Gram, Taraf Karabara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Surinder Kumar son of Sh. Rikhi Ram,  
104, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 104, Model Gram, Taraf Karabara, Ludhiana.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 4811 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) S/Shri Tejpal Singh, Hari Singh s/o Sh. Balwant Singh, 15-A, Krishna Pura, Modi Nagar, Meerut.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/277/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 1000 sq. yds. situated at Gill No. 1, New Janta Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Amarjit Singh s/o Mansha Singh, Village Bilaspur, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1000 sq. yds. situated in New Janta Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4597 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—376G1/79

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Nirmal Handa w/o Sh. Kewal Kishan Handa  
451, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Neelam Khosla w/o Sh. Hari Mittal,  
284-L Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/310/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 451, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House No. 451, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4916 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhajana s/o Shri Kahla,  
r/o Village Kakrali, Teh. Ropar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Major Singh,  
Sh. Amrik Singh, Shri Swaran Singh ss/o Shri  
Baldev Singh,  
r/o Village Kakrali, Teh. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RPN/19/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 16 bighas, situated at Village Kakrali, Teh. Ropar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ropar in March, 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 16 bighas situated in Vill. Kakrali, Teh. Ropar.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 3114 of March, 1979 of the Registering Officer, Ropar).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sarwan Singh alias Kundan Singh s/o Sh. Gagra Singh r/o Ubhawal Teh. & Distt. Sangrur. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. SNG/100/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 68 kanals 9 marlas, situated at Village Ubhawal Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sangrur in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) S/Shri Surjit Singh, Malkiat Singh, Lachhman Singh, Gurjot Singh s/o Shri Bugar Singh, Ranjit Singh, Nachhatar Singh s/o Sh. Gurdev Singh, Karnail Singh s/o Gajjan Singh, r/o Ubhawal, Teh. & Distt. Sangrur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 kanals 9 marlas situated in Village Ubhawal, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2632 of March, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/322/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Corner Plot No. 1415 (measuring 243.91 sq. yds) Sector 34-C situated at sector 34-C Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Lt. Commander Ramesh Chander Jayal s/o Late Sh. Bhola Dutt Jayal r/o 2220, Netaji Nagar, New Delhi, through General Attorney Sh. Dev Raj Chadha s/o Sh. Ram Dass Chadha r/o 1922, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Ravi Kant, Sudhir Mohan and Vijay Kumar s/o Shri Ishar Dass r/o H. No. 3037, Sector 21-D Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal r/o 1849, Sector 34-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property).

(4) Shri Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal, r/o 1849, Sector 34-D, Chandigarh,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Corner plot No. 1415, Sector 34-C, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1130 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/320/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 347, Sector 35-A, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Wing Commr. Sanwal Shah s/o Bakshi Chanan Shah, 19-A, Elgin Road, Ambala Cantt, through Spl. Attorney Sh. Lalit Kumar Mittal s/o Faqir Chand c/o Simla Flour Mills, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferors)

(2) Miss Ruby Mittal, Miss Sherry Mittal (minor) ds/o Sh. Lalit Kumar Mittal r/o 2244, Sector 15-C, Chandigarh through their mother & natural guardian Mrs. Lajwanti Mittal w/o Sh. L. K. Mittal, 2244, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 347, Sector 35-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 1105 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. PTA/301/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed shop Building No. 1667/5, Double Phatak No. 22, Patiala situated at near 22 No. Phatak, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/sh Pritam Singh Brar son of Sh. Nazar Singh, Special Attorney of Saq. Leader son & self Manpree Singh & Smt. Jagit Kaur d/o Gajjan Singh and Jagvir Singh Brar s/o Sh. Pritam Singh of Brar Street, 22 No. Phatak, Patiala.

(Transferors)

(2) Smt. Hrinder Kaur w/o and S/Sh. Tanvir Singh, Sarvjeet Singh, Manmohan Singh, Amrinder Singh all sons of Sh. Gurkirkpal Singh resident of 22 No. Phatak, Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 1667/5, Near 22 No. Phatak, Patiala.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 6264 of March, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/281/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. B-XVI/1057/20, measuring 160 sq. yds. situated at Taraf Piru Bandha, Mohalla Muradpura, Kalsia Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Raj Kumar Joshi & Sons. H.U.F. through Sh. Raj Kumar Joshi son of Sh. Ram Rattan Joshi s/o Sh. Nand Lal Joshi, r/o 1164, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferors)

(2) Sh. Tehal Singh s/o Sh. Ralla Singh s/o Sh. Bholla, r/o B-XVI/1057/20, Kalsia Road, Muradpura, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-XVI/1057/20, Taraf piru Bandha Muradpura, Kalsia Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4643 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Sh. Balbir Walia s/o Sh. Kartar Singh r/o 3-A, Nehru Nagar, Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kataria w/o Sh. Som Nath s/o Shri Maya Dass, 77-C, Udhampur Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. I.DH/265/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 77-C situated at Udhampur Singh Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

House No. 77-C situated at Udhampur Singh Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 4463 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
31—376GI/79

## FORM ITNS

(1) Maj. Birinder Singh Khurana s/o Sh. Harbans Singh, r/o 511, Sector 16, Chandigarh, through Mrs. Shant-Bhupinder Singh w/o Sh. Bhupinder Singh, 676, Sector 8-B, Chandigarh, G.A. of Major Barinder Singh.

(Transferor)

(2) Sh. Bhupinder Singh s/o Sh. Daulat Singh, r/o II. No. 676, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Jasbir Singh Ahluwalia, 1607, Sector 33-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the Property).

(4) Shri Jasbir Singh Ahluwalia 1607, Sector 33-D, Chandigarh.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/324/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. (measuring 528.13 sq. yds), Sector 33-D, situated at Sector 33-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Plot No. 1607, Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 137 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s New Ludhiana Co-op. Cold Store, Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s General Hardware Syndicate, Krishna Market, Overlock Road, Miller Ghat, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/278/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-32-743, situated at Bahadur ke Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(3) M/s Raj Sri Cold Storage & Ice Factory, Bahadur ke Road, Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)(4) M/s Raj Sri Cold Storage & Ice Factory, Bahadur ke Road, Ludhiana.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

No. B-32-743, Bahadur ke Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4593 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1979.

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION  
JUNE 1980

New Delhi, the 22nd December 1979

No. F. 7/2/79-E/(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 8th June, 1980 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 65th Course commencing in January, 1981.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for the Navy and 66 for the Air Force).

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

**Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.**

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

(a) **Nationality** :—A candidate must be either—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African Countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) **Age limits, sex and marital status** :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1962 and not later than 1st January, 1965 are only eligible.

**Note :—Date of birth as recorded in Matriculation/ Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.**

(c) **Educational Qualifications** :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates are required to submit Higher Secondary Examination or Equivalent certificates in original to reach the Commission's Office by 30th December, 1980, failing which their candidature will stand cancelled. Certificates in original issued by the principals or the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

**Note 1.—**Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

**Note 2.—**Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

**4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION :—**Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

**5. REMISSION OF FEE :—**(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.

**6. HOW TO APPLY :—**Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, June, 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.

(iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form, and forward it to the Commission.

*Note* :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College School concerned.

**7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE :—**

- (i) From candidates in India 18th February, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 3rd March, 1980.

**8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :—**

**(A) By all candidates :—**

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes, Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public/Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identified copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Three self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.

**(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—**

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

**(C) By candidates claiming remission of fee :—**

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person repatriate—

**(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan**

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which the may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

**(b) Repatriates from Sri Lanka :—**

High Commission for India in Sri Lanka

**(c) Repatriates from Burma :—**

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

**9. REFUND OF FEE :—**No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1979 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination June, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 30th August, 1980.

**10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :—**

All applications received in the prescribed form for the examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.

**11. RESULT OF APPLICATION :—**If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

**12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—**The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No

candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

**13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:**—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.
- (xii) may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
    - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

**14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—** Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit to the Commission original certificate in support of their age and educational qualifications etc. soon as after the declaration of the results of the written examination.

**15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—** ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

**N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.**

**16. CHANGE OF ADDRESS.**—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

**CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.**

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

**17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.**—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, Rtg. 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

**18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.**—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately

in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

**N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.**

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

**19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.**—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officerlike qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

**20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.**—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

**21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.**—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable

from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

**22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.**—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

R. S. AHLUWALIA,  
Deputy Secretary

## APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of the examination)

### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English . . . . .	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I . . . . .	2 hours	125
Paper II . . . . .	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I. (Science). . . . .	2 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events) . . . . .	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

### B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

**ENGLISH.**—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

### MATHEMATICS

#### PAPER—I

##### Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory-Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

#### Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

#### Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ .

Values of  $\sin x, \cos x$  and  $\tan x$ , for  $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  and  $90^\circ$ .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

#### PAPER II

#### Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

#### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

#### Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

#### GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

#### PAPER I SCIENCE

General Knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes. Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of

Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation. Elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys. Siphon, Levers, Balloon, Pumps. Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask. Gramophone. Telegraph. Telephone. Periscope. Telescope. Microscope. Mariner's Compass. Lighting Conductors. Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells, Protoplasm and Tissues.

Growth and reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

#### PAPER II

#### (SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoojan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification: Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

#### INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

#### APPENDIX II

##### GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the

procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere, with the efficient performance of duty.

2. It will however, be ensured that :—

(a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;

(b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE : (i) A candidate with rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE : (ii) X-Ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

(c) there is no impediment of speech;

(d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or depression of the bones of the skull;

(e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the naso-pharynx and accessory sinuses;

NOTE : (i) A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otolaryngology.

NOTE : (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated, should be adequate.

(g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE :—Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE :—Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

(j) there is no evidence of pulmonary tuberculous or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

(k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation.

(1) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE :—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

- (i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);
- (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
- (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

NOTE :—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

(ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggrivation or recurrence; and
- (t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE :—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

### 3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) *Height*.—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwalis candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, NEERA, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM, NAGALAND and TRIPURA may also be reduced by

5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

*Note*.—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) *Air Force only*.—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

Leg length . . . . .	minimum	99.0 cms.
	maximum	120.0 cms.
Thigh length . . . . .	maximum	64.0 cms.
Sitting height . . . . .	minimum	81.50 cms.
	maximum	96.00 cms.

NOTE : On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms in height, 2.5 cms in leg length (minimum) and 1.0 cms in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of training at NDA.

(b) *Weight*.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight, fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age	Period	15—16	16—17	17—18	
		Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157.00	.	.	43.5	45.0	47.0
160.00	.	.	45.0	46.5	48.0
162.00	.	.	46.5	48.0	50.0
165.00	.	.	48.0	50.0	52.0
167.00	.	.	49.0	51.0	53.0
170.00	.	.	51.0	52.5	55.0
173.00	.	.	52.5	54.5	57.0
175.00	.	.	54.5	56.0	59.0
178.00	.	.	56.0	58.0	61.0
180.00	.	.	58.5	60.0	63.0
183.00	.	.	61.0	62.5	65.0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (+ 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre

will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

*For Air Force*—X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection:—

- (i) Scoliosis more than 7° by Cobb's method
- (ii) Spina Bifida except at S<sub>1</sub>.
- (iii) Unilateral Sacralization of L<sub>5</sub>.
- (iv) Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes, Spondylolysis or Spondylolisthesis.
- (v) Any other significant spinal disease.

ECG of all candidates for entry into Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

**NOTE:**—X-Ray of chest is compulsory.

#### 4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
- (ii) 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

- (i) any four of the six anteriors.
- (ii) any six of the ten posteriors.

(c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

#### 5. Visual Standard

##### (a) Visual acuity

###### Standard I

	Better eye	Worse eye	
Distant Vision . . . . .	V-6/6	V-6/9	
		Correctable to 6/6	

###### Standard II

Distant Vision (corrected) . . . . .	6/6	6/9	
Myopia of not more than —2.5 D including astigmatism (.5 D in case of Navy)			

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

**NOTE 1.** Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or choroid retina to be present suggesting progressive myoretina.
3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

##### (b) Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit:—

*CP-3 (Defective Safe)* :—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or

read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

#### (c) Requirements for Services:

##### ARMY-VS II (Minimum Standard)

**NAVY** (i)—Visual Standard I.—No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

##### (ii) Special requirements:

Normally cadets/Direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings:—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia, Pigmentary degeneration disturbances of Choroid Retina, Abnormal Iris and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects, will be subjected to detailed NVA tests in the usual manner.

##### Colour Perception

##### Standard I M.I.T

##### Heterophoria

(Martin Lantern test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed:

##### (a) At 6 metres—

Exophoria . . . . .	8 prism	dioptries
Esophoria . . . . .	8 prism	dioptries
Hyperphoria . . . . .	1 prism	dioptrie

##### (b) At 30 cms

Exophoria . . . . .	6 prism	dioptries
Exophoria . . . . .	16 prism	dioptries
Hyperphoria . . . . .	1 prism	dioptrie

##### Limits of hypermetropia (Under homatropine)

Better eye

Hypermetropia . . . . . 1.50 dioptries

Simple hypermetropic astigmatism . . . 0.75 dioptrie

Compound Hypermetropic astigmatism . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptries of which not more than 0.75 dioptrie may be due to astigmatism.

Worse eye

Hypermetropia . . . . . 2.5 dioptries

Simple Hypermetropic astigmatism . . 1.5 dioptrie

Compound Hypermetropic astigmatism . . The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptries of which not more than 1.0 dioptrie may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptrie in any one meridian.

##### Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eye):—

AIR FORCE (i) V.S.I. . . . . No glasses will be worn.

## (ii) Special requirements:

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.00 D.

*Ocular Muscle Balance :*

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

(a) at 6 metres . . . . .	Exophoria	6 prism dioptres.
	Esophoria	6 prism dioptres.
	Hyperphoria	1 prism dioptre.
(b) at 33 cms . . . . .	Exophoria	16 prism dioptres.
	Esophoria	6 prism dioptres.
	Hyperphoria	1 prism dioptre.
	Myopia.—Nil	
	Astigmatism + 0.75	
	Day	

**Binocular vision.**—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

**Colour Perception**—Standard I MLT.

**6. Hearing standard.**

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) **Speech Test**

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) **Audiometric tests**

Audiometric loss should not be greater than + 10db. in frequencies between 250 Hz and 4000Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendations of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. **Routine basal EEG.**—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

**APPENDIX III**

## (Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment :	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarships.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, is in addition, to any financial assistance from the Government.

(3) **KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) ASSAM GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) KERALA GOVERNMENT Scholarship.—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the state of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

- (a) Category 1.—Three scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.
- (b) Category 2.—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per Course, of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu, whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) RAJASTHAN GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Rajasthan has instituted at the NDA three scholarships (one for Army, Navy and Air Force each) per Course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/-. (One only during the entire period of a cadet's training) to be awarded to the cadets who are sons/wards of Ex JCO/ ORs or equivalent of the Navy and Air Force belonging to the State of Rajasthan. The application can be made to the Commandant, National Defence Academy by the eligible cadets, on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

#### TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Training ship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

## TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

## 11. ARMY OFFICERS

## (i) PAY

Ran,	Pay Scale	Rank	Pay Scale
2nd Lieut.	Rs. 750—790	Lt. Colonel (time scale)	1900 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj. General	2500—125/2— 2750
Lt. Colonel By Selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

## (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

## (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances:—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation Allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective Service commencing from the date of first commission.

## (iv) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

## (v) PROMOTIONS

## (a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

## By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service
Capt.	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. form Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

## By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Maj-Gen.	25 years of Commissioned service

Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

## (b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:—

Captain	3 years
Major	6 years.
Lt. Colonel	6 1/2 years.
Colonel	8 1/2 years.
Brigadier	12 years.
Maj. General	20 years.
Lt. General	25 years.

## 12. NAVAL OFFICERS

## (i) PAY

Rank	Pay Scale;	
	General service	Naval Aviation & Submarine
Midshipman	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Ag. Sub-Lieut	560/-	560/-
Sub-Lieut	750/-	825/-
Lieut	830/870	910/950
Lieut. Cdr.	1100-1450	1200-1550
Cdr.	1550-1800	1650-1800
Captain	1800-1950	1800-1950
	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority Captain.	
Rear Admiral	2500-125/2-275	
Vice Admiral	3000/- p. m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

## (ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

## (iii) PROMOTIONS

## (a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank:—

## By Time Scale

Sub. Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection).

*By. Selection*

Cmdr. Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice-Admiral	No restriction.

*(b) Acting Promotion*

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

## 13. AIR FORCE OFFICER

*(i) PAY*

Rank	Pay Scale
Plt. Offr.	825-865
Fg. Offr.	910-1030
Flt. Lt.	1300-1550
Sqn. Ldr.	1650-1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750-1950
Wg. Cdr (Time Scale)	1800 (fixed)
Gp Capt.	1950-2175
Air Cdrc.	2200-2400
Air Vice-Marshall	2500-2750
Air Marshal	3000
Air Chief Marshal (CSA)	4000

*(ii) ALLOWANCES*

*Flying Pay*—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates:

	Rs.
Plt Offr to Wg Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr.	333.00 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

*(iii) Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below:—

Qualification pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

*(iv) PROMOTIONS**(a) Substantive Promotion*

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

*By. Time Scale*

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

*By. Selection*

Wg. Cdr.	3 years service as substantive Sqn. Ldr.
Gp Capt.	4 years service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air-Vice-Marshall	3 years service as substantive Air Commodore.
Air Marshal	2 years service as substantive Air Vice-Marshall.

*(b) Acting Promotion*

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers:—

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vice-Marshall	15 years (After service of 5 years in the ranks of Wg. Cdr. Gp., Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

\*Inclusive of broken period.

## 14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## 15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

## APPENDIX IV

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India*

This is to certify that Shri ..... son of ..... of village/town\* ..... in District/Division\* ..... of the State/Union Territory\* ..... belongs to the ..... Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[As amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri ..... and\*/or his family ordinarily reside(s) in ..... village\*/Town of ..... District\*/Division of the State\*/Union Territory of ..... State

Union Territory\*

Place.....

Date.....

Signature .....

\*\*Designation.....

(with seal of office)

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Castes/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(ii) Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(iii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iv) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(v) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(vi) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

## APPENDIX V

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response, (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1.  a  b  c  d  e

2.  a  b  c  d  e

3.  a  b  c  d  e

It is important that—

1. You bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items;
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener,

and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed at the margin so that no one opens it before the supervisor does. Write your name on your Test Booklet, examine and re-examine the Test Booklet and if it is sealed, open it and read it. After you have done this, you should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on the Test Booklet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although you are given a limited time to answer the questions, it is important that you answer as quickly and easily as possible. You will notice that the first few questions are easier, and the last few are more difficult. Answer the easier questions first and then go on to the difficult ones. Do not waste time on the difficult questions. It is better for you to go on to the easier ones and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### G. CONCLUSION OF TEST.

Stop writing as soon as the Supervisor asked you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the Invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?  
 (a) the successors of Asoka were all weak.  
 (b) there was partition of the Empire after Asoka.  
 (c) the northern frontier was not guarded effectively.  
 (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

